शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 321 | गुवाहाटी | मंगलवार, 20 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

एमएनएफ के रवैए पर असम मणिपुरी समूह ने अनिश्चितकालीन आर्थिक... पेज 3

वियतनामी रक्षा मंत्री के साथ राजनाथ सिंह ने रक्षा संबंधों पर की द्विपक्षीय बैठक पेज 4

हीटवेव के लक्षणों और बचाव के लिए आमजन को जागरुक किया... पेज 5

बिपरजॉय तूफान : जेएलएन हॉस्पिटल पानी से लबालब, वार्डों में पानी... पेज 8

134 यात्रियों को माजुली ले जा रही नौका लापता

गुवाहाटी। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते असम की नदियां उफान पर हैं। इस बीच, असम के जोरहाट से माजुली जा रही एक नौका के लापता होने की सूचना मिली है। फेरी में 234 लोग सवार थे। माजुली के रास्ते में फेरी, एमवी लोहित अपने समय पर थी, लेकिन उसका संपर्क टूट गया है। यह जोरहाट के निमाती घाट से कमलाबाड़ी, माजुली की ओर जा रही थी। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, जोरहाट के निमाती घाट से दोपहर 1:30 बजे रवाना हुई नौका में 134 यात्री और 32 मोटरसाइकिलें भी सवार थीं। आशंका जताई जा रही है कि घने कोहरे और तेज बहाव के कारण नौका रास्ता भटक गई होगी। लापता नौका का पता लगाने के लिए एक टीम का गठन किया गया है।

अंबुवासी मेला : कामाख्या मंदिर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 400 सीसीटीवी कैमरे

गुवाहाटी (हि.स.)। ऐतिहासिक अंबुवासी मेले में बस कुछ और दिन शेष हैं। इस बीच कामाख्या मंदिर की अंबुवासी महायोग प्रबंध समिति और जिला प्रशासन की ओर से मेले की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। सुरक्षा के लिए एहतियाती उपायों और मेले में आने वाले धर्मप्रेमियों की सुविधाओं लिए प्रशासन जुट गया है! कामाख्या मंदिर को खूबसूरती से सजाने की तैयारियां अब लगभग पूरी हो चुकी हैं। सोमवार को अंबुवासी महायोग प्रबंध समिति ने एक संवाददाता सम्मेलन में अंबुवासी मेले के दौरान समिति द्वारा किए गए कुछ उपायों और कुछ दिशा-निर्देशों के बारे में जानकारी दी गयी। प्रबंध समिति ने बताया कि 22 जून की रात 2 बजकर 30 मिनट 42 सेकेंड पर अंबुवासी महायोग की प्रवृत्ति होगी और उसके बाद 23, 24

और 25 जून को देवालयों के कपाट बंद रहेंगे। वहीं 26 जून की सुबह देवी स्नान नित्य पूजा संपन्न होने के बाद मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। 26 जून और 27 जून को विशेष दर्शन पास (501 रुपए) की व्यवस्था बंद रहेगी। इस बीच, वीआईपी/वीवीआईपी को 26 और 27 जून को दर्शन करने की सुविधा नहीं होगी। इस बीच, प्रबंध समिति ने अंबुवासी मेले के दौरान किए जाने वाले कुछ उपायों के बारे में भी जानकारी दी है और कहा है कि इस बार नीलाचल पहाड़ियों के आसपास तीर्थयात्रियों के लिए भोजन की व्यवस्था नहीं होगी। साथ ही, नीलाचल पहाड़ी पर किसी भी प्रकार के खाद्य पदार्थ वितरित नहीं किये जाएंगे। वहीं निचले कामाख्या से आने वाले फुटपाथों वाहनों के रास्ते के बीच-बीच में चिकित्सा सेवाएं, पेयजल, आराम करने की व्यवस्था, पानी, जूते-सैंडल रखने की सुविधा रहेगी। इस बार अंबुवासी के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए मंदिर की परिक्रमा के बाद पूर्व और पश्चिम द्वार से यात्रा करने की व्यवस्था होगी। इस बीच अंबुवासी मेले में हर साल की तरह इस बार भी अनगिनत श्रद्धालुओं की मौजूदगी को देखते हुए मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मंदिर में कानून-व्यवस्था और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित -शेष पृष्ठ दो पर

रवि सिन्हा रॉ के प्रमुख

नई दिल्ली। आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आर एंड एडब्ल्यू) का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा 30 जून को अपना कार्यभार संभालेंगे। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। फिलहाल सामंत गोयल रॉ प्रमुख हैं। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में कहा गया है कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रवि सिन्हा को सोमवार को भारत की खुफिया एजेंसी रॉ का नया प्रमुख नियुक्त किया गया। जानकारी के मुताबिक, छत्तीसगढ़ कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी सिन्हा वर्तमान में कैबिनेट सचिवालय में विशेष -शेष पृष्ठ दो पर

नरेंद्र मोदी सूर्य और मैं चंद्रमा : हिमंत

कामरूप (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सूर्य बताते हुए अपनी तुलना चंद्रमा से की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मदद के बिना हजारों करोड़ रुपए का विकास कभी भी संभव नहीं हो पाता। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा सोमवार को कामरूप (ग्रामीण) जिले के उत्तर गुवाहाटी के रंगमहल मॉडल स्कूल के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे! मुख्यमंत्री ने जालुकबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र में एक ही परिसर में आयोजित होने वाले पहले एसईबीए और

सीबीएसई पैटर्न के मॉडल स्कूल का उद्घाटन भी किया। राज्य में आज से कुल 38 मॉडल स्कूल खोले गए हैं। इनमें से 19 मॉडल स्कूल चाय बागानों के लिए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे असम में शिक्षा को एक उत्सव में बदलने के लिए राज्य सरकार की यह योजना है। असमिया माध्यम पर ऑल असम स्टूडेंट यूनियन (आसू) की सरकार को की गई टिप्पणियों का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आसू का रास्ता अलग है और सरकार का रास्ता अलग है। आसू भी चाहता है असम का विकास हो -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

मणिपुर हिंसा : राजनाथ के साथ मंत्रियों सांसदों और विधायकों ने की मुलाकात

नई दिल्ली/इंफाल (हि.स.)। मणिपुर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के 30 सदस्यीय मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस (एसओओ) को वापस लेने की मांग की। सोमवार दोपहर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की और राज्य के जमीनी नियमों का उल्लंघन करने वाले विद्रोही समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इसके अलावा उन्होंने एसओओ के निलंबन को वापस -शेष पृष्ठ दो पर

नौ खालिस्तानियों में से दो ढेर, भिंडरावाले समर्थकों का खात्मा

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की आज कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। निज्जर को ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत के पंजाबी बहुल सरे शहर में गुरु नानक सिख गुरुद्वारे में मारा गया। निज्जर खालिस्तान समर्थक संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का एक्टिव मेंबर था, जिसे एनआईए ने अपनी वांटेड लिस्ट में भी शामिल किया था। निज्जर ने कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में खालिस्तान जनमत संग्रह के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसको लेकर भारत भी हमेशा अलर्ट मोड में रहा है, ऐसा इसलिए क्योंकि वो भगोड़ा घोषित था। एनआईए ने वर्ष 2020 में नौ आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, जिसमें कनाडा के हरदीप सिंह निज्जर का भी नाम शामिल था। बीते दो साल में 4 खालिस्तानी आतंकियों का खात्मा हो चुका है। आईए जानें, कैसे हुआ इन आतंकियों का खात्मा... डेढ़ महीने पहले ही आतंकी संगठन

खालिस्तान कमांडो फोर्स (केसीएफ) के चीफ परमजीत सिंह पंजवड़ की लाहौर में हत्या कर दी गई थी। परमजीत को जौहर कस्बे की सनफ्लावर सोसाइटी में घुसकर गोलियां मारी गईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वह 1990 से पाकिस्तान में शरण लेकर बैठा था। वह वहां मलिक सरदार सिंह के नाम से रह रहा था। एनआईए की वांटेड लिस्ट में परमजीत सिंह पंजवड़ का नाम आठवें नंबर पर था। दूसरी हत्या कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हुई है। उसे भी अज्ञात हमलावरों ने गोली मारी है। निज्जर को भी 2020 में जारी की गई आतंकियों की सूची में शामिल किया गया था। ब्रिटेन में बैठे खालिस्तानी -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर के मुख्यमंत्री ने किया राहत केंद्रों का किया दौरा

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने सोमवार को राहत केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान वे विस्थापितों से मिले और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने सभी की शिकायतें सुनीं और तत्काल समस्याओं के समाधान करने का आश्वासन दिया। जानकारी के मुताबिक मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने अधिकारियों की एक टीम के साथ नौरेम बिराहारी कॉलेज खुंद्रकपम, इंफाल पूर्व और हिंगंग माखा लीकाई में खोले गए राहत शिविरों का दौरा किया। इस दौरान जब विस्थापितों से वे बातचीत कर रहे थे, तब कई महिलाएं अपनी आपबीती सुनाते हुए रो पड़ीं। एन बीरेन सिंह ने विस्थापितों से बातचीत की और उनकी शिकायतों और तत्काल को हल करने का आश्वासन दिया।

Door
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बदमाशों की गोलीबारी से सेना का जवान घायल

इंफाल। मणिपुर में पिछले डेढ़ महीने से हिंसा हो रही है। स्थानीय लोगों और सुरक्षाबलों के बीच हर रोज हिंसक झड़प की खबरें सामने आ रही है। इस बीच भारतीय सेना के स्पीयर कॉर्प्स ने जानकारी दी है कि सशस्त्र बदमाशों ने 18/19 जून की रात के दौरान कांटो सबल से चिंगमंग गांव की ओर ताबड़तोड़ गोलीबाड़ी की। इलाके में ग्रामीणों की मौजूदगी को देखते हुए सेना की टुकड़ियों ने नियंत्रित जवाबी फायरिंग की। इस कार्रवाई में एक सेना का जवान घायल हो गया, जिसे सैन्य अस्पताल लीमाखोंग ले जाया गया और उसकी हालत स्थिर है। भारतीय सेना ने बताया कि क्षेत्र में शामिल किए गए अतिरिक्त कॉलम और संयुक्त अभियान प्रगति पर हैं। भारतीय सेना द्वारा इंफाल घाटी में हिंसा प्रभावित क्षेत्र में फ्लैग मार्च करने के एक दिन बाद यह घटना सामने आई है। अधिकारियों ने 18 जून को सुबह पांच बजे से शाम पांच बजे तक कर्फ्यू में ढील देने का भी फैसला किया है। मणिपुर सरकार ने हिंसा के बीच इंटरनेट सेवाओं को 20 जून तक के लिए बंद कर दिया गया है। इससे पहले, प्रमुख आदिवासी नेताओं के फोरम का ट्विटर हैंडल -शेष पृष्ठ दो पर

गीताप्रेस को गांधी शांति पुरस्कार कांग्रेस पर भड़की भाजपा

नई दिल्ली। गोरखपुर स्थित प्रसिद्ध गीता प्रेस को साल 2021 का गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने के एलान के साथ ही अब इस पर सियासत शुरू हो गई है। एक ओर, कांग्रेस पार्टी ने गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार दिए जाने के आदेश के बाद सवाल उठाया तो भाजपा ने भी तुरंत पलटवार किया। भाजपा ने आलोचना करने को लेकर सोमवार को कांग्रेस को आड़े हाथों लिया और आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी गीता प्रेस से इसलिए नफरत करती है, क्योंकि वह सनातन धर्म का संदेश फैला रहा है। गीता प्रेस को यह पुरस्कार अहिंसक और अन्य गांधीवादी तरीकों से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

भूख के समान कोई दूसरा शत्रु नहीं है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

केदारनाथ शिवलिंग पर महिला ने फेंका नोट

देहरादून। केदारनाथ मंदिर के गर्भगृह में नोट फेंकती एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने सोमवार को इस संबंध में अधिकारियों को जांच के आदेश दिए। गर्भगृह में पुजारियों की मौजूदगी में हुए इस प्रकरण पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए अजय ने अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा तथा जांच कर तत्काल सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस संबंध में रूद्रप्रयाग के जिलाधिकारी -शेष पृष्ठ दो पर

नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे से तिलमिलाया आईएसआई

नई दिल्ली। ऐसे में जब नरेंद्र मोदी का अमेरिका दौरा हो रहा है और पूरी दुनिया की इस पर पैनी नजर है, ठीक उस वक्त भारत विरोधी ताकतों ने मिलकर मोदी की अमेरिका की यात्रा से पहले ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। खबर है कि पाकिस्तान कि खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर अमेरिका में बैठे कुछ भारत विरोधी ताकतों ने मोदी को अमेरिका द्वारा दिये जा रहे भव्य स्वागत और रेड कारपेट का विरोध करने का पूरा एक्शन प्लान तैयार किया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री का अमेरिका दौरा 21 जून से शुरू हो रहा है। जहां एक तरफ पूरे अमेरिका में मोदी के भव्य स्वागत की तैयारी जोर शोर से चल रही है वहीं दूसरी

तरफ अमेरिका में बैठे मानव अधिकार से जुड़े कुछ समूह भारत के बिगड़ते मानवाधिकारों का हवाला देकर मोदी की अमेरिका की यात्रा का विरोध करने की योजना बना रहे है। जानकारी के अनुसार इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल, पीस एक्शन और ऐसे कई अन्य समूह एक साथ मिलकर पहले विदेशी मीडिया को संबोधित करेंगे और बाद में 22 तारीख को वाशिंगटन में बीएलएम प्लाजा यानी ब्लैक लाइफ मैटर प्लाजा पर दोपहर 12 से शाम 5 बजे तक धरना देंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ समूह वाइट हाउस के बाहर भी धरना देंगे और बाइडेन सरकार द्वारा मोदी को रेड कारपेट देने के फैसले का विरोध करेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल पंचायत चुनाव : केंद्रीय बलों की तैनाती पर एससी में सुनवाई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव हिंसा मामले में ममता सरकार और राज्य चुनाव आयोग की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट कल सुनवाई करेगा। कलकत्ता हाई कोर्ट ने 48 घंटे में हर जिले में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती का आदेश दिया था। इसके खिलाफ दोनों सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। बता दें कि बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी। ममता ने हाईकोर्ट से अपने फैसले पर पुनर्विचार की मांग की थी। इससे पहले कलकत्ता हाईकोर्ट ने पंचायत चुनाव को लेकर पूरे -शेष पृष्ठ दो पर

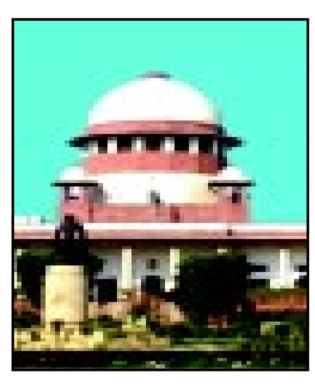

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर में बदतर हो रहे हालात से एनपीपी के बागी सुर

इंफाल। मणिपुर में जारी हिंसा के बीच राज्य की सत्ताधारी पार्टी भाजपा के उसके अपने ही सहयोगी अब सरकार के कामकाज और फैसले पर सवाल उठाने लगे हैं। मणिपुर में भाजपा की सहयोगी नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ने साफतौर पर कह दिया है कि अगर राज्य की एन बीरेन सिंह सरकार सुरक्षा और शांति को स्थापित करने में सक्षम नहीं होती है तो फिर गठबंधन में रहने का कोई फायदा नहीं है। इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए एनपीपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम युमनाम जॉयकुमार ने कहा है कि राज्य में अगर यही स्थिति बनी रहती है तो उनकी पार्टी को मौजूदा सरकार के साथ अपने समीकरणों पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। पिछले दिनों कांग्रेस समेत कई विपक्षी पार्टियों ने राज्य और केंद्र की सरकार पर हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की अपील की थी। 60 सीटों वाली विधानसभा में सात विधायकों के साथ एनपीपी मणिपुर की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है। 2022 के विधानसभा चुनाव में एनपीपी सत्ताधारी पार्टी भाजपा के खिलाफ चुनाव मैदान में उतरी थी हालांकि, बाद में सात विधायकों ने बीरेन सिंह सरकार को समर्थन देने का फैसला किया। भाजपा के साथ अपने गठबंधन के सवाल पर पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि राज्य में हिंसा शुरू हुई करीब डेढ़ महीने हो चुके हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ-साथ उनकी ओर से दिए गए दिशा-निर्देशों के बावजूद स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह जिम्मेदारी होती है कि वो अपने लोगों की अच्छे से देखभाल करे। उन्होंने आगे कहा कि अगर राज्य सरकार अपने ही लोगों की सुरक्षा का ध्यान नहीं रख पा रही है और राज्य में शांति सुनिश्चित नहीं कर पा रही है तो इसे उनकी विफलता ही समझा जाएगा और यदि वे विफल हो गए हैं तो फिर उनके साथ रहने का कोई मतलब नहीं है। एनपीपी का सरकार का हिस्सा होने की वजह से हमारी भी बारबर की जिम्मेदारी बनती है। ऐसे में हम चुपचाप हाथ पर हाथ धरे तो नहीं बैठ सकते। जॉयकुमार ने कहा, आज के हालात देखिए, मंत्रियों के घर जलाए जा रहे हैं। दफ्तरों में तोड़फोड़ की जा रही है। स्थिति में यदि कोई सुधार नहीं हुआ तो हम इस सरकार के साथ अपने समीकरण पर पुनर्विचार और समीक्षा करने को विवश हो जाएंगे। उन्होंने इशारों-इशारों में कहा कि मेरा मतलब समर्थन वापस लेने से नहीं है (बल्कि सत्ता से हटाने के लिए)। क्योंकि हमारे समर्थन के बिना भी भाजपा सत्ता में बनी रह सकती है। बता दें कि जॉयकुमार पूर्व आईपीएस अधिकारी हैं और 2007 से 2013 तक राज्य के डीजीपी भी रह चुके हैं।

मेघालय : वर्षाजनित घटनाओं में अब तक नौ की मौत

शिलांग (हिंस)। मेघालय के कई हिस्सों में लगातार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन जनित घटनाओं में मरने वालों की संख्या नौ हो गई है। राज्य के 130 गांवों में 3,590 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन अथॉरिटी के कार्यकारी निदेशक मात्सिवदोर वार नोंगब्री ने एक बयान में बताया कि अब तक बारिश और बाढ से 350 घरों को नुकसान पहुंचा है, जबकि 20 जानवरों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि 11 जून को नोंगपोह में एक पुलिया में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। सप्ताह की शुरुआत में मावसिनराम इलाके में एक वाहन के गहरी खाई में गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई थी। इस दुर्घटनाग्रस्त वाहन के यात्रियों में से एक लापता है। हालांकि पीड़ित को मृत मान लिया गया है, लेकिन शव को अभी तक बरामद नहीं किया जा सका है। शनिवार को नोंगस्टोइन में मिट्टी के धंसने से मलबे में दबने से दो नाबालिग भाई-बहनों की मौत हो गई थी, जबकि उसी जिले में एक मछुआरा बह गया था, जिससे मरने वालों की संख्या नौ हो गई थी। उन्होंने बताया कि राज्य में 11 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को भी नुकसान होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई है। इसी बीच पूर्वी जयंतिया हिल्स में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सोनापीडी में राजमार्ग को साफ करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से मदद मांगी है, जहां लगातार कीचड़ होने से यातायात ठप हो गया है।

माल अनलोडिंग में वृद्धि बरकरार

गुवाहाटी (हिंस)। आवश्यक और अन्य वस्तुओं की आपूर्ति बरकरार रखने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) निरंतर माल अनलोडिंग में वृद्धि दर्ज कर रही है। मई, 2023 के दौरान पूसीरे में 1131 मालवाही रेकों को अनलोड किया गया। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 14680 मालवाही रेक अनलोड किए गए। वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में यह 6.71 प्रतिशत की वृद्धि है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि पूसीरे ने उक्त महीने में एफसीआई चावल, चीनी, नमक, खाद्य तेल, खाद्यान्न, उर्वरक, सीमेंट, कोयला, सब्जियां, ऑटोमोबाइल, पीओएल टैंक, कंटेनर एवं अन्य सामानों का परिवहन किया और इसे अपने क्षेत्राधिकार के विभिन्न गुड्स शेडों में अनलोड किया गया। मई, 2023 में, असम में मालवाही ट्रेनों के 615 रेक अनलोड किए गए, जिनमें से 299 आवश्यक वस्तुओं से लदे हुए थे। इस माह के दौरान त्रिपुरा में 98 रेक, नगालैंड में 18 रेक, मणिपुर में 2 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 7 रेक और मिजोरम में 5 रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा इस महीने के दौरान पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन पश्चिम बंगाल में 221 माल रेक और बिहार में 165 माल रेक भी अनलोड किए गए।

उदालगुड़ी के एक गांव के लोगों को डरा रही शुक्लाई नदी की बाढ़

उदालगुड़ी (हिंस)। राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बरसात के चलते सभी नदियों का जलस्तर काफी बढ़ गया है। इस कड़ी में उदालगुड़ी जिले के एक गांव के लोग शुक्लाई नदी का रौद्र रूप देखकर बेहद सहमे हुए हैं। उदालगुड़ी जिले के जंगलबस्ती गांव को राज्य की पहली बाढ़ ने भयभीत कर दिया है। अगर गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश किया तो कई परिवारों का आसियाना बाढ़ में बह जाने की प्रबल आशंका है। पानेरी निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत डिमाकुची के जंगलबस्ती गांव में शुक्लाई नदी की बाढ़ से यह स्थिति उत्पन्न हो गई है।

भूटान से बहने वाली शुक्लाई नदी के कटाव से यह गांव बह जाने के कगार पर है। शुक्लाई नदी पहले ही गांव में पक्की सड़कों के एक हिस्से को नष्ट कर चुकी है। किसी भी क्षण सड़क बह सकती है और नदी का पानी अवरोध को तोड़कर गांव में प्रवेश कर सकता है। पहले से ही पार्कुपाइन के जरिए तट कटाव को रोकने की कोशिश की जा रही है लेकिन इसमें सफलता नहीं मिल पा रही है। अब हर पल गांव के लोग डर के साये में जीवन व्यतीत करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने शुक्लाई नदी के कटाव से गांव को बचाने की राज्य सरकार से गुहार लगायी है।

गोगामुख में भारी मात्रा में गांजा जब्त, एक गिरफ्तार

धेमाजी (हिंस)। राज्य के धेमाजी जिला के गोगामुख में आज (सोमवार) 5 किलो 200 ग्राम गांजा जब्त किया गया है। गोगामुख थाना प्रभारी देवानंद दास के नेतृत्व में गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर पुलिस ने टिंगिरी गांव जा रहे फिरोज पेगू को ग्लैमर बाइक (एएस-07आर-9102) पर ले जा रहे गांजा के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार व्यक्ति का घर जियाधल चाराली के निकट है। बताया गया है कि गिरफ्तार शख्स लंबे समय से गांजे का कारोबार चला रहा था। गोगामुख पुलिस इस दिशा में अभियान जारी रखे हुए है। साथ ही पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

वृद्धाश्रम में प्रदेश कांग्रेस ने मनाया राहुल गांधी का जन्मदिन

गुवाहाटी (हिंस)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विचार विभाग की पहल पर सोमवार शाम गुवाहाटी के प्रमोद तालुकदार स्मृति वृद्धाश्रम में *गीते माते संध्या* नामक एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया। विचार विभाग के अध्यक्ष इमदाद हुसैन के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में जाने-माने अभिनेता अतुल पासनी ने अपने वक्तव्यों से उपस्थित लोगों को हंसाकर लोटपोट कर दिया। प्रसिद्ध गायक हुमायूं चौधरी और दृष्टिबाधित कलाकार शाहिद अफरीदी के अलावा कांग्रेस पार्टी की वरिष्ठ नेता जो विशेष रूप से विदेशों में *आपोन मानुह* के लिए परिचित बबीता शर्मा, प्रदेश कांग्रेस महासचिव डॉ. संजू बोरा और विचार विभाग के अध्यक्ष इमदाद हुसैन ने एक-एक गीत की प्रस्तुति दी। वहीं मदन शर्मा ने बांसुरी बजाई। पूर्व सांसद द्विजेन शर्मा ने इस मौके पर अपने विचार व्यक्त किए। असम प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष मीरा बोरठाकुर ने घोषा का प्रदर्शन कर माहौल को गंभीर बना दिया। इनके अलावा प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गुणकांत गोगोई, महासचिव रामान्ना बरुवा, मानस बोरा, सचिव प्रफुल्ल कुमार दास, कृदीप बर्मन, मुस्ताक गुलाम उस्मानी, गीताली दास, माइनाजान बेगम, साहिल नवाज सहित कई अन्य कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर कुछ खाद्य सामग्री भी वितरित की गयी।

MISSING INFORMATION

The above is photograph of Smti. Papori Das, W/o Sri Pabitra Das, R/o Bongai Patholial Hujaibam gaon, PS- Bhogamukh, Dist. Jorhat, Assam who has been missing since 14/06/2023.

This refers to Garmul OP GDE No- 220/23 Dtd. 15/06/2023 and M.M.R. No. 2/23.

Descriptive Roll of the Missing Women :

1. Name : Smti Papori Das
2. Age : 27 Year
3. Height : 4 Feet 6 inch
4. Colour : Swearthy
5. Built : Medium
6. Hair : Long & Black
7. Wearing : Blue & Red Colour Mekhala Sadar

All efforts may kindly be taken to trace out/recover the above noted missing Woment and result there of may be intimated to this office at the following address & helpline number for further necessary action
1. Superintendent of Police, Johat
2. Officer-in-Charge, Jorhat Police Station
3. Helpline No. : 0376-2320018 (Police control, Jorhat)

Superintendent of Police,
Udalguri, Assam

-- Janasanyog /D/5339/23

पृष्ठ एक का शेष

अंबुवासी मेला : कामाख्या मंदिर ...

करने के लिए देवालय की ओर से 120 स्थायी सुरक्षाकर्मी, 500 स्काउट गाइड, 400 स्वयंसेवक और 100 अस्थायी सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। इसके अलावा मंदिर के आसपास 400 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर के अपने 200 सफाई कर्मचारियों के अलावा 100 अस्थायी सफाई कर्मचारी नियुक्त किए जाएंगे। प्रबंध समिति ने बताया कि देवी के दर्शन के लिए 26 जून को एकत्रित हुए आगंतुकों की सुविधा के लिए बंसीबागान में अस्थायी विश्राम सेवा, चिकित्सा सेवा, प्रसाद, पेयजल की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा अंबुवासी के मौके पर सेवारत एसोसिएशन के सदस्यों के लिए देवालय की ओर से भोजन की भी व्यवस्था की गई है। मालीगांव में निर्माणाधीन फ्लाईओवर के मद्देनजर भारी यातायात को देखते हुए सुरक्षा उपायों आदि को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष श्रद्धालु नीलाचल पहाड़ियों में रात नौ बजे तक ही प्रवेश कर सकेंगे। प्रबंध समिति ने इस संबंध में लोगों से सहयोग मांगा। इस बीच मंदिर के आसपास जूते-सैंडल रखने की कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए समिति ने सभी से अपील की है कि श्रद्धालु अपने जूते और सैंडल निचले कामाख्या में रखने के बाद मंदिर की ओर प्रस्थान करें। इस बीच अंबुवासी के दौरान कुछ दिनों तक कामाख्या में भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए प्रबंध समिति ने बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों से भी कामाख्या धाम में आने से परहेज करने का आग्रह किया है। दूसरी ओर नीलाचल पहाड़ी तंबाकू मुक्त क्षेत्र है, इसलिए समिति ने इस संबंध में सभी पक्षों से सहयोग मांगा। प्रबंध समिति ने विशेष रूप से अनुरोध किया है कि कोई भी मादक पदार्थ लेने के बाद मंदिर में प्रवेश न करे। अंबुवासी महायोग के दौरान सभी तीर्थयात्रियों से प्रबंध समिति ने सहयोग मांगा है। इस बीच समिति ने प्रशासन से अंबुवासी महायोग के दौरान तीर्थयात्रियों के लिए पर्याप्त मात्रा में 24 घंटे पानी, बिजली, स्वास्थ्य सेवा, शौचालय, सफाई, सुरक्षा बनाए रखने का भी अनुरोध किया है।

रवि सिन्हा रॉ ..

सचिव के पद पर कार्यरत हैं। मंत्रालय के आदेश में कहा गया कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने दो साल के कार्यकाल के लिए सिन्हा को रॉ के नए प्रमुख के रूप में नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। बता दें कि सिन्हा ने सामंत कुमार गोयल की जगह ली है, जो 30 जून, 2023 को अपना कार्यकाल पूरा करेंगे।

नरेंद्र मोदी सूर्य ...

और सरकार भी असम का विकास चाहती है। उन्होंने कहा कि उत्तर गुवाहाटी और गुवाहाटी को जोड़ने वाले पुल का निर्माण होने के साथ ही गुवाहाटी में कई सरकारी कार्यालय स्थापित किए जाएंगे। साथ ही कहा कि उत्तर गुवाहाटी के रुद्रेश्वर, अमीनगांव, चांगसारी, धोपातारी आदि क्षेत्रों को नगर पालिका में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि 2026 तक प्रदेश में 2000 हाई स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा। कार्यक्रम में मंत्री चंद्र मोहन पटवारी, सांसद क्विन ओझा, मुख्यमंत्री के शिक्षा सलाहकार नानीगोपाल महंत, जिलाधिकारी कीर्ति जल्ली और बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे।

मणिपुर हिंसा : राजनाथ के ...

लेने और उग्रवादियों को उनके निर्धारित शिविर में वापस लाने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल ने राजनाथ सिंह से मुलाकात के दौरान मणिपुर हिंसा पर काबू पाने के लिए रक्षा मंत्री के सामने कई सूत्र पेश किए। उन्होंने केंद्र से राज्य में जारी हिंसा को रोकने और किसी भी कीमत पर राज्य की क्षेत्रीय अखंडता को बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण माहौल बहाल करने की मांग की। केंद्रीय रक्षा मंत्री से मिलने वाले और आज शाम केंद्रीय वित्त मंत्री से मिलने वाले मंत्रियों-सांसदों-विधायकों में मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष थोकचम सत्यब्रत सिंह, मंत्री कंथौजम गोविंददास, मंत्री डॉ. सपम रंजन सिंह, मंत्री हेखम डिंगो सिंह, मंत्री थौनाउजम वसंतकुमार सिंह, सांसद महाराज सनजाओबा, विधायक राजकुमार इमो सिंह, एस प्रेमचंद्र सिंह, नलिनी इरेनबाम, सपम कुंजकेश्वर सिंह, के इबामचा, नुरुल हसन, थौनाउजम श्यामकुमार, थौनाउजम अरुण कुमार, थंगम शांति, के जयकिशन, असब उद्दीन, मोहम्मद अब्दुल नासिर, लोकेन खुरैजम, लोरेंबम रामेश्वर मैतेई, कोनखम रवींद्र सिंह, रामेश्वर काकचिंग, डॉ. उषाम देवेन सिंह, करम श्याम, डॉ. राधेश्याम युमनाम, श्रीमती सोरईसम केबी देवी, डॉ. ठकाचम राधेश्याम सिंह, सोरोखैबम राजेन सिंह, पोनम ब्रजेन सिंह और के रघुमणि सिंह शामिल रहे।

नौ खालिस्तानियों में ...

नेता खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) अवतार सिंह खांडा की भी मौत हो गई थी। अवतार सिंह खंडा केएलएफ का ब्रिटेन चीफ था। खंडा ब्लड कैंसर से पीड़ित था। अवतार सिंह खांडा वारिस पंजाब दे व खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह को पंजाब में स्थापित करने में अहम भूमिका निभा रहा था। 2022 में भी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के सहयोग से ड्रोन के जरिए पंजाब में हथियार भेजने वाले आतंकी हरविंदर सिंह रिंदा की मौत हो गई थी। रिंदा आतंकी घटनाओं को अंजाम देने वाले बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) से जुड़ा था। रिंदा को किडनी की बीमारी थी और लाहौर के एक अस्पताल में उसकी इलाज के दौरान दवा की ओवर डोज से मौत हो गई थी। पंजाब के नवांशहर में अपराध जांच एजेंसी (सीआईए) कार्यालय पर हैंड ग्रेनेड हमले में जिस आतंकी माड्यूल का भंडाफोड़ हुआ था, उसमें भी रिंदा का हाथ था।

बदमाशों की गोलीबारी...

ब्लॉक कर दिया गया। आदिवासी फोरम इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) के ट्विटर हैंडल पर रोक लगा दी गई। आईटीएलएफ मीडिया सेल के ट्विटर पेज पर एक संदेश लिखा है जिसमें कहा गया है कि अकाउंट को कानूनी मांग के जवाब में भारत में रोक लगा दिया गया है। आईटीएलएफ ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उल्लंघन बताया है। इसके अलावा इसे सेंसरशिप का चौंकाने वाला काम बताया है। मणिपुर में हिंसा के बीच इंफाल पैलेस मैदान के पास एक गोदाम को आग के हवाले कर दिया और फिर भाजपा नेताओं के घरों को जलाने की भी कोशिश की। हिंसक लोग इसके बाद वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों से भी भिड़ गए। इंफाल शहर में रात भर भीड़ और सुरक्षा बलों के बीच संघर्ष में जो नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के क्वाकटा और चुराचंदपुर जिले के कंगवई से पूरी रात गोलीबाड़ी की सूचना मिली।

गीताप्रेस को गांधी...

गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार देने पर कांग्रेस की आलोचना पर निशाना साधते हुए कहा कि मुस्लिम लीग को एक धर्मनिरपेक्ष संगठन मानने वालों को छोड़कर किसी को भी इससे कोई आपत्ति नहीं है। सिंह ने नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में सवालों के जवाब में कहा कि गीता प्रेस भारत की संस्कृति, हमारे लोकाचार और हिंदू विश्वास से जुड़ा हुआ है और यह किफायती साहित्य का निर्माण करती है। जो हर घर तक पहुंचता है। जयराम रमेश की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि और, आरोप लगाने वाले कौन हैं? वे हैं जो कहते हैं कि मुस्लिम लीग धर्मनिरपेक्ष थी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस भूल गई है कि वह मुस्लिम लीग थी, जिसने दो राष्ट्र का सिद्धांत दिया, भारत का विभाजन करवाया और पाकिस्तान के निर्माण का श्रेय लिया। मुझे लगता है कि इस तरह की बहस में पड़ना ऊर्जा की बर्बादी है। जितेंद्र सिंह अमेरिकी दौरे के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि मुस्लिम लीग पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष पार्टी है और इसमें गैर-धर्मनिरपेक्ष कुछ भी नहीं है। भाजपा ने तब उनके बयान की आलोचना करते हुए आरोप लगाया था कि केरल की पार्टी उसी मानसिकता से निर्देशित है जो मोहम्मद अली जिन्ना की अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के पीछे थी। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के दो नेताओं को सिर्फ इसलिए आपत्ति है क्योंकि उन्हें आलोचना करनी है... गीता प्रेस भारत की संस्कृति से जुड़ा है। उन्होंने मुस्लिम लीग की तरह देश का बंटवारा नहीं किया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्वा शर्मा ने भी कांग्रेस को आड़े हाथ लिया।। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में मिली चुनावी जीत के घमंड में चूर होकर कांग्रेस भारतीय संस्कृति पर खुला प्रहार कर रही है। वह चाहे धर्मांतरण विरोधी कानून को रद्द करना हो या फिर गीता प्रेस की आलोचना करना। भारत की जनता निश्चित रूप से दोगुनी शक्ति के साथ कांग्रेस के ऐसे प्रयासों को नाकाम करेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत की गौरवशाली प्राचीन सनातन संस्कृति और आधार ग्रंथों को अगर आज सुलभता से पढ़ा जा सकता है तो इसमें गीता प्रेस का अतुलनीय योगदान है। 100 वर्षों से अधिक समय से गीता प्रेस रामचरित मानस से लेकर श्रीमद्भगवद्गीता जैसे कई पवित्र ग्रंथों को निःस्वार्थ भाव से जन-जन तक पहुंचाने का अद्भुत कार्य कर रही है। गीता प्रेस को गांधी शांति पुरस्कार 2021 मिलना उनके द्वारा किए जा रहे इन भागीरथ कार्यों का सम्मान है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस को *हिंदू विरोधी* करार दिया। उन्होंने लोगों से सवाल किया कि गीता प्रेस पर उसके हमले से क्या कोई हैरान है? उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि गीता प्रेस को अगर *एक्सवाईजेड प्रेस* कहा जाता तो वे इसकी सराहना करते, लेकिन चूंकि यह गीता है, इसलिए कांग्रेस को समस्या है। पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस मुस्लिम लीग को धर्मनिरपेक्ष मानती है, लेकिन उसके लिए गीता प्रेस सांप्रदायिक है। जाकिर नाइक शांति का मसीहा है लेकिन गीता प्रेस सांप्रदायिक है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक ट्वीट में कहा कि गीता प्रेस, गोरखपुर को गांधी शांति पुरस्कार- 2021 से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देता हूं। भारत की गौरवशाली सनातन संस्कृति के संरक्षण व उत्कर्ष में पिछले 100 वर्षों का आपका योगदान प्रशंसनीय है। हमारे पवित्र ग्रंथों का वैश्विक प्रसार कर जो निःस्वार्थ सेवा आपने की है यह हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

नरेंद्र मोदी के अमेरिकी ...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के ख़िलाफ मोदी विरोधी संस्थानों ने अमेरिका में एक ओपन लेटर भी जारी किया है जिसमें भारत में रह रहे हिंदुओं द्वारा मुसलमानों और ईसाइयों को निशाने बनाने, धृणा अपराधों को बढ़ावा देने जैसी बातें कहीं गई हैं। लेटर में लिखा गया है की भारत में आज ऐसे कानून बनाये जा रहे है जो भेदभाव पूर्ण कानून है। प्रधानमंत्री मोदी इस दौरे पर अमेरिका के दोनों सदनों को संयुक्त रूप से संबोधित करेंगे, इस कवायद से कहीं ना कहीं मोदी वैश्विक नेता के रूप में स्थापित भी हो जाएंगे, लेकिन ऐसा ना हो इसके लिए मोदी विरोधियों ने पहले से ही अपना विलाप शुरू कर दिया है। मोदी विरोध में लगभग एक हफ्ते के ऐसे कार्यक्रमों की घोषणा की गई है जिसमें गुजरात दंगों पर बनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म, हाउडी डेमोक्रेसी जैसे प्रोग्राम आयोजित किए जा रहे है। यहां तक कि अमेरिका के कांग्रेस मेन से इन संस्थाओं ने पत्र लिखकर मोदी के भाषण का बहिष्कार करने और भारत में मानवाधिकारों का हनन के मुद्दों को उठाने की बात लिखी गई है। अमेरिका में काम कर रहे और भारत के खिलाफ एजेंडा चला रहे इन मानवाधिकार का झंडा बुलंद करने वाली संस्थाओं का कहना है कि भारत में हिंदुत्व का वर्चस्व जिस तरह पिछले कुछ सालों में बढ़ा है उसके चलते भारत में लोकतंत्र की भावना समाप्त होती जा रही है। इन संस्थाओं के अनुसार भारत में मीडिया का फ्रीडम इंडेक्स में 161 वें पायदान पर आना ही भारत में सिकुड़ रहे मीडिया को और लोकतंत्र को दर्शाता है। मोदी की अमेरिका की यात्रा का विरोध करने वालों में भारतीय अमेरिकी मुस्लिम काउंसिल, दलित सॉलिडेरिटी इंक, हिंदू फॉर ह्यूमन राइट्स, वर्ल्ड विदाउट जेनोसाइड, ग्लोबल क्रिश्चियन रिलीफ आदि संस्थान शामिल है। साफ है कि प्रधानमंत्री को मिल रहे सम्मान और विश्व पटल पर उनको मिलती स्वीकारता से दुश्मन देश और मोदी विरोधी ताकतों के सीने पर सांप लौट रहा है। ऐसे में भारत का दुनिया में बज रहा डंका और न्यू इंडिया की उभरती हुई तस्वीर कुछ लोगों को रास नहीं आ रही।

बंगाल पंचायत चुनाव...

प्रदेश में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया था। कलकत्ता हाईकोर्ट ने आदेश दिया था कि पंचायत चुनाव के लिए अब सिर्फ सात जिलों के संवेदनशील इलाकों में नहीं, बल्कि पूरे बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम व न्यायाधीश हिरणमय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने राज्य सरकार को अगले 48 घंटों के अंदर केंद्रीय बलों के लिए केंद्र के पास आवेदन करने को कहा था। बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान खूब हिंसा हो रही है। अलग-अलग घटनाओं में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों घायल हुए हैं। इसी को देखते हुए कलकत्ता हाई कोर्ट ने यह आदेश दिया था।

केदारनाथ शिवलिंग पर...

व पुलिस अधीक्षक से भी बात की है और दोषियों के विरूद्ध अविलंब कार्रवाई करने को कहा है। सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं ने भी इस वीडियो पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है और वे महिला के साथ ही उसे ऐसा करने से न रोकने वाले पुजारियों की भी आलोचना कर रहे हैं। गर्भगृह को स्वर्णजड़ित करने में सोने की जगह पीतल की परतों का उपयोग किए जाने और इसमें करीब सवा अरब रुपए का घोटाला होने के आरोपों को लेकर भी केदारनाथ मंदिर चर्चा में बना हुआ है जहां चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के साथ ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे राजनीतिक दलों ने प्रकरण की जांच की मांग की है। वहीं, बीकेटीसी और सत्ताधारी भाजपा ने इसे हिंदू विरोधी मानसिकता वाले क्षुद्र राजनीतिक तत्वों द्वारा षडयंत्र के तहत फैलाया जा रहा भ्रम बताया है। इसी बीच, गढ़वाल हिमालय में 11,760 फुट की उंचाई पर स्थित केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी है और रविवार तक 9,88,151 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन के लिए आ चुके हैं।

सुविधाओं के अभाव में कठुआ शहर के बीचो-बीच बना जच्चा बच्चा अस्पताल

कठुआ (हि.स.)। सोमवार को नगर परिषद कठुआ के पूर्व अध्यक्ष नरेश शर्मा के साथ शहर के वरिष्ठ नागरिकों ने शहर के बीचो-बीच बने जच्चा बच्चा अस्पताल का दौरा किया। जिसमें सुविधाओं के अभाव में चल रहा जच्चा बच्चा अस्पताल को देखकर शहरवासियों ने रोष प्रकट किया। पूर्व अध्यक्ष ने शर्मा का कहना था कि किसी साजिश के तहत शहर के बीचो-बीच बने इस अस्पताल को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2018 में इसे बंद करने की कोशिश की गई थी। लेकिन शहरवासियों ने आंदोलन कर इस अस्पताल को सचारु रखा था। उन्होंने कहा कि अब हालात ये हैं कि 21 डॉक्टरों की तैनाती वाले इस अस्पताल में मात्र एक ही डॉक्टर सेवाएं दे रहा है। जबकि अस्पताल में ना तो एक्स-रे मशीन दुरूस्त है, जहां तक कि ईसीजी करने वाला टेक्नीशियन भी इनके पास नहीं है। उन्होंने कहा कि मात्र लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए ही इस अस्पताल को खोला गया है जबकि एक भी सुविधा यहां पर मरीजों को नहीं दी जा रही। उन्होंने कहा कि शहर के बीचो-बीच बने इस अस्पताल में कठुआ शहर सहित आसपास क्षेत्र के लोग इलाज के लिए आते हैं। जहां तक कि रात को बीमार पड़ने पर लोग इसी अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचते हैं। लेकिन सुविधाओं के अभाव के चलते मरीजों को जहां से निराश होकर लौटना पड़ता है।

करंट लगने से दो की मौत

बीकानेर (हि.स.)। संभाग मुख्यालय पर सोमवार को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में दो लोगों की करंट लगने से मौत हो गई। एक घटना सदर थाना और दूसरी नया शहर थाना क्षेत्र की है। नया शहर थाने के एएसआई रामभरोसी लाल मीणा ने बताया कि लालाणाी व्यास चौक निवासी बुलाकी दास कल्ला पुत्र घनश्याम उम्र 60 साल सुबह करमीसर रोड स्थित अपने गायों के बाड़े में पंखा चलाने के लिए जैसे ही स्विच ऑन किया, उनके शरीर में करंट प्रवाहित हो गया। परिजन उन्हें पीबीएम अस्पताल ले गए, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। दूसरा मामला सदर थाना इलाके के रानीसर बास का है। सदर थाने के जीताराम ने बताया कि एमएस कॉलेज के समीप, रानीसर बास के निवासी बुलाकी सांखला उम्र 52 साल आज सबुह करीब 9 बजे अपने घर में झाडू से सफाई कर रहे थे, इस दौरान समीप ही लगी प्रेस का तार से झाड़ू छू गया। इससे वे करंट की चेपेट में आ गए, उन्हें परिजन जब पीबीएम लेकर पहुंचे तो चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

स्वर्वेद भाष्य

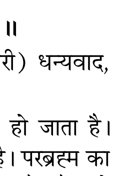

चतुर्थ मंडल **चतुर्दश अध्याय**

(स्तुति-प्रार्थना)

तु तु करता तू भया, मुझमें रही न हूं।
वारी तेरे नाम की, जित दीखो तित तू॥ 05॥

शब्दार्थ : (तू) ध्येय परब्रह्म (हूं) अपनाप, ममत्व (वारी) धन्यवाद, बलिहारी, (तूँ) परब्रह्म, परम पिता।

भाष्य : ध्याता, ध्यान करते-करते ध्येयस्वरूप को प्राप्त हो जाता है। अपनी उसे सुधि नहीं रहती। यह भक्ति की महती महिमा है। परब्रह्म का ध्यान करते-करते जीव ब्रह्म के साधर्म्य को प्राप्त हो जाता है और उसे अपने स्वरूप का ध्यान नहीं रहता, क्योंकि उसकी आत्मिक चेतना परब्रह्म में लगी रहती है। उस प्रभु के नाम की बलिहारी है। मैं अपनी दृष्टि जहां डालता हूं, वह वहीं दिखता है अर्थात योगी को समाधि-विज्ञान के प्राप्त कर लेने के बाद अनुभव-चेतन दृष्टि द्वारा बाह्याभ्यंतर सर्व और आनंद-ही-आनंद का भास होने लगता है।

मुख से क्या विनती करूँ, अन्तर्यामी देव।
जानत जन उर भाव को, कौन छिपा जन भेव॥ 06॥

शब्दार्थ : (विनती) विनय (उर) हृदय (भेव) मर्म, छिपी हुई बात।

भाष्य : बे अंतर्यामी देव! मैं अपने मुख से क्या वर्णन करूं? आप मेरे हृदय के सब भावों को जानते हैं। मेरा कौन सा भाव आपसे छिपा है?

एमएनएफ के रवैए पर असम मणिपुरी समूह ने अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकाबंदी की धमकी दी

गुवाहाटी। ऑल असम मणिपुरी यूथ्स एसोसिएशन (एएएमवाईए) ने 23 जून, 2023 से कछार जिले के लैलापुर के माध्यम से असम और मिजोरम को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग -54 पर अनिश्चितकालीन आर्थिक नाकेबंदी करने की धमकी दी है, यदि मिजो नेशनल फ्रंट (एमएनएफ) गुरुवार तक मणिपुर में चिन-कूकी-जो लोगों के लिए एक अलग प्रशासन के लिए समर्थन वापस लेने की घोषणा नहीं करता है। एक बयान में, एसोसिएशन ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 3 को लागू करते हुए मणिपुर में चिन-कूकी-जो लोगों के लिए एक अलग प्रशासनिक ढांचे की मांग का समर्थन करने के एमएनएफ की प्रतिक्रिया पर नाराजगी व्यक्त की। एएएमवाईए ने कहा कि चिन-कुकी-जो लोगों के लिए एक अलग प्रशासनिक ढांचे की मांग का समर्थन करने का ऐसा औचित्य मणिपुर के संदर्भ में प्रासंगिक नहीं था, जिसकी सीमा सितंबर में भारत में विलय से पहले ही अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा मान्यता प्राप्त थी। एसोसिएशन ने कहा कि हालांकि उसने मणिपुर और केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का समर्थन करते हुए मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा के बयान की सराहना की, इसने जोर देकर कहा कि एमएनएफ को सार्वजनिक रूप से चिन-कूकी-जो लोगों के लिए एक अलग प्रशासन के लिए समर्थन वापस लेने की घोषणा करनी चाहिए। संगठन ने आगे जोर देकर कहा कि शांति और संवाद की किसी भी व्यवस्था में एमएनएफ और मिजोरम सरकार को मणिपुर की अखंडता के खिलाफ नहीं जाना चाहिए। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा के सकारात्मक भाव के आलोक में, एसोसिएशन विनम्रतापूर्वक मिजोरम सरकार से स्पष्टीकरण मांगती है कि क्या मिजोरम के मुख्यमंत्री के बयान का अर्थ मणिपुर में चिन-कुकी-जो लोगों के लिए एक अलग प्रशासन के लिए समर्थन वापस लेना भी है। एसोसिएशन ने आगे कहा कि वह मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा में मिजोरम के मुख्यमंत्री के सक्रिय समर्थन और मणिपुर में चिन-कूकी-जो लोगों के अलग प्रशासन के लिए समर्थन वापस लेने की एमएनएफ की सार्वजनिक घोषणा की प्रतीक्षा कर रही थी। एसोसिएशन 22 जून, 2023 तक प्रतीक्षा करेगी। यदि एमएनएफ 22 जून को या उससे पहले स्पष्ट नहीं करता है, तो एसोसिएशन मुख्यमंत्री जोरमथांगा के बयान को एएएमवाईए की योजनाओं को विफल करने की चाल के रूप में लेगी और अपने संकल्प के साथ आगे बढ़ेगी। इसमें कहा गया है कि सेवाएं, एंबुलेंस, परीक्षा और साक्षात्कार के लिए जाने वाले छात्र, विवाह और धार्मिक समारोह और अन्य आपातकालीन मानवीय कार्यों को नाकेबंदी से छूट दी जाएगी।

म्यांमार सीमा के पास एनएससीएन (के) के तीन सदस्य गिरफ्तार

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश में असम राइफल्स की खोंसा बटालियन और लोंगडिंग जिला पुलिस ने पिछले दो दिनों में एनएससीएन (के) के युंग आंग गुट के तीन गुर्गों को गिरफ्तार किया। इनके पास से ड्रग्स और नकदी जब्त की गई है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि तीनों को 17 और 18 जून को संयुक्त अभियान के दौरान भारत-म्यांमार सीमा के पास वाक्का और खानू गांवों से गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से सात लाख रुपए मूल्य की हेरोइन-आधारित नशीला पदार्थ बरामद किया गया। वाक्का शहर के पास संदिग्ध एनएससीएन (के) (वाईए) गुर्गों की मौजूदगी के बारे में एक इनपुट के आधार पर अभियान शुरू किया गया था। सूत्रों ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और तीनों को पूछताछ के लिए जिला पुलिस को सौंप दिया गया है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि नशीली दवाओं का व्यापार एक बड़े नार्को-टेरर रैकेट का हिस्सा है, जो इस क्षेत्र में उग्रवाद को बढ़ावा दे रहा है।

अगले दो-तीन दिनों में भारी वर्षा की चेतावनी

गुवाहाटी (हिंस)। असम में अगले दो-तीन दिनों के दौरान मौसम विभाग ने भारी से बहुत भारी वर्षा होने की चेतावनी जारी की है। हालांकि उसके बाद धीरे-धीरे बरसात में कमी आएगी। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार चक्रवाती हवा का एक क्षेत्र बिहार और उससे सटे पूर्वी उत्तर प्रदेश पर बना हुआ है, जो औसत समुद्र तल से 0.9 किमी ऊपर तक फैला हुआ है। अनुमान के अनुसार अगले दो-तीन दिनों के दौरान बंगाल की खाड़ी से पूर्वोत्तर भारत की ओर निम्न-स्तर की दक्षिण/दक्षिण-पश्चिमी तेज हवा के कारण नमी का आगमन जारी रहने की संभावना है। इसके प्रभाव के तहत अगले 2-3 दिनों के दौरान असम में गरज के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा की गतिविधि जारी रहने की संभावना है। हालांकि इसके बाद धीरे-धीरे इसमें कमी होने की संभावना है। मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान असम के गोसाईगांव में 23, कोकराझाड़ में 22, बिजनी एआरजी में 20, एआईई एनएच जिंग में 20, बहलपुर में 19, मानस एनएच जिंग में 17, बरपेटा एआरजी में 17, बरपेटा/सरभोग-एडब्ल्यूएस में 15 सहित कई अन्य इलाकों में वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

रंगिया पुलिस ने गांजा सहित तीन को किया गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने नशे के खिलाफ लगातार अभियान जारी रखते हुए रविवार की रात एक गुप्त अभियान चलाकर भारी मात्रा में गांजा सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जिनमें एक महिला शामिल हैं। रंगिया थाना प्रभारी भाष्कर मल्ल पटवारी के दिशा-निर्देश पर तथा थाना के नगर परिदर्शक समर ज्योति डेका के नेतृत्व में रंगिया, वार्ड नं 1 के शरीयत पुर स्थित एक घर में यह अभियान चलाया गया। जहां से गांजा तस्कर सिराज अली, उम्र-42 वर्ष, पुत्र- स्व. अनवर अली और उसकी पत्नी मायसा बेगम को गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी के दौरान से 1.790 ग्राम संदिग्ध गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार दोनों तस्करों से पूछताछ के बाद उनसे जुड़े रंगिया के उदियाना गांव के मजनूर अली को भी आज पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस इन तीनों से पूछताछ कर रही है।

रंगापाड़ा रेसुब का नशीले पदार्थों के विरूद्ध अभियान जारी, वसूला 23,800 रुपए जुर्माना

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिला के रंगापाड़ा रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) के इंस्पेक्टर एसए खान ने आज बताया कि बीते एक माह में चलाए गए विभिन्न अभियानों के दौरान भारी मात्रा में मादक पदार्थ एवं नशीले पदार्थों को जब्त करने के साथ ही 23,800 रुपए जुर्माने के तौर पर वसूले गए हैं। उन्होंने बताया है कि गुवाहाटी के मालीगांव स्थित रेसुब के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त अरुल ज्योथी के निर्देशानुसार और रंगापाड़ा रेसुब के नेतृत्व में रेलवे एक्ट अधिनियम के तहत कुल 54 मामले दर्ज किए गए हैं, जो वर्तमान समय में तेजपुर कोर्ट में विवेचनाधीन हैं। साथ ही स्मोर्किंग पर 2000 रूपए, गंदगी फैलाने वालो पर 21,800 रुपए जुर्माना वसूला गया है। यात्री ट्रेन से दो कार्टून अवैध अरुणाचली शराब, जिसका बजार मूल्य लगभग 9,040 रुपए, इसके अलावे 6,830 रुपए मूल्य की 102 बोतल शराब को जब्त किया गया है। अवैध अरुणाचली शराब को रंगापाड़ा आबकारी विभाग को सौंप दिया गया। दूसरी एसएसबी की 61वीं बटालियन के मानसिक रूप से त्रस्त लापता जवान को रंगापाड़ा एक नं. प्लेटफार्म से रेस्क्यू कर एसएसबी को सौंपा गया। इस बीच आए दिन रंगापाड़ा रेलवे फाटक पर दुर्घटनाओं के मामले को लेकर रेलवे के तीन फाटकों आरटी-1, आरएम-71, और आरएम-116 पर जागरूकता अभियान चलाया गया, साथ ही समय-समय पर रेलवे प्लेटफॉर्म पर मानव तस्करी को लेकर वृहद तौर पर जागरूकता अभियान भी चलाया गया। हाल ही में रंगापाड़ा रेसुब ने सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के आधार पर उदालगुड़ी रेलवे प्लेटफॉर्म से कुल 76 किलो 400 ग्राम गांजा बरामद कर रंगापाड़ा जीआरपी को सौंपा था, जिसका बाजार मूल्य सात लाख चौसठ हजार रुपए बताया गया है। रेलवे ट्रैक पर लोहे के लगाए गए ईआरसी के कुल 55 पीस चोरी मामले को लेकर वर्तमान समय में प्राथमिकी दर्ज कर उसकी जांच करते हुए लोहे के कुल 55 पीस ईआरसी को पुराने मिसामारी कबाड़ी दुकान से बरामद कर लिया है, जबकि दुकानदार फरार बताया गया है। रंगापाड़ा रेसुब अपने परिक्षेत्र में किसी भी तरह की अवैध और आवांछनीय गतिविधि को रोकने के लिए पूरी तरह से मुश्तैद है।

शिक्षकों के असहयोग के विरुद्ध होगी सख्त कार्रवाई : शिक्षामंत्री

शिवसागर (हिंस)। शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने चेतावनी दी है कि शिक्षकों के असहयोग के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली डिजिटल सेवाओं का विरोध करने वाले शिक्षक न केवल अपराध कर रहे हैं, बल्कि यह अन्यायपूर्ण भी हैं। उन्होंने कहा है कि शिक्षक समुदाय ने इस तरह की व्यवस्था के खिलाफ जो असहयोग शुरू किया है उससे आखिरकार छात्रों को ही नुकसान होगा। शिक्षा मंत्री पेगु ने कहा कि जनसंपर्क कार्यक्रम में अपने भाषणों में शिक्षकों के ऐसे असहयोग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की बात उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में कही।

अणुव्रत समिति की आम सभा में बजरंग बैद बने नवनिर्वाचित अध्यक्ष

गुवाहाटी (विभास)। अणुव्रत समिति, गुवाहाटी के सत्र 2021-23 की द्वितीय वार्षिक साधारण सभा स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में अध्यक्ष बजरंगलाल डोसी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ अणुव्रत समिति की महिला सदस्यों द्वारा अणुव्रत गीत के संगान से हुआ। तत्पश्चात अणुव्रत आचार संहिता का वाचन एवं अध्यक्षीय संबोधन अध्यक्ष बजरंगलाल डोसी ने किया। अध्यक्ष डोसी ने अपने अभिभाषण में उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत- अभिनंदन किया एवं इस सत्र को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। सहमंत्री सुरेश कुमार मालू ने पिछले सत्र की साधारण सभा की कार्यवाही सदन में प्रस्तुत की, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। मंत्री प्रतिवेदन का वाचन प्रस्तुत करते हुए मंत्री अशोक कुमार बोरड़ ने वर्ष 2022-23 में संपादित कार्यक्रमों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष संजय चोरड़िया ने वर्ष 2022-23 की आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। आगामी 2023-25 के लिए संतोष पुगलिया को अंकेक्षक रूप में मनोनीत किया गया। इस अवसर पर सभा में

उपस्थित अणुविभा के महामंत्री भीकम सुराणा, अणुविभा के संगठन मंत्री बजरंग बैद, असम प्रभारी छत्तरसिंह चौरड़िया, कार्यकारिणी सदस्य संजय चौरड़िया एवं तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा एवं उनकी टीम तथा अन्य संघीय संस्थाओं के सदस्यगण उपस्थित थे। अध्यक्ष श्री डोसी ने अपने सफल कार्यकाल में सहयोग हेतु संरक्षकगणों का फुलाम गामोछा से सम्मान किया। तत्पश्चात पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों, परामर्शक, अंकेक्षक एवं चुनाव अधिकारी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। चुनाव अधिकारी सुशील डागा ने समिति के आगामी सत्र 2023- 25 के लिए बजरंग बैद को निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया। सभी संघीय संस्थाओं द्वारा बजरंग बैद का सम्मान एवं शुभकामनाएं दी गई। अध्यक्ष मनोनयन के पश्चात अपने अभिभाषण में सभी के प्रति कृतज्ञता जताते हुए सहयोग की कामना की। अंत में सहमंत्री सुरेश मालू द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

कर्नाटक जीत के बाद कांग्रेस भारतीय सभ्यता व विरासत से कर रही छेड़छाड़ : हिमंत

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी पर भारतीय सभ्यता और विरासत के साथ छेड़छाड़ करने का गंभीर आरोप लगाया है। मुख्यमंत्री ने आज सोशल मीडिया ट्विटर पर एक ट्वीट करते हुए लिखा है कि कर्नाटक में जीत के साथ, कांग्रेस ने अब खुले तौर पर भारत के सभ्यतागत मूल्यों और समृद्ध विरासत के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया है, चाहे वह धर्मांतरण विरोधी कानून को निरस्त करने के रूप में हो या गीता प्रेस के खिलाफ आलोचना के रूप में। उन्होंने कहा कि भारत के लोग इस आक्रामकता का विरोध करेंगे और समान आक्रामकता के साथ हमारी सभ्यता के मूल्यों को फिर से स्थापित करेंगे।

जल-जमाव से ग्वालपाड़ा व कोकराझाड़ कृत्रिम बाढ़ की चपेट में

ग्वालपाड़ा/कोकराझाड़ (हिंस/विभास)। ग्वालपाड़ा शहर इनदिनों कृत्रिम बाढ़ की चपेट में है। रविवार की रात से हो रही लगातार बारिश के कारण शहर के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं। ग्वालपाड़ा जिला परिवहन अधिकारी कार्यालय के परिसर के अंदर काफी पानी भर गया है। रात से हो रही बारिश के कारण कार्यालय परिसर अब जलमग्न हो गया है। सिर्फ ऑफिस ही नहीं, बल्कि आसपास के इलाके भी पानी में डूबे हुए हैं। खासकर ऑफिस के साथ-साथ सालबाड़ी इलाके में सड़कें पूरी तरह से कृत्रिम बाढ़ की चपेट में हैं। इस बीच, छात्रों को पानी के बीच से होकर स्कूल जाना पड़ा है। इसका मुख्य कारण नालियों का जाम हो जाना बताया जा रहा है। ये नाले कचरे से भरे होने के कारण नालियां बंद हैं। नतीजतन, बारिश के पानी को बाहर निकालने का कोई रास्ता नहीं है। इन नालों के बंद होने से शहर के कई इलाके कृत्रिम बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। लोगों ने जिला प्रशासन से इन नालों की सफाई की गुहार लगाई है। अन्यथा, शहर के एक हिस्से के निवासियों को पानी के नीचे रहना होगा। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार

पिछले कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से जिले के फकीराग्राम, गोसाईगांव, बोगड़ीबाड़ी, झाड़बाड़ी सहित कई इलाकों जम जमाव हो गया है। इस जल-जमाव से कृत्रिम बाढ़ उत्पन्न हो गई है। बारिश से नदियों का जल स्तर बढ़ गया है। दूसरी और बारिश से शहर की सड़के जलमग्न हो गई। जिससे वाहन चालकों व राहगीरों की आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा चारों ओर जल-जमाव से बजारों में साग-सब्जियों के दामों काफी बढ़ोत्तरी देखी गई है। वहीं फकीराग्राम स्टेशन रोड पूरी तरह जलमग्न हो गया है।

भाजपा नेता जोनाली नाथ की हत्या के विरोध में रैली

ग्वालपाड़ा (हिंस)। भाजपा नेता जोनाली नाथ की हत्या ने पूरे प्रदेश को हिलाकर रख दिया है। हत्या से संबद्ध अनेक नए-नए तथ्य सामने आए हैं। सोमवार को ग्वालपाड़ा जिला मातृ संरक्षण मंच के द्वारा भाजपा की ग्वालपाड़ा जिला भाजपा सचिव जोनाली नाथ की हत्या में एक विरोध रैली निकाली गई। शहर के जिला उद्योग और वाणिज्य केंद्र खेल मैदान से निकली इस रैली में पांच सौ महिलाएं शामिल हुईं। नारेबाजी करती महिलाएं जोनाली नाथ के हत्यारों को फांसी देने, नारी जाति का अपमान करने वाले सीआईडी के आईजीपी को सजा दिलाने, माताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने, बहुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने जैसे नारे लगाते हुए जिला उपायुक्त कार्यालय पहुंचीं।

असम सत्र महासभा ने सांवरमल सांगानेरिया को बैष्णव बंधु उपाधि से किया सम्मानित

गुवाहाटी (विभास)। असम सत्र महासभा के सौजन्य से शंकरदेव कालाक्षेत्र के माधवदेव सभागार में आयोजित उपाधि प्रदान समारोह में पांच विशिष्ठ लेखक और साहित्यकार को सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में फैंसी बाजार निवासी विशिष्ठ साहित्यकार व लेखक सांवरमल सांगानेरिया को असम सत्र महासभा ने वैष्णव बंधु उपाधि से सम्मानित किया। सम्मान में मानपत्र के अलावा स्मृति चिन्ह और 31हजार रुपए का चेक प्रदान किया गया। असमिया समाज द्वारा मारवाड़ी समाज के व्यक्ति को यह सम्मान प्रदान करना मारवाड़ी समाज के लिए एक गौरव की बात है। सांगानेरिया को यह सम्मान उनकी पुस्तक श्रीमंत शंकरदेव के कारण मिला है। इस समारोह में असम सत्र महासभा के अध्यक्ष सत्राधिकारी जितेंद्र नाथ, कार्यकारी अध्यक्ष सत्राधिकारी भवानंद गोस्वामी और महासचिव कुसुम कुमार महंत ने सांवरमल सांगानेरिया को उपाधि प्रदान करते समय शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ ही कवि लेखक और अनुवादक किशोर जैन, वरिष्ठ पत्रकार विनोद रिंगानियां, कृष्ण कुमार जालान, रतन कुमार अग्रवाल, राजेश मोर, नारायण खाखोलिया, पवन अग्रवाल, श्यामसुंदर सांगानेरिया, सरोज जालान, कंचन केजरीवाल और डॉक्टर चंद्रशेखर चौबे के अलावा अन्य कई व्यक्ति उपस्थित थे।

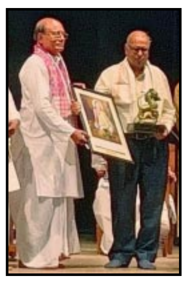

रंगिया : क्रिष्टी विकास समिति ने किया प्रतियोगिता का आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा का अग्रणी सामाजिक सांस्कृतिक कार्यक्रम दक्षिण-पश्चिम रंगिया क्रिष्टी विकास समिति ने लोगों के सहयोग से सन 1986 के बाद से अलग-अलग समय पर विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन करते आ रहा हैं। इसी क्रम में छात्रों के शैक्षिक और बौद्धिक विकास के महान लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को समिति के कार्यालय प्रांगण, मिलन चौक, मोहखली, रंगिया में सैनिक शिल्पी कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की स्मृति में रंगिया महकमा स्तरीय *प्रश्नोत्तरी* प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम के साथ ही उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक फाईनल परीक्षा के हाल ही में घोषित परिणामों में विशेष उपलब्धियां दर्शाने वाले अंचल के विद्यार्थियों को समर्थन एवं प्रोत्साहन देने के लिए बधाई कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय स्थल सेनावाहिनी के रंगिया रेड हॉर्न डिवीजन की ओर से कार्यक्रम स्थल पर हथियारों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी। कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 9.30 बजे कलागुरु विष्णु प्रसाद राभा की छवि के सामने श्रद्धा तर्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन, सुबह 9.45 बजे प्रदर्शनी का द्वार उन्मोचन, सुबह 10 बजे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता प्रारंभ, दोपहर 1.30 बजे पुरस्कार वितरण एवं अभिनन्दन समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें क्रिष्टि विकास समिति के अध्यक्ष अजान वैश्य, महासचिव पविन डेका और आयोजन समिति के अध्यक्ष नृपेन कलिता, सचिव पंकज डेका सहित सभी पदाधिकारियों द्वारा लोगों की उपस्थिति एवं सहयोग की कामना विनम्रतापूर्वक की गई है।

अंबुबासी : अमृत भोग एवं विहंगम योग का भंडारा शुरू

गुवाहाटी। अमृत भोग भंडारा और विहंगम योग संस्थान के सद्गुरु पात्र द्वारा अंबुबासी के महापर्व पर पांडू के पांडूनाथ गणेश मंदिर और कामाख्या रेलवे स्टेशन पर देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए श्रद्धालुओं के लिए महाभंडारे का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति की ओर से भागचंद जैन और रघुनाथ सर्राफ ने बताया कि 18 जून से शुरू भंडारे में अब तक 10 हजार से अधिक लोग सेवा का लाभ ले चुके हैं। मालूम हो कि पांडूनाथ मंदिर में भंडारा सेवा की देख-रेख स्वयं मंदिर के संचालक निमाई चंद्र दास कर रहे हैं। दास ने बताया कि हर साल करीब 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन मंदिर परिसर में होता है, जिसमें प्राय: 15 भक्त निरंतर सप्ताह भर मेले के

दौरान यहां रहते हैं। उन्होंने कहा कि विहंगम योग संस्थान और अमृत भोग भंडारे के सहयोग से चलाए जा रहे इस भंडारे में लोगों के ठहरने व खाने-पीने के लिए टेंट व अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था हर बार की तरह इस बार भी पांडूनाथ देवालय की ओर से की गई है। मालूम हो कि पांडूनाथ मंदिर एक प्राचीन महाभारत कालीन मंदिर है। ऐसी मान्यता है कि यहां अज्ञातवास के दौरान पांडव द्रोपदी के साथ आकर रूके थे। उस दौरान उन्होंने चट्टान में गणेश की छह मूर्ति का निर्माण किया था, जिनकी आज भी यहां पूजा होती है। इसके अलावा ऐसी भी मान्यता है कि यहां पर भगवान विष्णु ने मधु-कैटभ का वध किया था। जिस शिला पर भगवान ने इन असुरों का वध किया था, वो विष्णु शिला आज भी यहां विद्यमान है। मालूम हो कि भंडारा 28 जून तक चलेगा।

NOTICE INVITING TENDER

NIT No. 001

Sealed tender affixing court fee stamp worth Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only for the following works under Guwahati Wildlife Division, Basistha Guwahati-29 at Pobitora Wildlife Sanctuary is hereby invited from the intending Govt. registered Contractors / Firms on the basis of terms & conditions laid down in tender document. The tender paper will be received with effect from **20-06-2023 up to 1.00 pm of 01-07-2023** during all Office working days by the office of the undersigned and it will be open at 1.30 p.m. of the same day i.e, on **01-07-2023** by the Tender Evaluation Committee. If the office happens to be closed on the date of reccipt of tender as specified, the same will be received in the next working day up to the same time.

Sl. No.	Name of Work	Esti-mated Cost (in lakh)	Earnest Money Deposit (EMD) (in Rs)	Cost of Tender Document (Rs. Rs.)
1	Repairing of Country Boat	0.80000	2% of the estimated cost (1% of the estimated cost for SC/ST/OBC/MOBC/UGE)	Rs. 500.00
2	Repairing of speed boats	0.25000		
3	Repairing of Mechanized boat	0.66500		
4	Construction of new Country boats	5.58576		
	Total Estimated Cost :	7.30076		

The undersigned reserves the right to accept or reject any/ all tenders without assigning any reason whatsoever. Intending tenderers may collect tender document/ paper on payment of Rs 500.00 (Rupees five hundred) only in the form of Bankers Cheque / Demand Draft payable in favour of the undersigned on any working day during office hours till **11.00 am of 01-07-2023**

Sd/-
Divisional Forest Officer
Guwahati Wildlife Division
Basistha, Guwahati-29

-- Janasanyog /C/4689/23

वियतनामी रक्षा मंत्री के साथ राजनाथ सिंह ने रक्षा संबंधों पर की द्विपक्षीय बैठक

- ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा फाइनल होने और डील पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद
- राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि की, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया

नई दिल्ली,(हि.स.)। भारत की यात्रा पर सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे वियतनाम के रक्षा मंत्री फान वान गियांग के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने द्विपक्षीय बैठक की। इससे पहले जनरल फान वान गियांग ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। उन्होंने तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इस दौरे पर वियतनाम के रक्षा मंत्री के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा फाइनल होने और डील पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक से पहले अपने समकक्ष जनरल फान वान गियांग की अगवानी की। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद जनरल गियांग ने तीनों सेनाओं के गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। इसके बाद जनरल फान वान गियांग के साथ उपयोगी बैठक के दौरान भारत-वियतनाम रक्षा संबंधों की पूरी श्रृंखला की समीक्षा की गई। द्विपक्षीय वार्ता में रक्षा मंत्री के साथ भारतीय सैन्य बलों के प्रमुख (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने भी शामिल हुए। दरअसल, चीन के साथ चल रही खटपट के बीच वियतनाम भारत से ब्रह्मोस मिसाइल लेकर दक्षिण चीन सागर में तैनात करना चाहता है। इससे दक्षिण चीन सागर और उसके आसपास के इलाके में चीन का खौफ कम होगा और साथ ही वियतनाम के साथ भारत के संबंध और मजबूत होंगे। इस बीच चीन ने भारत के पड़ोसी देशों पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार आदि को कई तरह के संवेदनशील हथियार देकर भारत की सुरक्षा पर आंच डाली है, लेकिन अब भारत ने भी चीन के दुश्मन देशों को ब्रह्मोस देकर 'जैसे को तैसा' वाली नीति अपना ली है। सूत्रों ने बताया कि वियतनाम से ब्रह्मोस मिसाइलों की तीन से पांच इकाइयों के बीच ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। प्रत्येक बैटरी के साथ कई मिसाइलें शामिल हैं, जिसकी कीमत लगभग 125 मिलियन डॉलर होने का अनुमान है, इसलिए संभावित सौदा 375 मिलियन या 625 मिलियन डॉलर के बीच हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि वियतनाम ब्रह्मोस की कितनी इकाइयों का अधिग्रहण करना चाहता है। दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन की बढ़ती दादागीरी के बीच भारत और वियतनाम के बीच रक्षा संबंध और ज्यादा मजबूत हो रहे हैं। फिलीपींस के बाद अब वियतनाम के साथ ब्रह्मोस मिसाइलों का सौदा फाइनल होने के करीब है।

उद्धव गुट की नेता मनीषा शिवसेना में शामिल

- मनीषा कायंदे को सीएम एकनाथ शिंदे ने दिलाई सदस्यता

मुंबई (ईएमएस)। शिवसेना की नेता एवं विधान पार्षद मनीषा कायंदे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गई हैं। कायंदे को शिंदे ने पार्टी की सदस्यता दिलाई। शिवसेना (यूबीटी) के नेताओं ने कायंदे पर निशाना साधते हुए कहा कि संगठन में सब कुछ मिलने के बावजूद उन्होंने इसे छोड़ने का फैसला किया। शिवसेना (यूबीटी) के नेता विनायक राउत ने कहा कि वह भाजपा छोड़ने के बाद हमारे साथ आईं, उन्हें सब कुछ मिला और अब चूंकि उन्हें फिर से विधान परिषद में नामित किए जाने की संभावना नहीं है, इसलिए उन्होंने पार्टी छोड़ने का फैसला किया। पूर्व विधायक शिशिर शिंदे ने भी ठाकरे नीत पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने विधानपरिषद सदस्य (एमएलसी) मनीषा कायंदे को पार्टी विरोधी गतिविधियों को लेकर इसके प्रवक्ता पद से हटा दिया। यह कार्रवाई तब हुई, जब कायंदे रविवार रात महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की तैयारी में थीं। शिवसेना (यूबीटी) के पदाधिकारी ने कहा कि कायंदे को शिवसेना (यूबीटी) से निष्कासित नहीं किया जा रहा है। उन्हें पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण प्रवक्ता के रूप में हटाया जा रहा है। यदि कायंदे ठाकरे खेमे को छोड़ती हैं, तो यह दो दिन में पार्टी के लिए दूसरा झटका होगा। कायंदे राज्य विधानपरिषद की सदस्य हैं और उनका कार्यकाल 27 जुलाई, 2024 को समाप्त होगा।

दिल्ली लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव भी साधने में जुटी बीजेपी

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के साथ साल 2025 विधानसभा चुनाव की तैयारी भी भारतीय जनता पार्टी दिल्ली इकाई ने अभी से अभी शुरू कर दी है। इस रणनीति के तहत दिल्ली बीजेपी लोकसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क कार्यक्रम टिफिन बैठक और जनसभाएं आयोजित करने पर जोर दे रही है। इसके पीछे बीजेपी का मकसद लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभा चुनाव की तैयारी को भी अभी से धार देना है।

यही वजह है कि भारतीय जनता पार्टी की चुनावी कार्यक्रम में दिल्ली लोकसभा के सांसद मनोज तिवारी डॉ हर्षवर्धन सिंह प्रवेश वर्मा और मीनाक्षी लेखी के साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल के दिग्गज नेता भी शामिल होते नजर आ रहे हैं दिल्ली के उत्तम नगर में बीजेपी की तरफ से एक बड़ी जनसभा का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान मंच पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा लोकसभा सांसद प्रवेश वर्मा सहित क्षेत्रीय नेता मौजूद रहे। मंच से संबोधन के दौरान दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने 2024 लोकसभा चुनाव और 2025 दिल्ली विधानसभा चुनाव को साधते हुए बड़ा दावा करते हुए कहा कि बीते 9 साल मोदी सरकार के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहे हैं। पूरे देश में जो काम हुआ वह सबके सामने है लेकिन अगर बात दिल्ली की हो तो कर्तव्य पथ पर आज जब हम घूमने जाने वालों की भीड़ देखते हैं तो दिल गौरवांवित होता है। एशिया का सबसे बड़ा कन्वेंशन सेंटर पश्चिम दिल्ली के द्वारका में बनने जा रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में आज पूरे विश्व में भारत का डंका बज रहा है। प्रधानमंत्री जी को दिल्ली की सातों लोकसभा सीट जीतकर देना हमारा कर्तव्य है और इसके लिए हमें पहले 2024 लोकसभा एवं फिर 2025 विधानसभा चुनाव जीतने का संकल्प लेना होगा और इसके लिए जरुरी है कि घर-घर जाकर एक-एक व्यक्ति को यह बताया जाए कि कैसे आप सरकार हमें लूट रहीं है।

पूर्व सीएम को जेल भेजने वाले कांग्रेस से गठबंधन के लिए हैं बेताबः स्मृति ईरानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली में बीजेपी की ओर से सीएम अरविंद केजरीवाल सरकार के खिलाफ जारी घर-घर अभियान के तहत केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी एक जनसभा को संबोधित करते हुए दिल्ली सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आम आदमी पार्टी सरकार पर आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने सरकारी आवास की मरम्मत पर 40 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए लेकिन शहर के लोगों को पीने का पानी और बिजली मुहैया नहीं करा सके। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर पश्चिमी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम अरविंद केजरीवाल विकास परियोजनाओं के लिए धन नहीं देते हैं लेकिन श्रेय लेने में सबसे आगे रहते हैं। यह शर्मनाक है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सरकारी आवास के निर्माण पर 40 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए लेकिन राजधानी के लोगों को स्वच्छ पेयजल और बिजली मुहैया नहीं करा सके। ये हाल उस समय है जब वो पिछले नौ साल हर चुनाव में दिल्ली के लोगों से इस बात का वादा करते आये हैं कि 24 घंटे बिजली मुहैया कराएंगे।

उन्होंने देश की राजधानी में गरीब लोगों को केंद्र की आयुष्मान योजना का लाभ नहीं उठाने दिया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजधानी में 70 लाख लोगों को मुफ्त टीके और 73 लाख लोगों के लिए मुफ्त राशन मुहैया कराया लेकिन सीएम अरविंद केजरीवाल ने इसका श्रेय खुद ले लिया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सीएम केजरीवाल विकास योजनाओं के लिए भले ही पैसा नहीं दें लेकिन लेकिन फीता काटने में सबसे आगे जरूर रहते हैं। दिल्ली के विकास में पैसा केंद्र का लगता है फीता काटने केजरीवाल आ जाते हैं। स्मृति ईरानी की ओर से दिल्ली के सीएम जारी हमले के बीच जनसभा में मौजूद लोगों ने सीएम अरविंद केजरीवाल को फजीर्वाल और नटवरलाल कहने शुरू कर दिए। इस पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मैं ऐसा दिल्ली के सीएम के बारे में नहीं कह सकती क्योंकि मैं एक संवैधानिक पद पर हूं। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को वह जेल भिजवाने की बात करते थे आज उन्हीं की पार्टी के साथ गठबंधन कर रहे हैं। अफसोस की बात है कि जिससे वो मदद मांग रहे हैं वो उनसे बात तक नहीं करना चाहते।

आईआरसीटीसी ने कांग्रेस के दावे को भ्रामक बताया

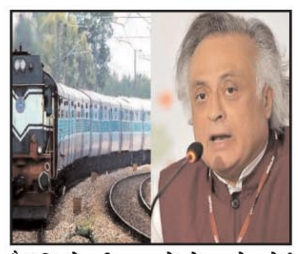

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि अदाणी की कंपनी आईआरसीटीसी को टेकओवर कर लेगी। इस पर इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) ने आईआरसीटीसी ने कहा कि अदाणी के ट्रेनमैन से कोई खतरा नहीं होगा। दरअसल जयराम रमेश ने रेलवे में अदाणी ग्रुप की प्रवेश को लेकर आरोप लगाया था कि पहले आईआरसीटीसी को टक्कर और उसके बाद इसका टेकओवर कर लिया जाएगा। इस पर आईआरसीटीसी ने सफाई दी है। आईआरसीटीसी ने इसे भ्रामक बताते हुए कहा कि अदाणी के स्वामित्व वाला ट्रेनमैन से आईआरसीटीसी को कोई खतरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह आईआरसीटीसी का पूरक होगा। यह भ्रामक कथन है। ट्रेनमेन आईआरसीटीसी के 32 अधिकृत बी2सी भागीदारों में से एक है। हिस्सेदारी बदलने से इसमे कोई अंतर नहीं आएगा। सभी एकीकरण और संचालन आईआरसीटीसी के माध्यम से किए जाते रहेंगे। बता दें कि अदाणी डिजिटल लैब्स ने ऑनलाइन ट्रेन टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म ट्रेनमैन में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी प्राप्त कर ली है। अदाणी के इस कदम को रेलवे में एंट्री माना जा रहा है। ट्रेनमैन को 2011 में बनाया गया था, जो टिकट बुक करने, लाइव रनिंग स्टेटस देखने और पीएनआर स्टेटस देखने के लिए जाना जाता है।

वाईएसआर कांग्रेस सांसद अविनाश रेड्डी को अग्रिम जमानत के खिलाफ याचिका पर नोटिस, 3 जुलाई को सुनवाई

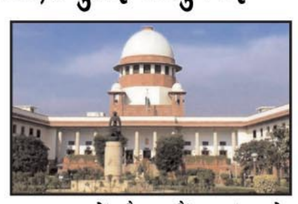

नई दिल्ली, (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के दिवंगत मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी के भाई विवेकानंद रेड्डी की हत्या मामले के आरोपित वाईएसआर कांग्रेस सांसद अविनाश रेड्डी को नोटिस जारी किया है। उन्हें यह नोटिस अग्रिम जमानत के खिलाफ दायर याचिका पर दिया गया है। मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी। याचिका विवेकानंद रेड्डी की बेटी एन सुनीता रेड्डी ने दायर की है। तेलंगाना हाई कोर्ट ने 31 मई को अविनाश रेड्डी को अग्रिम जमानत दी थी। हाई कोर्ट के इसी आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि अविनाश रेड्डी जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। अविनाश रेड्डी को तीन बार पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया, लेकिन अविनाश रेड्डी एक बार भी सीबीआई के समक्ष पेश नहीं हुए। याचिका में कहा गया है कि सीबीआई अविनाश रेड्डी को गिरफ्तार करना चाहती है, लेकिन उन्हें इसलिए गिरफ्तार नहीं किया जा सका है, क्योंकि वह जिस अस्पताल में मौजूद हैं, वहां उनके समर्थक सीबीआई के रास्ते में बाधा खड़ी कर रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि अविनाश रेड्डी साक्ष्यों को नष्ट कर रहे हैं, ऐसे में उन्हें अग्रिम जमानत देने का हाई कोर्ट का फैसला गलत है। सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर, 2022 को विवेकानंद रेड्डी की हत्या का ट्रायल आंध्र प्रदेश से हटाकर हैदराबाद की सीबीआई कोर्ट में करने का आदेश दिया था। मार्च, 2019 में विवेकानंद रेड्डी की कडप्पा स्थित उनके आवास पर हत्या कर दी गई थी। 2020 में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने इस मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। विवेकानंद रेड्डी की बेटी ने अपने पिता की हत्या का आरोप वाईएसआर कांग्रेस के कुछ नेताओं पर लगाया है।

भाजपा में दोबारा शामिल हुए पूर्व विधायक देशमुख

- देशमुख 2018 में भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो गए थे

मुंबई (ईएमएस)। पूर्व विधायक आशीष देशमुख कांग्रेस छोड़कर भाजपा में दोबारा शामिल हो गए। उल्लेखनीय है कि अगले साल महाराष्ट्र विधानसभा और लोकसभा के चुनाव होने हैं। देशमुख नागपुर में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले की उपस्थिति में भगवा दल में शामिल हुए। देशमुख वर्ष 2014 विधनसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए थे। देशमुख ने भाजपा के टिकट पर नागपुर के कटोल सीट से चुनाव लड़ा और अपने चाचा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) प्रत्याशी अनिल देशमुख को हराया था। हालांकि, वर्ष 2018 में उन्होंने भाजपा से इस्तीफा दे दिया और बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए। वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने नागपुर दक्षिण पश्चिम विधानसभा सीट से देवेंद्र फडणवीस के खिलाफ आशीष देशमुख को उतारा था। कांग्रेस ने पिछले महीने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बयान देने पर उन्हें दल से निष्कासित कर दिया।

देशमुख ने कहा था कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मोदी उपनाम संबंधी टिप्पणी को लेकर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदाय से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले पर भी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ साठगांठ करने का आरोप लगाया था। देशमुख ने कहा कि मैं वर्ष 2024 में लोकसभा या विधानसभा चुनाव नहीं लड़ूंगा। मैं पार्टी और ओबीसी के हितों की रक्षा के लिए काम करूंगा। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले का नाम लिए बिना उनकी आलोचना करते हुए कहा कि मैं विदर्भ क्षेत्र में नानागिरि खत्म करने के लिए काम करूंगा। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने तत्कालीन मुख्यमंत्री फडणवीस के पीठ में छूरा घोंपा था, अब समय उन्हें सही जगह दिखाने का है। गौरतलब है कि देशमुख के पिता रंजीत देशमुख प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। बाद में उन्होंने कांग्रेस छोड़ अपनी पार्टी बना ली थी।

बीजेपी का आप सरकार पर पलटवार पहले आप ये बताएं डीटीसी का कैसा है हाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश की राजधानी दिल्ली में शायद ही ऐसा कोई दिन होता होगा जब भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी में जुबानी तीर नहीं चलते होंगे। कहने का मतलब यह है कि दिन प्रतिदिन दिल्ली में दोनों प्रमुख दलों के सियासी तेवर ज्यादा सख्त नजर आते जा रहें हैं। एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी परिवहन और रेलवे की सुविधाओं को लेकर आमने-सामने हैं। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल ने जहां रेल सफर के दौरान यात्रियों को होने वाली असुविधाओं को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है तो वहीं दिल्ली बीजेपी ने सीएम अरविंद केजरीवाल को राजधानी के डीटीसी बसों में यात्रियों को होने वाली असुविधाओं के मामले में घेरा है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का एक ट्वीट सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है जिसमें ट्रेन में यात्रियों को होने वाली असुविधाओं को लेकर उन्होंने केंद्र सरकार को घेरा है और कहा है कि अच्छी चलती हुई रेलवे का इन्होंने बेड़ा गर्क कर दिया है। आज अगर आप एसी कोच का भी रिजर्वेशन लेंगे तो बैठने या सोने की जगह नहीं मिलेगी। एसी और स्लीपर कोच जनरल से भी बदतर हो चुके हैं इन्हें सरकार चलानी नहीं आती। इसके बाद उन्होंने सवाल पूछते हुए यह भी ट्वीट किया कि जिससे ट्रेन नहीं चलती वो देश कैसे चलाएंगे? इसके अलावा दिल्ली सीएम ने इस विषय पर आधारित कुछ और ट्वीट को रिट्वीट भी किया है। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेसवार्ता के दौरान भी इस मामले को लेकर बीजेपी पर जमकर हमला बोला है। आम आदमी पार्टी के रेल असुविधा पर उठाए गए सवालों पर पलटवार करते हुए दिल्ली बीजेपी ने डीटीसी बसों की तस्वीरों को साझा किया है जिसमें उन्होंने कहा है कि पढ़े लिखे अनपढ़ के दिल्ली की परिवहन व्यवस्था का ये हाल है। बीजेपी नेताओं ने कहा कि दिल्ली के सीएम हर रोज पूरी दुनिया हर मुद्दे पर ज्ञान देते हैं लेकिन दिल्ली की थर्ड क्लास फेल हो चुकी परिवहन व्यवस्था को उन्हें न सुधारना है न कुछ बोलना है।

पंजाब की पॉलिसी को अपनाएगा हरियाणा, जारी होगा अभ्यर्थियों का परीक्षा कैलेंडर

चंडीगढ़, (हि.स.)। हरियाणा में होने वाली विभिन्न परीक्षाओं के लिए अब वार्षिक कैलेंडर जारी किया जाएगा। इसी आधार पर अभ्यर्थी पहले से ही परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे। पड़ोसी राज्य पंजाब में यह योजना पहले ही लागू की जा चुकी है। इससे पूरा साल होने वाले विभागीय साक्षात्कार और परीक्षाओं के कैलेंडर के बारे में विद्यार्थियों को पहले से ही पता रहता है। अब हरियाणा लोक सेवा आयोग अभ्यर्थियों को बड़ी राहत देने जा रहा है। एचपीएससी रिक्त पदों के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के लिए परीक्षा कैलेंडर तैयार कर रहा है। इससे अभ्यर्थियों को यह पता चल सकेगा कि किस पद के लिए कब लिखित परीक्षा होगी। यह जानकारी मिलने के बाद अभ्यर्थी अपनी परीक्षा की तैयारी बेहतर ढंग से कर सकेंगे। आयोग ने संभावना जताई है कि यह कैलेंडर 15 दिन में तैयार हो जाएगा, जिसके बाद आयोग इसको सार्वजनिक कर देगा। फिलहाल एचपीएससी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा निकाले गए साइंटिस्ट के पदों पर भर्ती की तैयारी करने जा रहा है। इसके लिए 25 जून को स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया जाएगा। इन पदों का सब्जेक्टिव टेस्ट अगस्त में आयोजित किया जाएगा। आयोग के अधिकारियों ने बताया कि एग्जाम की तैयारियां पूरी हैं, जल्द ही इस संबंध में जो भी सूचनाएं हैं वह सार्वजनिक कर दी जाएंगी। हरियाणा लोक सेवा आयोग अगस्त में एचसीएस एंड एलॉयड का मेन एग्जाम कराने की तैयारी कर रहा है।

पंजाबी बाग से राजा गार्डन के बीच जाम से मिलेगी निजात

नई दिल्ली (ईएमएस)। नए साल में रिंग रोड पर पंजाबी बाग से राजा गार्डन के बीच वाहन चालकों को जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा। यहां पर दो-दो लेन के दो फ्लाईओवर को वन-वे सिंगल से डबल किए जा रहे है। इसके अलावा दोनों फ्लाईओवर के दोनों ओर तीन-तीन लेन बनाई जा रही है। लिहाजा यहां पर दोनों फ्लाईओवर नए सिरे से तैयार किए जा रहे है। फ्लाईओवर बनने के बाद पंजाबी बाग से राजा गार्डन के बीच करीब डेढ़ किलोमीटर रास्ता पूरी तरह जाम मुक्त हो जाएगा। इन दोनों फ्लाईओवर का निर्माण कार्य इस साल के अंत तक पूरा करने की अवधि तय की गई है। इस परियोजना पर करीब 350 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। पीडब्ल्यूडी पंजाबी बाग में रिंग रोड में बसई दारापुर स्थित ईएसआई अस्पताल से पंजाबी बाग क्लब रोड तक छह लेन का एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कर रही है। यहां अभी तक दो लेन का वन-वे सिंगल फ्लाईओवर था। इस वन-वे सिंगल फ्लाई ओवर को तोड़ दिया गया है। वहीं पंजाबी बाग में मोती नगर वाले चौराहे पर राजा गार्डन की ओर जाने वाली लेन पर वन-वे सिंगल फ्लाईओवर बना रखा था मगर अब यहां पर वजीरपुर की तरफ जाने की ओर भी फ्लाईओवर बनाया जा रहा है। इसके अलावा राजा गार्डन की ओर जाने वाले फ्लाईओवर को दो से तीन लेन का बनाया जा रहा है। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों के अनुसार पंजाबी बाग में दोनों फ्लाईओवर का करीब 60% निर्माण कार्य कर लिया है और दिसंबर माह में इन दोनों फ्लाईओवर का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया यहां पर पैदल चलने वालों के लिए दो सब-वे और एक फुट-ओवर ब्रिज का भी निर्माण किया जा रहा है।

ओबीसी समाज के दिग्गज कांग्रेस नेता गोवाभाई रबारी पुत्र और भाई के साथ भाजपा में शामिल

- धनेरा, थराद और डीसा के रह चुके हैं विधायक, 35 साल से कांग्रेस से नाता

डीसा/अहमदाबाद, (हि.स.)। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के ओबीसी समाज के दिग्गज नेता गोवाभाई रबारी ने सोमवार को डीसा में अपने पुत्र-भाई और समर्थकों के साथ भाजपा का केसरिया धारण कर लिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने उन्हें केसरिया खेस धारण कराया। उत्तर गुजरात के ओबीसी समाज में गहरी पैठ करने वाले और पूर्व विधायक गोवाभाई रबारी समेत गोवाभाई के भाई जगमलभाई रबारी, पुत्र संजय रबारी, लाखणी तहसील पंचायत पूर्व प्रमुख, थराद नगरपालिका के पूर्व प्रमुख दीपक ओझा भाजपा में शामिल हुए। गोवाभाई रबारी डीसा तहसील के कुचावाडा गांव के निवासी हैं। डीसा और धानेरा से वे विधायक रह चुके हैं। भाजपा में शामिल होने से पूर्व उन्होंने 10 जून को ही कांग्रेस के प्रमुख जगदीश ठाकोर को अपना इस्तीफा भेज दिया था। गोवाभाई को भाजपा में शामिल करवाने में भाजपा के दिग्गज नेता व विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी, उद्योग मंत्री बलवंतसिंह राजपूत ने अहम की भूमिका निभाई। गोवाभाई ने बताया कि कांग्रेस की कमजोर हालत के कारण वे क्षेत्र के लोगों के काम करवाने में संतोष का अनुभव नहीं कर रहे थे। गोवाभाई के साथ ही उनके समर्थन में 8 अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों ने अपने पद से इस्तीफा दिया है। गोवाभाई करीब 35 साल से कांग्रेस के सक्रिय कार्यकर्ता थे। वे 7 बार कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ चुके हैं। धानेरा विधानसभा सीट से वे 1995 में कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने जा चुके हैं। दियोदर से वे भाजपा उम्मीदवार के विरुद्ध चुनाव में हार चुके हैं, जबकि डीसा से वे कांग्रेस के टिकट पर 2 बार चुनाव जीत चुके हैं। वे गांव के सरपंच और जिला पंचायत के प्रमुख भी रह चुके हैं।

परिवार, दल, एलाइन्स के स्वार्थ में सीमित है सपा : मायावती

-पीडीए का अर्थ परिवार, दल और एलाइन्स : मायावती

लखनऊ,(हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने समाजवादी पार्टी(सपा) पर हमला बोला है। उन्होंने सोमवार को ट्वीट करते हुए कहा कि सपा की ओर से एनडीए के जवाब में पीडीए का राग अलापना व्यक्तिगत स्वार्थ की पराकाष्ठा है। इन वर्गों के अति कठिन समय में भी केवल तुकबंदी के सिवा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि इनके पीडीए का वास्तव में अर्थ परिवार, दल, एलाइन्स है, जिस स्वार्थ में यह पार्टी(सपा) सीमित है। इसीलिए इन वर्गों के लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीते दिनों एक चैनल से वार्ता के दौरान कहा था कि आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में 'एनडीए को पीडीए' हराएगा। इसी बयान को लेकर बसपा प्रमुख ने हमला बोला है। मायावती ने उत्तर प्रदेश में बिजली की स्थिति को लेकर भी टिप्पणी की हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से जारी भीषण गर्मी की आफत में राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश में बिजली की जबरदस्त कमी हो रही है। इससे लोगों पूरी तरह से त्रस्त हैं। बलिया समेत अन्य जिलों से मौत की खबरें अति-दुःखद है। सरकार बिजली व्यवस्था तुरन्त सुधारे तथा अस्पतालों आदि में बिजली कटौती न करे।

राजनीतिक एजेंडे वाली फिल्में बनाना आस्था से खिलवाड़ : अखिलेश यादव

-क्या सेंसरबोर्ड धृतराष्ट्र बन गया है : अखिलेश यादव

लखनऊ,(हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजनीतिक एजेंडे वाली फिल्में बनाए जाने पर सेंसरबोर्ड द्वारा रोक लगाए जाने की बात कही है। उन्होंने ऐसे फिल्मों को लोगों की आस्था से खिलवाड़ करने वाला बताया है। अखिलेश यादव ने सोमवार को अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से ट्वीट कर कहा कि जो राजनीतिक आकाओं के पैसों से, एजेंडे वाली मनमानी फिल्मों को बनाकर लोगों की आस्था से खिलवाड़ कर रहे हैं, उनकी फिल्मों को सेंसरबोर्ड का प्रमाणपत्र देने से पहले, उनके 'राजनीतिक-चरित्र' का प्रमाणपत्र देखना चाहिए। क्या सेंसरबोर्ड धृतराष्ट्र बन गया है? उल्लेखनीय है कि हाल में ही आदिपुरूष फिल्म भारत के साथ कई देशों रिलीज हुई है। फिल्म को लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। फिल्म में कई डॉयलाग और कहानी को घुमा-फिरा कर दिखाए जाने पर आपत्ति जताई जा रही है।

जगन्नाथपुर रथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

रांची, (हि. स.)। जगन्नाथपुर में मंगलवार को रथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसे लेकर जिला प्रशासन और पुलिस की ओर से सुरक्षा को लेकर पर्याप्त व्यवस्था की गई है। रथ यात्रा के दौरान मंदिर परिसर में मेले में एक हजार से अधिक महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गयी है। इसके अलावा 12 से अधिक दंडाधिकारी को भी तैनात किया गया। सुरक्षा के लिहाज से 14 जगहों पर बैरिकेडिंग की गई है। जगह-जगह पर सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही मेले परिसर की निगरानी रखने के लिए वॉच टावर भी बनाए गए है। अस्थाई कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि रथ यात्रा और मेला को लेकर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। उल्लेखनीय है कि पंद्रह दिनों तक अज्ञातवास में रहने के बाद सोमवार शाम को भगवान जगन्नाथ दर्शन देंगे। चार जून को भगवान अज्ञातवास में चले गए थे। सोमवार को उनका नेत्रदान होगा। शाम के 4:30 बजे भगवान बाहर निकलेंगे और भक्तों को दर्शन देंगे। 20 जून को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाएगी। भक्त उन्हें मौसीबाड़ी लेकर जाएंगे। मौसीबाड़ी में रहने के दस दिनों बाद 29 जून को वे अपने धाम वापस लौट जाएंगे। जिसे घुरती रथ कहा जाता है। आज भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलराम और बहन सुभद्रा भक्तों को दर्शन देंगे।

चतरा में मुख्यमंत्री आज परिसंपत्तियों का करेंगे वितरण

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर चतरा पहुंचेंगे। यहां पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे। कार्यक्रम में परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे। साथ ही कई योजनाओं का शिलान्यास और उदघाटन करेंगे। अपर समाहर्ता पवन कुमार मंडल ने बताया कि मुख्यमंत्री 364 करोड़ 24 लाख की लागत से 177 योजनाओं का शिलान्यास और 14 करोड़ छह लाख की लागत से 42 योजनाओं का उदघाटन करेंगे। इस मौके पर 11 नियुक्ति पत्र का वितरण करेंगे। इसके अलावा अन्य परिसंपत्तियों का वितरण करेंगे।

समान नागरिक संहिता का विरोध वोट बैंक की राजनीतिः सुशील कुमार मोदी

पटना,(हि.स.)। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने समान नागरिक संहिता का समर्थन करते हुए कहा कि जब भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में सभी धर्म के लोगों के लिए सजा का कानून समान है, तब विवाह, तलाक, गुजारा-भत्ता से संबंधित नागरिक कानून (फैमिली लॉ) में समानता क्यों नहीं होनी चाहिए? मोदी ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि दुनिया के अधिकतर देशों में नागरिक कानून सबके लिए समान हैं, लेकिन भारत में धर्म-विशेष के वोट-बैंक की राजनीति करने वाले लोग समान नागरिक संहिता का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि बात-बात पर संविधान की दुहाई देने वाले विपक्षी दल संविधान की धारा-44 की चर्चा क्यों नहीं करते, जिसमें देश की निर्वाचित सरकार से समान नागरिक संहिता लागू करने की अपेक्षा की गई है? मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी आधा दर्जन से अधिक मामलों में सुनवाई के दौरान समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कही। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता लागू होने से आधी आबादी को बड़ी राहत मिलेगी और धर्म के नाम पर उनके समानता के अधिकारों का हनन नहीं हो सकेगा। मोदी ने कहा कि भारत जैसे धर्मनिरपेक्ष देश में जब किसी का धर्म देख कर सजा तय नहीं होती, तब पारिवारिक मामलों में धार्मिक पहचान के आधार पर अलग-अलग कानून क्यों होने चाहिए?

हीटवेव के लक्षणों और बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जाए : मुख्यमंत्री योगी

-मुख्यमंत्री ने की लू की स्थिति की समीक्षा, कहा हर स्तर पर हो बचाव के पुख्ता प्रबंध
-सीएम का निर्देश, बाजार में, मुख्य मार्गों पर जगह-जगह पेयजल की हो व्यवस्था

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में गर्मी के बढ़ते असर को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को यहां शासन के अधिकारियों के साथ हीटवेव(लू) की समीक्षा की। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि हर स्तर पर बचाव के पुख्ता प्रबंध किये जाएं। हीटवेव (लू) के लक्षणों और उससे बचाव के लिए आमजन को जागरूक किया जाए। पेयजल का कहीं भी अभाव न हो, बीमारी स्थिति में तत्काल चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए और लोगों को बचाव के लिए मौसम का पूवार्नुमान जारी किया जाए। मुख्यमंत्री ने प्राणि उद्यानों से लेकर गोशालाओं में पानी की व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। उच्च स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विगत कुछ दिनों से प्रदेश के विभिन्न जिलों में भीषण गर्मी-लू का प्रकोप देखा जा रहा है। ऐसी स्थिति में आम जनजीवन और पशुधन, वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर पुख्ता प्रबंध किए जाएं।

तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराने के निर्देश- मुख्यमंत्री योगी ने हीटवेव (लू) के लक्षणों और उससे बचाव के लिए आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए, साथ ही उन्होंने कहा कि बीमारी की स्थिति में हर किसी को तत्काल चिकित्सकीय सुविधा मुहैया कराया जाय। अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों में हीटवेव से प्रभावित लोगों का तत्काल इलाज हो तथा राहत आयुक्त कार्यालय के स्तर से मौसम पूवार्नुमान का दैनिक बुलेटिन जारी किया जाए।

सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव हो-नगर निकायों, ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ रखवाए जाएं। बाजार, मुख्य मार्गों पर जगह-जगह पेयजल की व्यवस्था हो। इस कार्य में सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाना चाहिए। सड़कों पर नियमित रूप से पानी का छिड़काव कराया जाए। पानी की कमी से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में टैंकरों के माध्यम से आपूर्ति कराई जाए।

गोशालाओं में पशुओं के चारे और पानी की उचित व्यवस्था हो- उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के बीच पशुधन और वन्य जीवों की सुरक्षा का भी ध्यान रखा जाना आवश्यक है। सभी प्राणि उद्यानों, अभयारण्यों में हीट-वेव एक्शन प्लान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए। पशुपालक कृषकों को हीट वेव की स्थिति में सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम हों। गोशालाओं में पशुओं के चारे और पानी की उचित व्यवस्था हो।

पक्षियों के लिए छोटे बर्तनों में पानी एवं दाना रखने के लिए आम जन को जागरूक करें- मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों में पेयजल की आपूर्ति निर्धारित रोस्टर के अनुरूप की जाए। सभी हैंडपम्प को क्रियाशील रखा जाए, ग्रामीण पाइप पेयजल योजनाओं का सुचारू संचालन किया जाए। सार्वजनिक स्थानों पर प्याऊ का संचालन एक पुनीत कार्य, गोवंश, श्वान आदि के लिए सार्वजनिक स्थानों पर पानी एवं छाया की व्यवस्था की जानी चाहिए। पक्षियों के लिए छोटे बर्तनों में पानी एवं दाना रखने के लिए आम जन को जागरूक करें।

बिजली की कटौती नहीं करने के निर्देश- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तेज गर्मी, लू का मौसम चल रहा है। ऐसे में गांव हो या शहर, कहीं भी अनावश्यक बिजली कटौती न हो। जरूरत हो तो अतिरिक्त बिजली खरीदने की व्यवस्था करें। ट्रांसफार्मर जलने, तार गिरने जैसी समस्याओं का बिना विलंब निस्तारण किया जाए। इस विशेष बैठक में मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा, अपर मुख्य्य सचिव वन, प्रमुख सचिव राजस्व, राहत आयुक्त समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गांवों के लिए वरदान साबित हो रहे अमृत सरोवर तालाब

जालौन, (हि.स.)। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की ओर से तैयार किए जा रहे अमृत सरोवर योजना पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन और वाटर रिचार्जिंग के लिए वरदान साबित हो रहे हैं। वहीं गांव की सुविधाओं का विकास भी होगा। गांवों में उपेक्षित पड़े जलाशयों की दशा अमृत सरोवर योजना में चयनित होने के बाद से सुधर रही है। योजना के तहत चयनित जलाशयों को सुदृढ़ करने के लिए इसमें चारों तरफ से सीढ़ियां, पथवे, तारबंदी, झंडा रोहण के लिए चबूतरा, स्ट्रीट लाइट, ओपन जिम तथा पार्क आदि का निर्माण किया जा रहा है। जनपद में 294 अमृत सरोवर चयनित किए गए हैं और 134 तालाबों का काम पूरा हो चुका है। उल्लेखनीय है कि, भीषण गर्मी में ग्रामीणों को पेयजल की मांग अधिक होती है। तो यह अमृत सरोवर वरदान साबित हो रहा है। वहीं, जानवर और पशु पक्षी भी तालाब से अपनी प्यास बुझा रहे हैं। ग्राम पंचायत राहिया स्थित अमृत सरोवर में भरे पानी से लोगों के साथ-साथ पशु पक्षियों को लाभ मिल रहा है। विगत दिनों उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राहिया गांव में जनप्रतिनिधियों सहित अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया और इस अमृत सरोवरों की तारीफ भी की थी। अमृत सरोवर के तहत सुंदरीकरण हो जाने के बाद दोपहर बाद पशु पक्षियों के झुंड के साथ, गांव के युवा भी नहाने के लिए जुटना शुरू हो जाते हैं। सरोवर में छह से सात फीट साफ पानी उपलब्ध रहता है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले यह तालाब काफी उपेक्षित था, लेकिन सरकार के द्वारा अमृत सरोवर महेश का चयन हुआ और फिर यहां पर सौंदर्यीकरण का काम कराया गया, जिसके बाद से गांव का वातावरण बदला।

सरायकेला पहुंचे राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन , कई कार्यक्रम में होंगे शामिल

सरायकेला,(हि.स.)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सोमवार की सुबह पश्चिम सिंहभूम जिले से सरायकेला पहुंचे। सरायकेला स्थित केवीपीएसडी राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय पहुंचने पर सर्वप्रथम जिला प्रशासन द्वारा महामहिम को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। मौके पर सरायकेला जिला पुलिस प्रशासन के सभी आला अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान राज्यपाल केवीपीएसडी राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय मॉडल स्कूल का भ्रमण कर स्कूली छात्राओं से संवाद स्थापित किया। इस कार्यक्रम के बाद वे ओल्ड एज होम में प्रस्तावित कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे। इसके बाद संजय ग्राम स्थित जनजाति आवासीय विद्यालय में स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। उसके बाद राज्यपाल गम्हरिया प्रखंड अंतर्गत ईटाकुदर पंचायत भवन में आयोजित जनता -संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर लोगों से संवाद स्थापित कर उनके बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण करेंगे। इधर, राज्यपाल आगमन को लेकर सरायकेला मुख्यालय समेत अन्य क्षेत्रों में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था स्थापित की गई है।

बिहार में 27 जिलों में हल्की बारिश के साथ आकाशीय बिजली का अलर्ट

पटना, (हि.स.)। पटना मौसम विज्ञान केंद्र की पूवार्नुमान के अनुसार अगले 24 घंटे के दौरान प्रदेश के 27 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रविवार को पटना के साथ-साथ कई जिलों में हल्की बारिश हुई, जिससे राज्य के अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने राज्य के 27 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसमें पटना, गया, जहानाबाद, शेखपुरा, नवादा, नालंदा, जमुई, लखीसराय, मुंगेर, बांका, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, अररिया, किशनगंज, मधेपुरा, खगड़िया, बेगूसराय, सहरसा, सुपौल, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, वैशाली, शिवहर, सीतामढ़ी और मुजफ्फरपुर शामिल हैं। मौसम विभाग के पूवार्नुमान के मुताबिक प्रदेश में धीरे-धीरे मानसून सक्रिय हो रहा है। अगले 24 घंटे के दौरान खासकर उत्तर पूर्व और उत्तर मध्य हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है। बारिश के दौरान तेज हवा और आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। बिहार में लू से पिछले चार दिनों में 26 लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा 10 मौतें भोजपुर जिले में हुई हैं। वहीं, औरंगाबाद में पिछले 24 घंटे में 5 लोगों की संदिग्ध मौत हुई है। रविवार को सीवान में एक दारोगा की मौत हो गई। वहीं अपने पिता के अंतिम संस्कार के लिए भोजपुर से बक्सर पहुंचे एक युवक की हीट स्ट्रोक से जान चली गई। प्रदेश के अस्पतालों में लू लगने और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

भगवान राम तो सबके हैं, आदिपुरुष फिल्म पर रोक लगाए सरकारः शिवपाल

इटावा, (हि.स.)। उत्तरप्रदेश के इटावा जनपद में एक निजी शोरूम का उद्घाटन करने पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने पत्रकारों से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसान बुरी तरह से परेशान हैं।

न बिजली मिल पा रही है और न पानी। प्रदेश में युवा बेरोजगार हैं। सरकार रोजगार नहीं दे पा रही है। आदिपुरुष फिल्म पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा कि इस फिल्म पर सरकार को रोक लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम तो कण-कण में हैं। राम सबके हैं और भाजपा राम को सीमित रखना चाहती है । यह भाजपा की विफलता है। उन्होंने कहा कि 23 जून को बिहार में होने वाली बड़ी बैठक में सभी सेक्युलर पार्टियां एकजुट होकर लोकसभा चुनाव में भाजपा को देश से भगाने का काम करेंगी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने सोमवार को इटावा में एक निजी शोरूम का उद्घाटन करने के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए आदिपुरुष फिल्म पर रोक लगाने की मांग की है। इतिहास से छेड़छाड़ कर इस फिल्म को बनाया गया है ।उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में किसान और बेरोजगार युवा परेशान हैं। सरकार किसानों को बिजली और सिंचाई के लिए नहरों में पानी नहीं दे पा रही है और युवा रोजगार की तलाश में परेशान होकर घूम रहे हैं। आगामी लोकसभा चुनाव में सभी दल मिलकर भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बाहर करने के लिए एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने किया टेलीफोन नंबर जारी, अब कर सकेंगे शिकायत

रांची, (हि.स.)। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने टेलीफोन नंबर जारी किया है। इन नंबरों पर अब कोई भी व्यक्ति फोन कर राज्य के किसी भी सरकारी स्कूल के संबंध में शिकायत दर्ज करा सकता है। साथ ही काम करने के एवज में पैसे का डिमांड किया जाता है। कुछ इसी तरह की शिकायत शिक्षा विभाग को मिला जिसको लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशालय सख्त हो गया है। इस तरह के मामला आये तो उसकी शिकायत माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में कर सकते हैं। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने इसे लेकर आम सूचना जारी किया है। इसमें कहा है कि निदेशालय के अंतर्गत संलग्न क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक के कार्यालय और जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में पदाधिकारी, कर्मी या दलाल तत्वों द्वारा विभिन्न कार्यों के लिए पैसे की मांग की जाती है तो दूरभाष संख्या-0651-2400973 और 0651-2446363 से सीधा संपर्क कर सकते हैं। इसकी शिकायत की सूचना साक्ष्यों सहित उपलब्ध करायी जा सकती है। इसमें कहा गया है कि शिकायतकर्ता का नाम गुप्त रखा जायेगा।

नवादा में ठेले पर ढोये जा रहे मरीज ,सरकारी दावे फेल

नवादा, (हि .स.)। बिहार की नीतीश-तेजस्वी की सरकार स्वास्थ्य विभाग की सुविधाओं में व्यापक बदलाव का दावा करती है पर नवादा में यह दावा फेल साबित हो रहा है.यहां एक गंभीर मरीज को सोमवार को ठेले के जरिए अस्पताल लाना पड़ा,क्योंकि मरीज के परिजन एंबुलेंस के लिए काफी देर तक टॉल फ्री नंबर पर फोन करते रहे पर वहां से किसी तरह का रिस्पांस नहीं मिला ।जिसके बाद उन्हें गंभीर मरीज को ठेले पर लादकर अस्पताल लाना पड़ा। ठेले पर अस्पताल पहुंची मरीज का नाम सिरोमनी देवी है,जो शहर की कलाली रोड की निवासी है.उसे तेज बुखार हुआ था। जिसकी वजह से वह पैदल चलने मे असमर्थ थी। उनके बेटे श्रवण वरनवाल ने एंबुलेंस के लिए टॉल फ्री नंबर पर लगातार फोन किया ,पर वहां से किसी तरह का रिस्पांस नहीं मिला । तो वे पड़ोसी की मदद से ठेले पर लादकर अपनी मां को सदर अस्पताल लेकर पहुंचे।

वहीं मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें पावापुरी बीम्स रेफर कर दिया। व्यवस्था में कमी और कर्मियों की लापरवाही को दूर करने के लिए बिहार सरकार के डिप्टी सीएम सह स्वास्थ्य मंत्री तेजस्वी यादव विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर टारगेट सेट कर रहें हैं। इसके साथ ही वे अस्पतालों का औचक निरीक्षण भी करते रहें हैं । जिससे अस्पताल की कमियों या वहां के कर्मियों की लापरवाही या मनमानी को जान कर कार्रवाई की जा सके.इसके बावजूद नवादा में एबुलेंस के अभाव में गंभीर मरीज को ठेला पर 2 किलोमीटर तक लादकर अस्पताल लाना कहीं न कहीं स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा रहा है।

संपादकीय

नाम गुम नहीं होगा

देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तक नामकरण बदलने की जरूरत क्या है? प्रधानमंत्री, अंततः देश का प्रधानमंत्री होता है और वह संवैधानिक होता है। यदि कैबिनेट ने किसी स्थान, भवन, संस्थान, पुरस्कार आदि का नामकरण, किसी प्रधानमंत्री के नाम पर, तय किया है, तो उसे एक अच्छी, खूबसूरत लोकतांत्रिक परंपरा के तौर पर स्वीकार करना चाहिए। यदि मौजूदा प्रधानमंत्री किसी पूर्व प्रधानमंत्री के स्मारक में हस्तक्षेप करता है और नामकरण ही बदल दिया जाता है, तो यह राजनीति की क्षुद्रता है। कमोबेश मौजूदा प्रधानमंत्री यह तो स्पष्ट करेंगे कि ऐसा क्यों किया गया? क्या सरकारें पहले की कैबिनेट के फैसलों को खारिज करने में ही जुटी रहेंगी? ऐसा करने से किसी प्रधानमंत्री स्तर के व्यक्तित्व का नाम, कद, ख्याति गुम नहीं हो सकते और न ही ऐसा जबरन किया जा सकता है। भारत में चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्री भी हुए हैं, जिनके कार्यकाल बेहद कम रहे, लेकिन प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने जो भी निर्णय लिये, वे इतिहास में दर्ज हैं। देश उनके नाम पर मिट्टी फेरकर गुम नहीं कर सकता। प्रधानमंत्री के तौर पर पंडित नेहरू की लंबी विरासत है। 1947 से लेकर 27 मई, 1964 तक वह लगातार प्रधानमंत्री चुने जाते रहे। वह कालखंड संक्रमण, संकट और अभाव का था। आज के भारत की अर्थव्यवस्था 3.75 ट्रिलियन डॉलर की है। उसकी तुलना में तब भारत 'गरीब देश' ही था। यदि प्रधानमंत्री के तौर पर नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के नाम पर देश की 74 सड़कों और भवनों, 98 शैक्षणिक संस्थानों, 52 राष्ट्रीय पुरस्कारों, 39 अस्पतालों, 15 राष्ट्रीय अभयारण्य, 28 खेल मुकाबलों, 19 स्टेडियम, 15 फेलोशिप, 09 हवाई अड्डों, 12 केंद्रीय और 52 राज्य योजनाओं तथा 37 अन्य संस्थानों के नामकरण किए गए थे, तो आज उन्हें खुरचने या मिटाने अथवा बदलने के औचित्य और तर्क क्या हैं? इन नेताओं को भरपूर जनादेश मिले और उन्होंने देश का नेतृत्व किया था। इन नामकरणों को 'वंशवाद' की परिधि में तब बांधा जा सकता था, यदि वे किसी साम्राज्य की पीढ़ी-दर-पीढ़ी ईकाई होते और उनका 'राजतिलक' शाही परंपराओं के मुताबिक किया जाता। ब्रिटेन के महाराजा किंग चार्ल्स की हालिया ताजपोशी लोकतांत्रिक नहीं है, लेकिन भारत में नेहरू-गांधी नामधारी प्रधानमंत्रियों के अलावा, असंख्य नेताओं के नामकरण पर सार्वजनिक स्थल और स्मारक हैं। यह सूची बहुत लंबी है। देश बखूबी जानता है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'नेहरू मेमोरियल एंड लाइब्रेरी' का नामकरण बदल कर 'प्रधानमंत्री स्मारक एवं पुस्तकालय' कर दिया है। इसका तर्क क्या हो सकता है? प्रधानमंत्री के रूप में यह भवन 16 साल तक नेहरू का आधिकारिक आवास था। उनकी स्मृतियां हैं। स्वतंत्रता संघर्ष से जुड़ी यादें और कुछ महत्त्वपूर्ण दस्तावेज यहां हैं। देश के दिवंगत प्रधानमंत्रियों की स्मृति में राजधानी दिल्ली में सैकड़ों एकड़ के भूखंड आवंटित किए गए हैं। उन्हें पर्यटन-स्थल भी बनाया गया है। जिन आवासों में नेतागण रहते थे, उन्हें स्मारक भी बनाया गया है और उन्हीं के नाम पर...! नेहरू के नाम पर क्या दिक्कत है? परेशान करने वाली यह प्रवृत्ति है कि ऐसे फैसलों पर प्रधानमंत्री मोदी चुप्पी साध लेते हैं, जबकि खुद उनके ही फैसले होते हैं। सवाल है कि क्या नेहरू-गांधी के नामकरण वाले स्मारकों का नाम बदलना ही भाजपा की राजनीति है? ये नामकरण प्रधानमंत्री मोदी को क्यों चुभते हैं और उन्हें बदल कर भाजपा कौन-सा लंबा-चौड़ा जनादेश हासिल कर सकती है? इस विषय पर मोदी को चुप्पी तोड़ते हुए स्पष्टीकरण देना चाहिए।

> देश का प्रधानमंत्री होता है और वह संवैधानिक होता है। यदि कैबिनेट ने किसी स्थान, भवन, संस्थान, पुरस्कार आदि का नामकरण, किसी प्रधानमंत्री के नाम पर, तय किया है, तो उसे एक अच्छी, खूबसूरत लोकतांत्रिक परंपरा के तौर पर स्वीकार करना चाहिए। यदि मौजूदा प्रधानमंत्री किसी पूर्व प्रधानमंत्री के स्मारक में हस्तक्षेप करता है और नामकरण ही बदल दिया जाता है, तो यह राजनीति की क्षुद्रता है। कमोबेश मौजूदा प्रधानमंत्री यह तो स्पष्ट करेंगे कि ऐसा क्यों किया गया? क्या सरकारें पहले की कैबिनेट के फैसलों को खारिज करने में ही जुटी रहेंगी? ऐसा करने से किसी प्रधानमंत्री स्तर के व्यक्तित्व का नाम, कद, ख्याति गुम नहीं हो सकते और न ही ऐसा जबरन किया जा सकता है। भारत में चंद्रशेखर, देवगौड़ा, इंद्रकुमार गुजराल सरीखे प्रधानमंत्री भी हुए हैं, जिनके कार्यकाल बेहद कम रहे, लेकिन प्रधानमंत्री के तौर पर उन्होंने जो भी निर्णय लिये, वे इतिहास में दर्ज हैं। देश उनके नाम पर मिट्टी फेरकर गुम नहीं कर सकता।

कुछ अलग

और कितने माल रोड

हिमाचल की शक्ल बदलने का ख्याल तो अच्छा है, लेकिन क्या इंतजाम भी अच्छा होगा। यह सवाल सत्ता की दहलीज पर हर बार मुड़ कर आता है और अपने ही जनप्रतिनिधियों के रिपोर्ट कार्ड बनाते हुए पछतावा करता है। यह इसलिए कि पूर्व में विकास या शिलान्यास के जितने खाके बने, उनके कई पत्थर आज भी शर्मिंदा हैं। शर्मिंदा है वह भीड़ जो मंचों से उतरते इंकलाब में शरीक हो जाती है, लेकिन अंत में ढाई आखर विकास के कहां-कहां धूमिल होते हैं, कोई नहीं जानता। घोषणाओं की सर्वश्रेष्ठ सूची में सरकारों के मंसूबे और ओहदे गूंजते रहे हैं और इन्हीं में से इस बार भी कई रोचक पहलू सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक बड़ा ख्वाब हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह बाली दिखा रहे हैं। हिमाचल में पर्यटन के महानगर तो बनते रहे हैं, लेकिन इस बार कांगड़ा जिला को इसकी राजधानी बनाने की रूपरेखा में संकल्प की विधा ही बदल गई। कई परियोजनाएं महाकाव्य जैसी सुरीली और भविष्य के संगीत सुनाती हुई प्रतीत होती हैं। स्वयं मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू इनकी मानीटरिंग कर रहे हैं और अगर इसका पचास फीसदी भी हासिल हो गया, तो कथनी और करनी की एकजुटता में सरकार के सरोकार ईमानदार घोषित हो जाएंगे। इसी बीच पर्यटन घोषणाओं की सरदारी करता बाली का वह इरादा अपने लिए सुखद जगह घेरता प्रतीत होता, जहां 'काबीना दर्जा' हासिल उनका रुतबा बार-बार याद दिला रहा है कि नगरोटा बगवां सहित कई बाजार आइंदा माल रोड बन जाएंगे। बेशक यह घोषणा नई नहीं, लेकिन इस बार पर्यटन परियोजना के तहत कुछ पैसा भी गूंज रहा है। माल रोड का नाम लेते ही शिमला की संस्कृति, शिष्टाचार और ब्रिटिश योजना का प्रारूप सशक्त होता है। माल रोड यानी ऐसा पथ जिसके ऊपर वाहन नहीं, केवल इनसानों के कदम चलेंगे। एक ऐसा बाजार जहां ग्राहक को वाहन नहीं कदम लाएंगे। यह संकल्प नागरिक समाज में कई शहरों में उठता रहा और कई प्रयोग हुए भी, लेकिन जनता और व्यापारियों के दबाव ने एक न चलने दी। सोलन का उदाहरण हमारे सामने है, जहां कुछ घंटे वाहन रोकने या एकतरफा चलाने की तहजीब आज तक मुकम्मल नहीं हुई, तो हमीरपुर में नागरिकों की मांग के बावजूद व्यापारी वर्ग मुख्य बाजार को माल में बदलने को राजी नहीं हुआ। जिस प्रदेश में मंदिरों के मुहाने तक पहुंचने के लिए वीआईपी सडक़ का होना राजनीतिक प्रदर्शन रहा हो, वहां वाहन रहित बाजार बनाने की एक स्पष्ट नीति और विकल्प चाहिए। पहले यह तो तय करें कि माल रोड की संरचना किस विभाग की जिम्मेदारी है और यह भी सोचें कि जहां लोग बाइपास की अहमियत को जाने बिना बाजारों से गुजरना पसंद करते हों, जहां आपसी भाईचारे या व्यापारी वर्ग की हिस्सेदारी में मुख्य बाजारों में उन्हीं के वाहन खड़े रहते हों, वहां माल रोड सबसे पहले सभ्यता, शिष्टाचार और अनुशासन का प्रश्न है। यह शहरी विकास विभाग या शहरी नियोजन (टीसीपी) की देखरेख में योजनाबद्ध होना चाहिए। यह ट्रांसपोर्ट विभाग के नक्शे पर यातायात के विकल्पों से संभव होगा तथा पर्यटन की दृष्टि से सुसज्जित अधोसंरचना के मुताबिक होगा। मसलन अगर नगरोटा बाजार को माल रोड बनाना है, तो इसे पूर्ण रूप से वाहनों के लिए वर्जित करना होगा। ऐसे में बाजार के दोनों छोर के साथ पार्किंग एवं बस ठहराव बनाने पड़ेंगे, जबकि बीच में व्यापारिक उद्देश्य या आवागमन के लिए गोल्फ कार्ट या छोटे-छोटे इलेक्ट्रिक वाहन चलाने पड़ेंगे। ऐसे में शहरी विकास की भूमिका तब पूरी होगी, जब हिमाचल के तमाम शहरों व कस्बों के बीच इंटर सिटी तथा लोकल बस सर्विस के तहत नई योजनाओं को स्पष्ट किया जाएगा। शहरी विकास की परिकल्पना केवल इक्का-दुक्का शहरों पर प्रयोग करने से नहीं सुधरेगी, बल्कि बढ़ते शहरीकरण को हर नगर से गांव तक अंगीकार करना होगा।

14 उद्योगों को करीब 1.97 लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए

अब मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बढ़ी नौकरियां

डा. जयंतीलाल भंडारी

> पिछले 31 महीनों में पीएमआई का यह सबसे ऊंचा स्तर है। यह स्पष्ट रेखांकित हो रहा है कि उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना-2.0 को स्वीकृति देते हुए इसके लिए 17000 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। इस पीएलआई योजना से चीन से अन्यत्र जा रही विश्व की दिग्गज आईटी हार्डवेयर कंपनियों के भारत आने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। साथ ही भारत से आईटी हार्डवेयर का निर्यात भी तेजी से बढने का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है।

यकीनन देश के बढ़ते हुए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार के मौके भी तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रहे है। पिछले माह मई 2023 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) 58.7 पर पहुंच गया। पिछले 31 महीनों में पीएमआई का यह सबसे ऊंचा स्तर है। यह स्पष्ट रेखांकित हो रहा है कि उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। हाल ही में केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) हार्डवेयर के लिए पीएलआई योजना-2.0 को स्वीकृति देते हुए इसके लिए 17000 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। इस पीएलआई योजना से चीन से अन्यत्र जा रही विश्व की दिग्गज आईटी हार्डवेयर कंपनियों के भारत आने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। साथ ही भारत से आईटी हार्डवेयर का निर्यात भी तेजी से बढने का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि सरकार ने आईटी हार्डवेयर की इस नई पीएलआई योजना के पिछले स्वरूप के लिए 7325 करोड़ रुपये का प्रावधान किया था। इस योजना का उद्देश्य देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देते हुए लैपटॉप, टैबलेट, पर्सनल कंप्यूटर और आधुनिक कंप्यूटिंग उपकरणों के उत्पादन को प्रोत्साहित करना है। इस पीएलआई योजना में किए गए नए बदलावों और प्रोत्साहनों से सरकार को उम्मीद है कि तय अवधि में आईटी हार्डवेयर क्षेत्र में 2430 करोड़ रुपये के निवेश आने के साथ-साथ 75000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित करने और उत्पादन मूल्य 3.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का परिदृश्य दिखाई दे सकेगा। ज्ञातव्य है कि देश में वर्ष 2020 से शुरू हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्युफैक्चरिंग के तहत उद्योगों को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। देश को इस सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ाने और चीन से आयात किए जाने वाले दवाई, रसायन और अन्य कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले तीन वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 14 उद्योगों को करीब 1.97 लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। पीएलआई योजना के तहत पांच वर्षों में 60 लाख नौकरियों के अवसर सृजित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 17 फीसदी योगदान देने वाला मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर करीब 2.73 करोड़ से अधिक श्रमबल के

साथ अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन विनिर्माता है और तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल मार्केट है। भारत का फार्मा उद्योग उत्पादित मात्रा के आधार पर दुनिया में तीसरे क्रम पर है। साथ ही भारत दुनिया में सबसे अधिक मांग वाला तीसरा बड़ा विनिर्माण गंतव्य है। इलेक्ट्रानिक्स और रक्षा क्षेत्र में लगातार आयात पर निर्भर रहने वाला भारत अब बड़े पैमाने पर इनका निर्यात करने लगा है। देश में ऑटोमोबाइल, फार्मा, केमिकल, फूड प्रोसेसिंग और टेक्सटाइल सेक्टर जैसे मैन्युफैक्चरिंग के विभिन्न सेक्टरों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का प्रवाह तेजी से बढ़ रहा है। भारत का वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में 447 अरब डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गया है। देश से बढ़ते हुए मैन्युफैक्चरिंग निर्यात मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को गतिशील कर रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को आगे बढ़ाने के लिए सरकार रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रही है। भारत को एक वैश्विक डिज़ाइन और विनिर्माण केंद्र में बदलने के लिए मेक इन इंडिया 2.0, मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों के लिए तकनीकी समाधान को बढ़ावा देने के लिए उद्योग 4.0, स्टार्टअप संस्कृति को उत्प्रेरित करने के लिए स्टार्टअप इंडिया, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी अवसंरचना परियोजना के लिए पीएम गति शक्ति और उद्योगों को डिजिटल तकनीकी शक्ति प्रदान करने के लिए डिजिटल इंडिया जैसी सफल पहलों के कारण भारत चतुर्थ औद्योगिक क्रांति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। भारतीय कंपनियां शोध व नवाचार में आगे बढ़ रही हैं। ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों पर भी उद्योग की ओर से अपेक्षित ध्यान दिया जा रहा है। सरकार को उम्मीद है कि ऐसे विभिन्न कार्यक्रमों और नीतियों के कारगर कार्यान्वयन से वर्ष 2025 तक जीडीपी का 25 फीसदी योगदान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से आएगा। उल्लेखनीय है कि 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात की 100वीं कड़ी में कहा कि देश में स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वोकल फॉर लोकल मुहिम के प्रसार ने स्थानीय उत्पादों की खरीदी को पहले की तुलना में अधिक समर्थन दिया है और इससे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को भारी प्रोत्साहन मिला है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि चीन के खिलाफ नकारात्मक धारणा बनने से भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को नया आधार मिल रहा है। भारत सस्ती लागत और कार्य कौशल के मद्देनजर विनिर्माण में चीन को पीछे छोड़ते हुए दिखाई दे रहा है। 85 देशों के मैन्युफैक्चरिंग से संबंधित विभिन्न कारकों का समग्र मूल्यांकन करने वाली विश्व प्रसिद्ध यूएस न्यूज एंड वल्र्ड रिपोर्ट-2022 के तहत सस्ते विनिर्माण के मद्देनजर भारत ने चीन और वियतनाम को पीछे छोड़ते हुए दुनिया भर में सबसे कम विनिर्माण लागत वाले देश का दर्जा हासिल कर लिया है। जैसे-जैसे सरकार के द्वारा चीन से आयात होने वाले घटिया स्तर के उत्पादों पर विभिन्न तरह से प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं, वैसे-वैसे देश में मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों का उत्पादन बढ़ रहा है। फुटवियर मेड फ्रॉम लेदर एंड अदर मटेरियल (क्वालिटी कंट्रोल) ऑर्डर 2022 के तहत देश में एक जुलाई से, क्वालिटी कंट्रोल ऑर्डर लागू होने के बाद देश में चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया और बंगलादेश से होने वाले घटिया जूते-चप्पलों के आयात में बड़ी कमी आएगी। चीन से सबसे अधिक फुटवियर का आयात होता है। पिछले वित्त वर्ष में 2022-23 में 85.85 करोड़ डॉलर मूल्य के फुटवियर का भारत में आयात किया गया है। अब फुटवियर का घरेलू मैफैक्चरिंग बढ़ेगा व रोजगार बढ़ेंगे। अब चीन से खाद्य संस्करण उत्पादों के आयात में भी अवश्य ही कमी आएगी। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक सरकार जिस तरह देश में ज्यादा मूल्य और मूल्यवर्धित कृषि निर्यात से संबंधित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्कृत उत्पादों को प्रोत्साहन दे रही है, उससे फूड प्रोसेसिंग, मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की संभावनाएं भी आगे बढ़ी हैं। यद्यपि देश का मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने के लिए अभी मीलों चलना बाकी है। व्यापक नीतिगत सुधारों के तहत सभी उत्पादों के कारोबारों के लिए सिंगल विंडो मंजूरी, इन्फ्रास्ट्रक्चर और कुशल श्रमिकों की आवश्यकता की पूर्ति के साथ-साथ नई लॉजिस्टिक नीति 2022 और गति शक्ति योजना के कारगर कार्यान्वयन पर ध्यान देना होगा।

योग के क्षेत्र में करियर बनाने के अवसर

> भारतीय संस्कृति और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भारत में योग का इतिहास बहुत पुराना है और महर्षि पतंजलि के योगसूत्र इसके मूल में हैं। मौजूदा समय में शरीर को स्वस्थ रखने और तनाव को दूर करने के लिए विश्व स्तर पर योग सबसे सटीक माध्यम है। आज स्ट्रैस और हाइपरटेंशन भरे माहौल में योग का महत्व और ज्यादा बढ़ गया है। योग की लोकप्रियता को देखते हुए इस क्षेत्र में करियर के भी अवसर बढ़े हैं। 2015 से हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। लाखों लोगों के लिए योग अब एक पसंदीदा करिअर ऑप्शन भी बन गया है। योग को अपनाने से न सिर्फ आप सेहतमंद हो सकते हैं बल्कि आप इसमें बेहतर करिअर भी बना सकते हैं। आज पूरी दुनिया में योग टीचर और एक्सपट्र्स की मांग बढ़ती जा रही है। योग शिक्षक बनने से पहले जरूरी है कि आपको योग की पूरी समझ और जानकारी हो क्योंकि योग में आसनों को सही तरीके से करना जरूरी है।

पौराणिक काल से शुरू हुए योग की लोकप्रियता आज दुनियाभर में फैल चुकी है। योग की उत्पत्ति संस्कृत शब्द 'युज' से हुई है जिसका अर्थ है जोडना। आत्मा का परमात्मा से जुडने का माध्यम ही योग है। भागदौड़ भरी जिंदगी में हर व्यक्ति स्वस्थ रहना चाहता है, लेकिन व्यस्तता के बीच अकसर हम अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में योग बहुत ही सरल उपाय है जिसके जरिए हम शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। भारतीय संस्कृति और पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भारत में योग का इतिहास बहुत पुराना है और महर्षि पतंजलि के योगसूत्र इसके मूल में हैं। मौजूदा समय में शरीर को स्वस्थ रखने और तनाव को दूर करने के लिए विश्व स्तर पर योग सबसे सटीक माध्यम है। आज स्ट्रैस और हाइपरटेंशन भरे माहौल में योग का महत्व और ज्यादा बढ़ गया है। योग की लोकप्रियता को देखते हुए इस क्षेत्र में करियर के भी अवसर बढ़े हैं। 2015 से हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। लाखों लोगों के लिए योग अब एक पसंदीदा करिअर ऑप्शन भी बन गया है। योग को अपनाने से न सिर्फ आप सेहतमंद हो सकते हैं बल्कि आप इसमें बेहतर करिअर भी बना सकते हैं। आज पूरी दुनिया में योग टीचर और एक्सपट्र्स की मांग बढ़ती जा रही है। योग शिक्षक बनने से पहले जरूरी है कि आपको योग की पूरी समझ और जानकारी हो क्योंकि योग में आसनों को सही तरीके से करना जरूरी है। अगर आप एक भी योगासन गलत तरीके से करेंगे या कराएंगे तो वह किसी नई परेशानी को जन्म दे सकता है। योग के क्षेत्र में 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद करिअर बना सकते हैं। देश में ऐसे कई संस्थान हैं जो योग में डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेस ऑफर करते हैं। योग में 3 साल की डिग्री के साथ ही 1 साल और 6 माह के डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध हैं। इसके अलावा बैचलर ऑफ आट्र्स (योग), बैचलर ऑफ साइंस (योग), मास्टर्स ऑफ आट्र्स (योग), मास्टर ऑफ साइंस (योग), पीएचडी (योग) की डिमांड सबसे ज्यादा है। अगर आप योग एक्सपर्ट और नैचुरोपैथ के तौर पर करियर विकसित करना चाहते हैं तो साढ़े पांच साल का बैचलर ऑफ नैचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) कोर्स किया जा सकता है। योग में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सेज की बात करें तो पीजी डिप्लोमा इन योग एजुकेशन, पीजी डिप्लोमा इन योग थैरेपी, सर्टिफिकेट कोर्स इन योग, फाउंडेशन कोर्स इन योग, एडवांस योग टीचर्स ट्रेनिंग, मास्टर क्लास फॉर योग टीचर्स जैसे कोर्स उपलब्ध हैं। योग टीचर की सैलरी उनकी योग्यता, स्थान, अनुभव और प्रसिद्धि पर निर्भर करती है। हालांकि शुरुआत में औसतन 10 हजार से 25 हजार की सैलरी पा सकते हैं। बाद में जैसे-जैसे इस क्षेत्र में अनुभव बढ़ता जाता है उसके अनुसार सैलरी और अवसर भी बढ़ते जाते हैं। इसके अलावा विदेशों में भी योग ट्रेनर्स अच्छे पैकेज पर हायर किए जाते हैं। योग में पीएचडी धारकों को 1 लाख तक सैलरी मिल सकती है। योग एक विज्ञान है जिसे सीखने के लिए योग्य और प्रशिक्षित शिक्षक की जरूरत होती है। योग शिक्षक अपना खुद का काम भी शुरू कर सकते हैं। हमारे देश में ऐसे कई उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान हैं जहां इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ, कॉमर्स और बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन जैसी फील्ड की तर्ज पर योग का प्रोफेशनल तौर पर शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त किया जा सकता है। हमारे देश में योग ट्रेनिंग के प्रतिष्ठित संस्थानों में मोरारजी देसाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ योग, नई दिल्ली, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश, देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखंड, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखंड, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड, पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखंड, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय भोपाल, मध्य प्रदेश, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, मध्य प्रदेश, जीवाजी विश्वविद्यालय ग्वालियर, मध्य प्रदेश, लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान ग्वालियर, मध्य प्रदेश, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर, मध्य प्रदेश, महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय कटनी, मध्य प्रदेश, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरियाणा, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान बेंगलुरू, कर्नाटक, बिहार स्कूल ऑफ योग मुंगेर, बिहार और कैवल्यधाम योग इंस्टिट्यूट पुणे, महाराष्ट्र शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अस्तित्व में आने के बाद देश-दुनिया में योग को तेजी से अपनाया जा रहा है। भारत में भी योग के प्रति लोगों का रुझान तेजी से बढ़ता जा रहा है। योग के शरीर और मस्तिष्क पर पडने वाले बेहतर और सकारात्मक प्रभाव के कारण लोग इसे अपना रहे हैं। ऐसे में योग अब महज शरीर को स्वस्थ रखने का जरिया नहीं बल्कि एक व्यापक इंडस्ट्री बन गया है जिसमें करिअर बनाने की बेशुमार संभावनाएं हैं। योग के क्षेत्र में डिग्री या डिप्लोमा करने के बाद इस क्षेत्र में सेवाएं देने के लिए भी कई विकल्प मौजूद हैं। योग शिक्षा पाने के बाद आप किसी भी प्राइवेट या सरकारी सेक्टर में जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपना निजी योग सेंटर भी खोल सकते हैं। योग के क्षेत्र में जॉब के प्रमुख विकल्पों में योग टीचर, योग मैनेजर, योग थैरेपिस्ट, योग इंस्ट्रक्टर, योग कंसल्टेंट, योग एडवाइजर, योग स्पेशलिस्ट, योग प्रैक्टिशनर, योग एरोबिक इंस्ट्रक्टर, पब्लिकेशन अफसर (योग), रिसर्च ऑफिसरए योग एंड नेचुरोपैथी शामिल हैं। योग और योगाभ्यास की बढ़ती लोकप्रियता के चलते आज इस क्षेत्र में नौकरी के अवसर पहले की तुलना में कहीं ज्यादा हैं। सरकारी, प्राइवेट या निजी सेंटर खोलकर आप इस क्षेत्र में अपना करिअर बना सकते हैं। आज पूरे विश्व में योग का बहुत बड़ा बाजार है, जिससे लाखों लोगों की आजीविका जुड़ी है। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में योग सिखाने वाले लोगों की संख्या 20-25 करोड़ है।

देश दुनीया से

सरकारी नौकरी सीधी नहीं

> सरकारी नौकरी के काबिल होना भी अब अनेक तरह की ठोकरों की गिनती है। हर दफ्तर में जो लोग सरकारी नौकरी में हैं, उन्होंने अपनी-अपनी तरह की ठोकरें देखी हैं, भले ही वे इसे राज ही बना रहने दें। खैर उसकी किस्मत में डिग्रियां रही होंगी, इसलिए वह पढ़ कर इन्हें इकट्ठा करता गया और हालत यह हो गई कि उसे यह ज्ञान भी नहीं रहा कि आखिर किस उपाधि के बूते वह उत्तम रोजगार पा लेगा। वह हर दिन डिग्रियों को निहारता और रोजगार के मुहाने तलाश करता। उसे यह अनुभव तो हो गया कि उसकी एमबीए की डिग्री किसी दिन क्लर्क बना देगी या इंजीनियरिंग का सर्टिफिकेट उसे किसी निजी संस्थान में आज्ञाकारी नौकर बना देगा। हुआ भी ऐसा ही और अब वह निजी कार्यालय के स्वागत कक्ष से मालिक के हर आदेश को पूरी तरह अमल में लाने की मशीनरी बन गया है।

वह रोजगार के पहियों से बार-बार कुचला गया, फिर भी उसने हिम्मत नहीं हारी। वह हर ठोकर के बावजूद यह प्रण नहीं छोड़ता कि एक दिन सरकारी नौकरी की काबिलीयत में दर्ज हो जाएगा। वैसे जिस सरकारी स्कूल में वह पढ़ा, वहां पढ़ाई खुद सिखा रही थी कि उसकी काबिलीयत अब हर तरह की ठोकर खाने की तो है ही। दरअसल उसको पढ़ाने वाले भी दर-दर की ठोकरें खाने के बाद पढ़ाने की नौकरी के काबिल हो पाए थे। सरकारी नौकरी के काबिल होना भी अब अनेक तरह की ठोकरों की गिनती है। हर दफ्तर में जो लोग सरकारी नौकरी में हैं, उन्होंने अपनी-अपनी तरह की ठोकरें देखी हैं, भले ही वे इसे राज ही बना रहने दें। खैर उसकी किस्मत में डिग्रियां रही होंगी, इसलिए वह पढ़ कर इन्हें इकट्ठा करता गया और हालत यह हो गई कि उसे यह ज्ञान भी नहीं रहा कि आखिर किस उपाधि के बूते वह उत्तम रोजगार पा लेगा। वह हर दिन डिग्रियों को निहारता और रोजगार के मुहाने तलाश करता। उसे यह अनुभव तो हो गया कि उसकी एमबीए की डिग्री किसी दिन क्लर्क बना देगी या इंजीनियरिंग का सर्टिफिकेट उसे किसी निजी संस्थान में आज्ञाकारी नौकर बना देगा। हुआ भी ऐसा ही और अब वह निजी कार्यालय के स्वागत कक्ष से मालिक के हर आदेश को पूरी तरह अमल में लाने की मशीनरी बन गया है। वह अपने स्वामी के आदेशों-निर्णयों से सीख-सीख कर एक कुशल नौकर बन चुका था, लेकिन वह डिग्री के हिसाब से सरकारी खजाने से पगार पाने की ख्वाहिश नहीं छोड़ पाया। वह सरकारी नौकरी की भेड़ बन गया और पूरी भेड़चाल सीख गया। आश्चर्य यह कि सरकारी नौकरी पाने की प्रतिज्ञा ने उसके देवता तक बदल दिए। सरकारी नौकरी के दर्शन के लिए उसने ऐसे नेता देवता बना लिए, जिन्हें देखने मात्र से कोई भी शर्मिंदा हो सकता था। अंततः नेता ने उसे समझाया कि ठोकरें खाने के बजाय सरकारी नौकरी की ठोकरों की कीमत जान ले। वह इस काबिल हो चुका था कि पढ़ाई की ठोकरों से कहीं बेहतर सरकारी नौकरी की ठोकरों को पाकर, उनका मोल-तोल कर ले। वह अब सरकारी कार्यालय का नौकर बन गया है। उसके लिए अब सारी सृष्टि और दृष्टि पूरी तरह घूम रही है। वह एक घुमावदार पद है, जो देश के लिए पहेलियां बना देता है। जिस नेता के कारण वह सरकारी नौकरी का रहस्य जान सका, अब वह उसी नेता के लिए भी रहस्यमय है। दफ्तर की हर कुर्सी पर ऐसे रहस्यों की इबारत शासन कर रही है। सरकारी नौकरी भी दरअसल किसी फिल्म की लांचिंग की तरह है। यहां भी 'फस्र्ट लुक' ही किसी सरकारी नौकर की सफलता और समृद्धि लिख देता है। सरकारी नौकरी का फस्र्ट लुक अगर सौहार्दपूर्ण नजर आ गया, तो फाइलें घूमेंगी और चुटकी बजाकर लोग काम कराएंगे। हर सरकारी दफ्तर में कोई न कोई कर्मचारी जरूर 'हिट' होता है और इसी अंदाज में उसका जीवन 'फिट' होता है। जिस सरकारी नौकर में घुमाव नहीं, वह कार्य संस्कृति के लिए खतरा है और इसीलिए ट्रांसफरें उन्हीं की ज्यादा होती हैं जो यह सोच लेते हैं कि सरकारी नौकरी भी उन्हीं की तरह सीधी है। वह भी सीधी नौकरी की उम्मीद में सरकारी दफ्तर में था, लेकिन उसे रोज कुर्सी डराती थी। कुर्सी पर बैठते ही उसके हाथ शिथिल हो जाते थे, लेकिन जुबान कैंची की तरह चलने लगी। उसके हाथ टनों के हिसाब से मोटे हो गए। वह महीनों तक कोई एक फाइल भी नहीं उठा पाता। दफ्तर में घुसते ही उसके पांव व्यवस्था के गड्ढों में फंस जाते। वह कोशिश करता है कि देश और समाज के लिए ढेर सारा काम करे, लेकिन देश की चर्चाएं उसका समय लूट लेतीं। उसने भी सीख लिया है कि जीवन में अगर कुछ भी स्थायी नहीं, तो वह व्यवस्था को स्थायी बनाकर क्यों किसी दोष का भागीदार बने।

नागरिक बोध

पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों को तिलांजलि देने की वजह से बढ़ रहे हैं अपराध

जून के पहले हफ्ते में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक खबर आई, चौबीस साल छोटी लिव इन पार्टनर की आरी से चीर कर हत्या, हत्या से मुंबई में सनसनी। कुछ अखबारों की खबरों का शीर्षक यह भी, सनसनीखेज हत्या से हिली मुंबई...लेकिन सवाल यह है कि क्या ये महज अखबारी सुर्खियां थीं, टेलीविजन चैनलों की हेडलाइन थी या सचमुच मुंबई हिली..पिछले साल मुंबई की ही लड़की श्रद्धा वाडकर की ऐसी ही हत्या की जानकारी दिल्ली को मिली, तो कुछ ऐसी ही टीवी और अखबारी सुर्खियां बनीं। लेकिन हकीकत यह है कि क्या ऐसी घटनाओं से सचमुच ये महानगर हिले, सचमुच वहां सन्नाटा पसरा। जब भी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं तो सन्नाटा होता है, सनसनी फैलती है..लेकिन सिर्फ महानगरों की गलियों तक। ऐसी घटनाएं गांवों में होती हैं तो सचमुच समूचे गांव में सन्नाटा होता है। हालांकि वहां भी स्थितियां बदल रही हैं। जब भी ऐसी लोमहर्षक घटना होती है, एक सवाल जरूर उठता है कि आखिर ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं। क्या आज का इन्सान इतने गुस्से में है कि वह जिसके साथ जीने-मरने की कसमें खाता है, जिसके साथ अपना सब कुछ साझा करता है, जीवन के कोमल तंतुओं को सहलाता रहता है, उसे ही इतने निर्मम तरीके से मार डाले। जब दुनिया में वैश्वीकरण की लहर चली, तब समझदारों ने इसके विरोध में आवाज उठाई। आवाज उठाने के मूल में उनकी चिंता थी कि वैश्वीकरण की आंधी अपने साथ भारतीय पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों को बहा ले जाएगी। मुंबई की घटना हो या फिर दिल्ली, उन्होंने इसी चिंता की ओर हमारा ध्यान आकर्षित किया है। लेकिन दुर्भाग्यवश हम इस ओर कुछ देर तक सोचते हैं, इसकी चिंता करते हैं, फिर वैश्वीकरण की आंधी में मिली आर्थकि ताकत, जीवन जीने के साधनों के साथ मौजमस्ती के साथ आगे बढ़ चलते हैं। जबकि होना कुछ और चाहिए था। हम भूलते चले गए कि भारत अगर अतीत में सोने की चिड़िया था, अगर वह विश्व गुरु था, अगर उसकी संस्कृति को महान माना गया तो उसकी वजह रहे उसके पारिवारिक मूल्य और संस्कार। वैश्वीकरण की आंधी में वे सारे मूल्य और संस्कार बहते चले गए। आज स्थिति यह है कि संस्कारों से हम दूर होते जा रहे हैं। विशेषकर हिंदू समाज में अपने पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों की बात करना अतीतोन्मुखी माना जाने लगा है। मूल्यों की ओर लौटना प्रगतिशीलता के उलट माना जाने लगा है। इसकी वजह से आपसी रिश्ते लगातार छीजते जा रहे हैं। यह कड़वा सच है कि वर्तमान परिदृश्य में मानवीय मूल्यों की परवाह समाप्त हो चुकी है और नई पीढ़ी की निगाह में रिश्ते ज्यादा मायने नहीं रख रहे। महानगरों में तो इसकी वजह से पड़ोसी तक एक-दूसरे को जानते नहीं हैं, अनजान की तरह रहते हैं। महानगरों के बारे में कहा जाता है कि महानगर की आंखें दीवार का काम करती हैं, जबकि गांवों की आंखें निगहबानी करती हैं। यही वजह है कि अब महानगरों में लोग उद्दाम ढंग से व्यवहार कर रहे हैं।

अमेरिकी सांसदों ने बांधें पीएम मोदी की तारीफों के पुल, कहा- ये यात्रा दोनों देशों के एक साथ बढ़ने का प्रतीक

वाशिंगटन ।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21 जून को अमेरिका की यात्रा पर जाने वाले हैं। इस यात्रा को लेकर दोनों देश के नेता उत्साहित हैं। अमेरिकी सांसदों का मानना है कि पीएम मोदी की ये यात्रा द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण बिंदु है और दोनों देशों के एक साथ बढ़ने का प्रमुख प्रतीक है।

गौरतलब है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन व प्रथम महिला जिल बाइडन के निमंत्रण पर 21-24 जून तक अमेरिकी यात्रा पर रहेंगे। 22 जून को राजकीय रात्रिभोज में मोदी हिस्सा लेंगे। इस यात्रा में 22 जून को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करना भी शामिल है।

दोनों देशों को मिलकर काम करना जरूरी: टॉड यंग - रिपब्लिकन सांसद टॉड यंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा अमेरिका और भारत के संबंधों में एक महत्वपूर्ण बिंदु है। अमेरिका की सदन में इंडियाना का प्रतिनिधित्व करने वाले यंग ने कहा कि दोनों देशों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना जारी रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वहभारत में अपने समकक्षों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं।

भारतीय जानते हैं अपनी समस्याएं: जॉन कॉर्निन - सीनेट इंडिया कॉकस के सह-अध्यक्ष व रिपब्लिकन सांसद जॉन कॉर्निन ने इंडिया आइडिया के शिखर सम्मेलन में एक पैनल चर्चा में भाग लेते हुए आशा व्यक्त की कि राजकीय यात्रा से भारत-अमेरिका के पुनर्गठन में तेजी आएगी। उन्होंने कहा कि हमने इतिहास के बारे में बात की है। आप वापस नहीं जा सकते हैं और इतिहास को दोबारा नहीं बना सकते हैं। लेकिन हम यह पहचान सकते हैं कि मौजूदा खतरे वास्तविक हैं। उन्होंने दिल्ली की साल 2021 के नवंबर में की गई अपनी यात्रा को याद करते हुए कहा कि मैं भारत में एक वरिष्ठ अधिकारी के साथ दौरा कर रहा था। इस दौरान मैंने कहा कि हम चिंतित हैं कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) ताइवान में क्या कर सकता है। इसपर भारतीय सांसद ने कहा था कि हमें ताइवान से नहीं चीन से समस्या है। उन्होंने कहा कि इसलिए मुझे लगता है कि चीन के साथ चल रहे सीमा युद्ध को लेकर भारत की चिंताएं सही हैं। कॉर्निन ने कहा कि उनका मानना है कि उन्हें अपनी अर्थव्यवस्था को अधिक अमेरिकी निवेश के लिए खोलने और हमारे साथ काम करने से लाभ होगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह यात्रा हमारे एक साथ बढ़ने का बहुत महत्वपूर्ण प्रतीक है। भारत अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखना चाहता है और वे ऐसा करेंगे क्योंकि उनके पास हमेशा से है। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक सकारात्मक संकेत है। वहीं, सांसद मार्क वार्नर ने कहा कि भारतीय अधिकारियों ने उन्हें बताया है कि यूक्रेन पर आक्रमण करने वाले रूस के सैनिकों की तुलना में चीन के पास भारतीय सीमा पर अधिक खतरनाक सैनिक हैं।

न्यूज ब्रीफ

बुद्ध प्रतिमाएं तोड़ने वाला तालिबान उन्हीं से कर रहा कमाई: अधिकारी बोला- पहले जो कुछ हुआ उसका अब जिक्र करने का कोई मतलब नहीं

काबुल। आर्थिक तंगी से जूझ रहा तालिबान अब बुद्ध की उन मूर्तियों को देखने के लिए टिकट बेच रहा है,

जिन्हें 22 साल पहले तालिबानी अधिकारियों ने ही तुड़वा दिया था। द वॉशिंटन पोस्ट की रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है। बताया गया है कि अफगानिस्तान के बामियान इलाके में बुद्ध की मूर्तियां टूरिज्म के जरिए कमाई का जरिया बन रही हैं। तालिबान के कल्चर मिनिस्टर अतीकुल्लाह अजीजी ने कहा बामियान और बुद्धा हमारी सरकार के लिए भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने की दुनिया के लिए ये महत्वपूर्ण हैं। इनकी सुरक्षा के लिए एक हजार गार्ड नियुक्त किए गए हैं। ये इलाके में टिकट की भी निगरानी कर रहे हैं। सूचना और सांस्कृतिक विभाग के निदेशक सैफुर्रहमान मोहम्मदी ने कहा- दो दशक पहले हुई घटना के बारे में अभी बात करने से कोई मतलब नहीं है। अब आगे बढ़ने का समय है। बामियान अफगानिस्तान के सबसे गरीब प्रांतों में शामिल है। हिंदुकुश की पहाड़ियों के बीच बसे बामियान के ज्यादातर लोग सिर्फ आलू की खेती और कोयले के खनन पर निर्भर हैं। यूनेस्को ने 2003 में बामियान को ऐतिहासिक स्थल का दर्जा दिया था। अब बुद्ध की मूर्तियों की खाली जगह के सामने बंदूकधारी गार्ड तैनात हैं। यहां अफगान पर्यटकों के लिए 3 रुपए और विदेशी पर्यटकों के लिए 282 रुपए का टिकट रखा गया है। यहां पर 2015 के बाद से लेजर शो होता है। पिछले साल 2 लाख से भी ज्यादा अफगान पर्यटक बामियान पहुंचे थे। इनमें से हर व्यक्ति ने औसत 5 हजार रुपए खर्च किए थे। अफगानिस्तान की मौजूदा तालिबान सरकार सत्ता में आने के बाद से बामियान को विकसित करने में जुटी है।

जासूसी उपग्रह प्रक्षेपण फेल होने से आगबबूला उत्तर कोरिया, अधिकारियों की लगाई क्लास

सोल । उत्तर कोरिया की ओर से सेना की शक्ति को मजबूती देने के लिए किया गया पहला जासूसी उपग्रह का प्रक्षेपण हाल ही में असफल हो गया था। इसका प्रक्षेपण उसने प्रतिद्वंद्वी दक्षिण कोरिया के साथ ही अमेरिकी सैन्य अभ्यासों पर निगरानी के लिए किया था। अब एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि हाल ही में हुए फेल प्रक्षेपण को लेकर एक हाई लेवल की बैठक हुई, जिसमें उत्तर कोरिया ने अपने अधिकारियों की अच्छी क्लास लगाई है। बताया जा रहा कि उत्तर कोरिया की सत्तारूढ़ पार्टी ने एक उच्च स्तरीय बैठक में इस असफल प्रक्षेपण की एक उच्च स्तरीय बैठक में निंदा की। इस बैठक में जिम्मेदार अधिकारियों की कड़वी आलोचना भी की गई। बता दें, उत्तर कोरिया ने 31 मई को अपने पहले सैन्य जासूसी उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने का प्रयास किया, लेकिन उपग्रह को ले जा रहा राकेट यलो सागर में जा गिरा। इसके पीछे इंजन में आई खराबी को कारण बताया जा रहा है। उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह जितनी जल्द हो सके फिर से इस उपग्रह का प्रक्षेपण करेगा। कोरिया की वर्कर्स पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक की रिपोर्ट में सत्तारूढ़ दल ने उन अधिकारियों की तीखी आलोचना की, जिन्होंने गैर-जिम्मेदाराना तरीके से उपग्रह प्रक्षेपण की तैयारी की थी।

श्रीलंका दौरे पर एक साथ पहुंची भारतीय सबमरीन और पाकिस्तानी जहाज

कोलंबो। भारतीय सबमरीन वागिर ने सोमवार से चार दिवसीय श्रीलंका दौरे की शुरुआत की है। खास बात ये है कि पाकिस्तानी नौसेना का जहाज पहले से ही श्रीलंका के बंदरगाह पर मौजूद है। भारतीय उच्चायोग ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर ग्लोबल ओसीन थीम रिंग कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारतीय सबमरीन श्रीलंका पहुंची है। भारतीय सबमरीन के कमांडर दिवाकर एस. हैं, जो श्रीलंकाई नौसेना के वेस्टर्न नेवल एरिया के कमांडर रियर एडमिरल सुरेश डी सिल्वा से मुलाकात करेंगे। भारतीय सबमरीन के श्रीलंका दौरे के दौरान स्कूली बच्चे और आम लोग भी जहाज को देख सकेंगे। उच्चायोग ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विवेकानंद कल्चरल सेंटर कोलंबो बंदरगाह पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन करेगा, जिसमें भारतीय और श्रीलंका नेवी के अधिकारी और कर्मचारी शिरकत करेंगे। बता दें कि इससे पहले भारत के नेवल शिप दिल्ली, सुकन्या, किल्टन और सावित्री भी श्रीलंका का दौरा कर चुके हैं। भारत और श्रीलंका के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए ही भारतीय नेवल जहाज श्रीलंका के दौरे पर जाते हैं। वहीं पाकिस्तानी नौसेना का जहाज टीपू सुल्तान भी रविवार को कोलंबो बंदरगाह पहुंच चुका है। 134 मीटर लंबे पाकिस्तानी नौसेना के जहाज पर 168 लोग सवार हैं। पाकिस्तानी जहाज का श्रीलंका दौरा भी दोनों देशों के बीच समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से हो रहा है।

ग्रीस बोट हादसा- 300 पाकिस्तानियों की मौत के बाद 9 गिरफ्तार

गैर-कानूनी तरीकों से यूरोप भेजने का आरोप; शाहबाज बोले- दोषियों को कड़ी सजा देंगे

इस्लामाबाद ।
ग्रीस के पास 14 जून को नाव डूबने की घटना में पाकिस्तान के 300 लोगों की मौत हुई है। पाकिस्तान की लोकल मीडिया ने ये जानकारी दी है। नाव में पाकिस्तान के 400, मिस्त्र के 200, सीरिया के 150 लोग सवार थे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने हादसे में पाकिस्तानी नागरिकों की मौत पर दुख जताया है।

उन्होंने कहा- मानव तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। ये एक जघन्य अपराध है। इसके बाद पाकिस्तान ने पीओके से 9 मानव तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन पर गैर-कानूनी तरीकों से पाकिस्तान के लोगों को यूरोप पहुंचाने की कोशिश करने के आरोप हैं। पाकिस्तान ने लोगों की मौत पर राष्ट्रीय शोक रखा है। पाकिस्तान के लोगों को जानबूझकर मरने के लिए नाव के नीचे वाले हिस्से में भेजा।

शाहबाज शरीफ ने ग्रीस में पाकिस्तान की ऐंबैसी के हवाले से बताया है कि बोट हादसे में बचाए गए 12 लोग पाकिस्तान के भी हैं। हालांकि, अभी तक सरकार की तरफ से मरने वालों की संख्या नहीं बताई गई है। वहीं, बोट में 400 से 750 लोग मौजूद थे। इनमें 200 से ज्यादा पाकिस्तान के थे। अभी तक 78 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। जबकि 500 लोग लापता हैं।

माना जा रहा है कि इनमें से किसी के भी जिंदा बचने की उम्मीद नहीं है। वहीं, द गार्जियन ने हादसे में जिंदा बचे लोगों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान के लोगों जानबूझकर नाव के नीचे वाले इलाके डॉक में भेजा गया, जहां बचने की संभावना न के बराबर होती है। बोट में मौजूद लोगों ने ऐसा जानबूझकर किया।

तस्करों को यूरोप पहुंचाने के लिए दिए थे 6 लाख रुपए

पाकिस्तान के अधिकारियों के मुताबिक पीओके के तस्कर लोगों को यूरोप भेजने का सपना दिखाकर उन्हें पहले लीबिया भेजते हैं। फिर बोट के जरिए गैर-कानूनी तरीकों से उन्हें यूरोप में घुसाने की कोशिश की जाती है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक एक तस्कर पाकिस्तान के गुजरात से भी पकड़ा गया है। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक तस्करी कराने वाले एजेंट्स ने लोगों से 6 लाख रुपए लिए थे। सियालकोट के एक व्यक्ति ने बताया कि उनका बेटा एक महीने पहले एजेंट को 6 लाख रुपए देकर इटली के लिए निकला था। अब उसका कुछ पता नहीं चल पा रहा है। वहीं, उनसे पैसे लेने वाला एजेंट भी गायब है।

2015 के बाद का सबसे बड़ा हादसा

संयुक्त राष्ट्र संघ की एक एजेंसी (इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन) के मुताबिक ग्रीस के पास 14 जून को नाव पलटने से हुआ हादसा 2015 के बाद का सबसे बड़ा हादसा है। 2015 में लिबिया से इटली जा रही नाव पलटने से 1100 लोगों की मौत हो गई थी। इस तरह की घटनाओं के बावजूद लोग जान जोखिम में डालकर बेहतर जिंदगी की तलाश में यूरोप जाते हैं। ट्यूनिशिया की अथॉरिटीज के मुताबिक 2023 के पहले 3 महीनों में वो गैर-कानूनी तरीके से यूरोप जाने वाले 13 हजार प्रवासियों की नाव को इंटरसेप्ट कर चुके हैं। 14 जून को डूबी नाव का नाम लकी सेलर बताया जा रहा है।

ग्रीस पर लापरवाही के आरोप

ग्रीस के पास बोट हादसे के बाद वहां के कोस्टगार्ड्स पर लापरवाही के आरोप लग रहे हैं। रिपोर्ट में सामने आया है कि नाव डूबने से पहले कई घंटों तक एक जगह पर ही खड़ी हुई थी। जबकि ग्रीस के कोस्टगार्ड्स का कहना है कि वो लगातार आगे बढ़ रही थी। इसके चलते उन्हें कोई खतरा महसूस नहीं हुआ। वहीं, नाव के मालिक ने बताया कि उसके डूबने के खतरे के बीच कोस्ट गार्ड को अप्रोच किया था। इसकी पुष्टि लॉग बुक से भी हो रही है। हालांकि कोस्ट गार्ड का हेलीकॉप्टर उन्हें खाने का सामान और पीने का पानी देकर लौट गया है।

अमेरिका में पार्टी के दौरान हुई मास शूटिंग

एक टीनएजर की मौत, 9 घायल; घटनास्थल से पुलिस ने बरामद की कई राइफल

वाशिंगटन ।
अमेरिका के सेंट लूईस में रविवार को मास शूटिंग की घटना हुई। इसमें एक टीनएजर लड़के की जान चली गई, जबकि 9 लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायल हुए लोगों की उम्र 15 से 19 साल के बीच बताई जा रही है। एक 17 साल की लड़की गंभीर रूप से घायल है। वो गोलीबारी से बचने के लिए भागते समय सीढ़ियों से फिसलकर गिर गई। टना अमेरिकी समयानुसार सुबह 1 बजे एक पार्टी के दौरान हुई। पुलिस ने घटना स्थल से कई हथियार बरामद किए हैं। इनमें स्टाइस राइफल और एक हैंडगन भी है।

पुलिस पार्टी के आयोजक को ढूंढ रही - रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस उन लोगों की तलाश कर रही है, जिनके पास उस बिल्डिंग का मालिकाना हक है, जिसमें शूटिंग हुई। साथ ही उन लोगों को भी जिन्होंने पार्टी का आयोजन किया था। सेंट लूईस के मेयर ने कहा कि घटना से उन्हें बहुत दुख पहुंचा है। उन्होंने कहा लगातार बढ़ रही मास शूटिंग की घटनाओं से बच्चों के पास कोई जगह नहीं बची है, जहां वो खेलने जा सकें और अपने दोस्तों के साथ घूम सकें। अमेरिका की आबादी 33 करोड़ और यहां 40 करोड़ गन नागरिकों के बंदूक रखने के मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। स्विट्जरलैंड के स्मॉल आर्म्स सर्वे यानी की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में मौजूद कुल 85.7 करोड़ सिविलियन गन में से अकेले अमेरिका में ही 39.3 करोड़ सिविलयन बंदूक मौजूद हैं। दुनिया की आबादी में अमेरिका का हिस्सा 5प्रतिशत है, लेकिन दुनिया की कुल सिविलियन गन में से 46प्रतिशत अकेले अमेरिका में हैं। अक्टूबर 2020 के गैलप सर्वे के मुताबिक, 44प्रतिशत अमेरिकी वयस्क उस घर में रहते हैं, जहां बंदूकें हैं, इनमें से एक तिहाई वयस्कों के पास बंदूकें हैं। 2019 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 63 हजार लाइसेंस्ड गन डीलर थे, जिन्होंने उस साल अमेरिकी नागरिकों को 83 हजार करोड़ रुपए की बंदूकें बेची थीं। अमेरिका 231 साल बाद भी अपने गन कल्चर को खत्म नहीं कर पाया है। इसकी दो वजहें हैं। पहली- कई अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर वहां के राज्यों के गवर्नर तक इस कल्चर को बनाए रखने की वकालत करते रहे हैं।

अमेरिका में चूहों ने किया नाक में दम, कुत्ते-बिल्लियों के जरिए लोगों ने छेड़ी लड़ाई

वाशिंगटन ।
इन चूहों ने लोगों को परेशान कर रखा है। इसकी वजह से शहरवासियों ने एक अभियान शुरू किया है। उन्होंने चूहों को पकड़ने के लिए बिल्ली और कुत्तों को पालना शुरू किया है। एक साप्ताहिक रैटिंग अभियान के अनुसार एक दर्जन मनुष्यों के शिकारी जानवरों ने चूहों को काफी हद तक कम करने में मदद की है। वहीं, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया ने एक सूची बनाई है, जिसमें पांच ऐसे शहरों को रखा है, जहां चूहों की वजह से खराब हालात बने हुए हैं। कहा जा रहा है कि कोरोना महामारी के बाद बाहर भोजन करने वालों की संख्या में इजाफा हुआ तो वहीं चूहे भी बढ़ गए हैं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 2022 में चूहों से परेशान होकर करीब 13,400 फोन किए गए थे। वहीं, ये संख्या एक साल पहले महज दो हजार थी। चूहों की बढ़ती आबादी शहर में चारों ओर कचरा फैला रहे हैं। इतना ही नहीं, मूत्र के साथ मिश्रित कचरे की दुर्गंध हवा ने भी लोगों को परेशान कर रखा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जब चूहों को पकड़ने के लिए शहर में अभियान शुरू हुआ तो छोटे से

लेकर बड़े तक अपने कुत्तों के साथ इससे जुड़ गए। वहीं, कुछ लोग सोशल मीडिया के माध्यम से भी जुड़े हैं। एक 60 वर्षीय रिटायर्ड पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने जैसे ही सुना कि चूहों से निपटने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है तो वह भी इसमें शामिल हो गए। वे अपने कुत्ते केयर्न टेरियर बार्टो के साथ इस समूह का हिस्सा बने हैं। अधिकारी ने बताया कि चूहे इतने खतरनाक हो गए है कि वे कुत्तों को देखकर भागते नहीं है, बल्कि उनका सामना करते हैं। उन्होंने कहा जब हमने पहली बार शिकार किया तो चूहे भागे नहीं। वे सिर्फ कुत्तों को देखते रहे। हालांकि, इस बीच एक अच्छी बात ये हुई है कि जो कुत्ते एक दूसरे को जानते भी नहीं हैं ।

सुनक ने जेलेंस्की को खिलाई अपनी मां की बनाई बर्फी: ब्रिटिश पीएम ने मई की मुलाकात का वीडियो शेयर किया, बोले- मां बहुत खुश हुई

लंदन।
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वे अपनी मां के हाथ की बनी बर्फी यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ शेयर करते नजर आ रहे हैं। ये वाकया एक महीने पहले का है, जब जेलेंस्की ने लंदन में सुनक से मुलाकात की थी। ये वीडियो खुद ऋषि सुनक ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उन्होंने इस पर कैप्शन दिया- 'ऐसा हर रोज नहीं होता जब यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की आपकी मां की बनाई मिठाई खाएं।'

बताया किस्सा

इस वाकये के बारे में सुनक ने बताया। उन्होंने कहा 'मेरी मां ने एक भारतीय मिठाई बर्फी बनाई थी, जिसे वो मुझे खिलाना चाहती थीं। मां ने मिलकर मैंने ये मिठाई ली। अगले सोमवार जब मैं राष्ट्रपति जेलेंस्की से मिला तो उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें भूख लगी है। तब मैंने उन्हें मां की बनाई बर्फी खिलाई। ये देखकर मेरी मां बहुत खुशी हुई।

लोगों ने की सुनक की तारीफ

ऋषि सुनक के ये वीडियो पोस्ट करने के बाद लोगों ने कमेंट में उनकी तारीफ की। एक यूजर ने लिखा कि ये वीडियो बहुत क्यूट है। मां की बनाई बर्फी से हम सभी की यादें जुड़ी हैं। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा- शेयरिंग और केयरिंग- पीएम होने से ज्यादा जरूरी है इंसान होना। हालांकि कुछ लोगों ने नेगेटिव कमेंट्स भी किए। एक व्यक्ति ने कहा- अच्छा, अब हम न सिर्फ यूक्रेन को फंड में अरबों पाउंड दे रहे हैं, बल्कि आप उन्हें अपनी मां की बनी बर्फी भी खिला रहे हैं। दूसरे यूजर ने लिखा- अच्छा होता कि आप जेलेंस्की को सिर्फ बर्फी ही खिलाते। एक झूठी जंग को जारी रखने के लिए पैसे और हथियार न देते, वो भी तब जब आपके देश के लोग टैक्स के बोझ तले दबा जा रहा है।

मई में सुनक से मिलने ब्रिटेन आए थे जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की 15 मई को ऋषि सुनक से मिलने के लिए ब्रिटेन पहुंचे थे। फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन जंग शुरू होने के बाद यह जेलेंस्की का दूसरा ब्रिटेन दौरा था। मुलाकात के दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने यूक्रेन को सैन्य और आर्थिक मदद देने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, यह तय किया गया कि ब्रिटेन की तरफ से यूक्रेन को एयर डिफेंस मिसाइल और अटैक के लिए लंबी रेंज वाले ड्रोन दिया जाएग। इस मुलाकात और मदद के वादों को लेकर जेलेंस्की ने सुनक को शुक्रिया कहा था। उन्होंने कहा- हम दिल से आभार व्यक्त करते हैं। पूरे यूक्रेन की तरफ से, हमारे सैनिकों की तरफ से, हम आभारी हैं। यहां होना सौभाग्य की बात है।

कनाडा में खालिस्तानी आतंकी की हत्या

बाइक पर आए हमलावर, पार्किंग में मारी गोलियां; खालिस्तान टाइगर फोर्स का चीफ था हरदीप निज्जर

सरे ।
खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा में गोली मारकर हत्या कर दी गई। निज्जर आतंकी संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स का चीफ था। वह कनाडा में रहकर लंबे समय से पंजाब में खालिस्तानी मूवमेंट को हवा दे रहा था। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, निज्जर को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया के सरी स्थित गुरुनानक सिख गुरुद्वारा के पास 2 अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारी। निज्जर इस गुरुद्वारे का प्रधान भी था।

बीती रात आतंकी निज्जर गुरुद्वारे से बाहर पार्किंग में अपनी कार में था। इसी दौरान 2 युवक मोटरसाइकिल पर आए और फायरिंग शुरू कर दी। निज्जर को कार से बाहर निकलने तक का समय नहीं मिला और वहीं उसकी मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, कनाडा पुलिस ने इस मामले में 2 पंजाबी और एक चीनी युवक को पकड़ा है। हालांकि, इसकी औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वह आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के मुखी गुरपतवंत सिंह पन्नू का करीबी भी था। एनआईए ने हाल ही में 40 आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, उसमें भी निज्जर का नाम था। ब्रैंपटन शहर में खालिस्तान के हक में रेफरेंडम करवाने में भी उसकी भूमिका थी। एनआईए ने उसके खिलाफ आतंकी साजिश रचने को लेकर चार्जशीट दायर की है। उसे भगोड़ा भी करार दिया गया था।

कनाडा बैठा निज्जर चला रहा था केटीएफ, डल्ला उसी का सहयोगी

खालिस्तान टाइगर फोर्स का चीफ हरदीप सिंह निज्जर कनाडा में बैठकर संगठन को ऑपरेट कर रहा था। सितंबर 2020 में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हरदीप निज्जर को आतंकवादी घोषित कर दिया था। इसके बाद निज्जर की जालंधर के भार सिंह पुरा गांव में संपत्तियां भी कुर्क की थीं। इसी गांव में

निज्जर ने पुजारी का कत्ल कराया था।

इसके जरिए वह पंजाब में धार्मिक उन्माद फैलाने की फिराक में था। एनआईए ने निज्जर पर 10 लाख रुपए का इनाम भी घोषित किया था। पंजाब में पुलिस के मोहाली स्थित इंटेलिजेंस हेडक्वार्टर और कई पुलिस थानों पर ग्रेनेड अटैक करवाने वाला अर्शदीप डल्ला भी उसी का सहयोगी है।

कुछ दिन पहले एनआईए ने पंजाब-हरियाणा में की थी रेड

निज्जर के संगठन खालिस्तान टाइगर फोर्स के मददगारों पर कुछ दिन पहले एनआईए ने पंजाब-हरियाणा में 10 जगहों पर रेड की थी। केटीएफ के लिए फंड जुटाने के अलावा बॉर्डर पार से हथियार, गोला-बारूद और एक्सप्लोसिव की तस्करी की साजिश में शामिल होने के शक में ये रेड की गई थी।

एनआईए को इनपुट मिला था कि केटीएफ पंजाब और हरियाणा में बड़ी वारदातों की तैयारी कर रहा है। जिसमें धमाकों से लेकर टारगेट किलिंग तक शामिल है। उनके प्लान को डीकोड करने पर एनआईए को पता चला था कि कई लोकल लोग उनके लिए फंडिंग कर रहे हैं। कई फंडिंग का जरिया बने हुए हैं। वहीं कई लोग बॉर्डर पार और खासकर पाकिस्तान से हथियारों और विस्फोटकों की तस्करी में मदद कर रहे हैं।

निज्जर के संगठन को 4 महीने पहले आतंकी करार दिया था

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 4 महीने पहले निज्जर के संगठन केटीएफ को आतंकी संगठन करार दिया था। गृह मंत्रालय ने कहा था- खालिस्तान टाइगर फोर्स कट्टरपंथी संगठन है। जिसका मकसद पंजाब में फिर आतंकवाद फैलाना है। पंजाब में टारगेट किलिंग के पीछे भी इस संगठन का हाथ है। गृह मंत्रालय का कहना है कि ये संगठन भारत की क्षेत्रीय अखंडता, एकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को चुनौती देता है।

बीते एक साल में मारे गए खालिस्तानी समर्थक

28 जनवरी 2020 को खालिस्तान लिबरेशन फोर्स के चीफ आतंकी हरमीत सिंह उर्फ हैप्पी की भी गोलियां मार हत्या कर दी गई थी।

20 दिसंबर 2022 को आतंकी हरविंदर रिंदा की पाकिस्तान में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसकी मौत की वजह ड्रग्स ओवरडोज बताया गया।

6 मई को पाकिस्तानी में खालिस्तान समर्थक परमजीत पम्मा की गोली मार हत्या कर दी गई।

खालिस्तानी आतंकी अवतार सिंह खांडा की लंदन के अस्पताल में मौत हो गई थी। उसे पहली स्टेज का ब्लड कैंसर था। इस दौरान यह भी बातें उठी थी कि उसे जहर दिया गया।

बिपरजॉय तूफान : जेएलएन हॉस्पिटल पानी से लबालब, वार्डों में पानी भरा

अजमेर (हि.स)। बिपरजॉय तूफान का प्रभाव अजमेर में पिछले 36 घंटों से लगातार कभी रिमझिम तो कभी तेज बारिश के दौर के रूप में जारी है। मौसम विभाग के अनुसार अजमेर में पिछले चौबीस घंटों में 150 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। अजमेर और तीर्थराज पुष्कर से जुड़े अनेक जलाशय में बरसाती पानी की अच्छी आवक दर्ज की गई है। अजमेर की आनासागर झील में पानी की अधिक आवक के चलते यहां एक इंच की चादर चल रही है। झील का गेट खोल कर पानी की निकासी की जा रही है। झील में पानी की अधिक आवक के कारण जहां पुष्कर रोड तक आवासीय कॉलोनियों में पानी भर गया है वहीं कई निचली बस्तियों में पानी का निकास होना ही बंद हो गया है। अब जब तक आनासागर का जलस्तर कम नहीं होता तब तक बस्तियों व कॉलोनियों से पानी नहीं निकलेगा। अजमेर के ऐतिहासिक जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के वार्डों में पानी भर जाने से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उधर, गढ़ीमालियान स्थित महादेव नगर में ट्रांसफार्मर से करंट प्रवाहित होने पर यहां एस्केप चैनल के नाले से भरे पानी में मौजूद करीब 50 से अधिक सांपों की मौत हो गई। वहीं अनेक जगह सांप सड़कों पर कुचले गए। पुष्कर रोड स्थित एक बरसाती नाले में सांपों का पूरा झुण्ड एक ही गुफा में दिखाई दिया। अजमेर के चहुंओर से निकले वाले नाले उफान पर हैं। लगातार हो रही बारिश से शहर की सड़कें लबालब हो गई है तो वहीं अजमेर का जेएलएन अस्पताल भी पानी में डूबा हुआ नजर

आ रहा है। ड्रेनेज सिस्टम की गड़बड़ी और नालों की सफाई नहीं होने के चलते जेएलएन अस्पताल के वार्डों में पानी भर गया है, जिससे मरीजों को खासी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जेएलएन अस्पताल के ओपीडी, अस्थि रोग विभाग सहित अन्य विभागों में 3 से 4 इंच तक पानी भर गया है। ऐसे में मरीजों को अब अस्पताल प्रशासन आनन-फानन में दूसरे वार्डों में शिफ्ट कर रहा है। साथ ही सिटी स्कैन रूम के बाहर भी जमकर पानी भर गया है, जिससे मरीजों की जांचों में भी समस्याएं आ रही हैं। अस्पताल में भरे पानी से डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ भी परेशान हैं। स्मार्टसिटी प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए के काम होने के बाद भी हॉस्पिटल की स्थिति नहीं सुधरी है। गौरतलब है कि एक दिन पहले ही अस्पताल प्रशासन ने बड़ी-बड़ी बातें करते हुए कहा था कि बिपरजॉय तूफान को लेकर अस्पताल प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट पर है लेकिन रविवार को अस्पताल ही बीमार नजर आया। वहीं बात यदि अजमेर नगर निगम की हो तो नगर निगम महापौर ब्रजलता ने शहर को विभिन्न भागों में बांट कर नालों की सफाई और ड्रेनेज सिस्टम को मजबूत करने की बात कही थी लेकिन एक दिन की बरसात ने अजमेर नगर निगम को भी आईना दिखा दिया है। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. नीरज गुप्ता ने बताया कि जेएलएन अस्पताल में बरसात के समय पानी भरने की समस्या पुरानी है। असल में अस्पताल की बिल्डिंग पुरानी है और आसपास के क्षेत्र ऊंचे हो गए हैं। यही वजह है कि थोड़ी सी बरसात में पानी अस्पताल में घुस जाता है। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के इंजीनियरों का कई बार ध्यान आकर्षित किया गया है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि मौजूदा समय में जो हालात उत्पन्न हुए हैं, उसे देखते हुए जिला प्रशासन से संवाद किया जाएगा। प्रयास होगा कि पुरानी बिल्डिंग के चारों तरफ एक नाले का निर्माण किया जाए ताकि बरसात का पानी अस्पताल में न घुसे। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में जो नई बिल्डिंग बनी है उन्हें ऊंचाई पर बनाया गया है, इसलिए वहां बरसात का पानी नहीं है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट में भी पानी की समस्या के निदान के प्रयास किए जाएंगे। आनासागर का पानी पुष्कर रोड तक आ जाने से हाजिर होता है कि प्रशासन ने बरसात का पूर्व में आकलन नहीं किया। अब आवासीय कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को जो परेशानी हो रही है, उसका जिम्मेदार जिला प्रशासन ही है। 19 जून को भी अजमेर में बरसात का दौर जारी रहा। आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ेंगे। आनासागर के किनारे जो आवासीय कॉलोनियां जलमग्न होंगी, साथ ही शहर के अन्य इलाकों में भी पानी भरा हुआ है। असल में नालों की सफाई नहीं होने की वजह से भी अजमेर में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं।

दरबार साहिब से गुरुबाणी के प्रसारण पर घमासान

चंडीगढ़ (हि.स.)। दरबार साहिब से प्रसारित होने वाली गुरुबाणी को लेकर पंजाब में घमासान मच गया है। गुरुबाणी के मुफ्त प्रसारण के मुद्दे पर पंजाब सरकार तथा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी आमने-सामने हो गए हैं। हरियाणा में अलग गुरुद्वारा कमेटी के गठन में लागू किए गए एक्ट को आधार बनाकर पंजाब सरकार स्टेट गुरुद्वारा एक्ट लागू करने जा रही है। सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक में इस एक्ट के ड्राफ्ट को मंजूरी प्रदान कर दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, सिख गुरुद्वारा एक्ट-1925 के अंतर्गत गठित की गई थी। लेकिन गुरुद्वारा एक्ट-1925 में ब्रॉडकास्ट या लाइव टेलिकास्ट का कोई जिक्र नहीं है। इस कमेटी पर केवल एक परिवार का ही कब्जा रहा है। इसके बाद एक टेलीविजन चैनल खोलकर केवल उसी को प्रसारण के अधिकार दिए गए हैं। भगवंत मान ने कहा कि साल 2012 में 11 साल के लिए सचखंड श्री हरमंदिर साहिब से गुरबाणी के प्रसारण के अधिकार खरीदे गए। इस कारण लोगों को गुरबाणी संबंधित विशेष चैनल लगवाने को मजबूर किया गया। मान ने कहा कि न तो वह गुरुद्वारा एक्ट में संशोधन कर रहे हैं, न ही प्रसारण संबंधी अधिकार किसी सरकारी पक्ष को दिला रहे हैं, न ही उनके किसी रिश्तेदार का चैनल है। उन्होंने कहा कि वह गुरबाणी के प्रचार-प्रसार के लिए खुला अवसर देने के हकदार हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अकाली दल प्रधान सुखबीर बादल के एकाधिकार वाले टीवी चैनल को भी अन्य चैनलों की तरह मुफ्त में प्रसारण की सुविधा दी जाएगी। मान ने कहा कि जुलाई 2023 में बादलों के चैनल के साथ एग्रीमेंट खत्म हो रहा है। यह एक्ट बनाने के लिए पंजाब सरकार ने कई कानूनी विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया है। मान ने कहा कि जो भी टीवी चैनल रोजाना गुरुबाणी का प्रसार करेगा, वह प्रसारण के दौरान किसी प्रकार का विज्ञापन नहीं देगा। इसके अलावा प्रसारण से पहले और बाद में भी विज्ञापन नहीं दिखाया जाएगा। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए शिरोमणि कमेटी प्रधान एचएस धामी ने कहा कि पंजाब सरकार के पास गुरुद्वारा एक्ट में बदलाव करने व संशोधन का कोई अधिकार नहीं है। यह केवल लोगों को गुमराह करने के लिए किया जा रहा है। यह अधिकार क्षेत्र केंद्र सरकार का है।

जींद में कौशल विकास से ही राष्ट्र का विकास संभव : वशिष्ठ

जींद (हि.स.)। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में सोमवार को कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में एडीसी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ, नप अध्यक्ष प्रतिनिधि डा. राज सैनी, जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि कुलदीप रंधावा, नगर पार्षद, जिला पार्षदों सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शिरकत की। सर्वप्रथम प्रधानाचार्य अनिल कुमार गोयल ने आईटीआई जींद की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। अतिरिक्त उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने कहा की कौशल विकास से ही देश व राष्ट्र का विकास संभव है। उन्होंने छात्रों को अनुशासित जीवन जीने की भी प्रेरणा दी। अनुदेशिका कोमल वर्मा ने कार्यशाला में जिला जींद की आईटीआई में चल रही ट्रेड के रोजगार और दाखिले से संबंधित जानकारी देते हुए कहा कि आईटीआई रोजगार के मामले में सर्वाधिक लाभकारी सिद्ध होती है और आईटीआई में इलेक्ट्रीशियन, फिटर, कंप्यूटर ऑपरेटर, वेल्डर, स्विंग टेक्नोलॉजी, ड्रेस मेकिंग, हिंदी स्टेनो, इंग्लिश स्टेनो, मशीनिस्ट, टर्नर, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग टेक्नीशियन, इलेक्ट्रोनिक मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, ऑटोमोबाइल मैकेनिक, पलम्बर, बेसिक कॉस्मेटोलॉजी, इंटीरियर डेकोरेटर, कारपेंटर, ट्रैक्टर मैकेनिक आदि ट्रेड हैं। कुछ कंपनियों से हमारी आईटीआई का साझेदारी का संबंध जुड़ा हुआ है। उन सभी कंपनी में विद्यार्थियों का प्रैक्टिकल वर्क होता है। अनुदेशिका कोमल वर्मा ने आईटीआई में दाखिला लेने की प्रक्रियाओं से अवगत करवाया और उनको लाइब्रेरी, कंप्यूटर सिखाना, रोजगार दिलाना तथा सॉफ्ट स्किल आदि की ट्रेनिंग दिलाने इत्यादि की मुफ्त सुविधाएं भी हैं। प्रधानाचार्य अनिल कुमार गोयल ने कहा कि प्लेसमेंट को लेकर भी आईटीआई प्रबंधन कृतसंकल्प है।

राधाकृष्ण मंदिर में वार्षिक भंडारे का आयोजन

सांबा (हि.स.)। विजयपुर कस्बा के वार्ड नंबर 3 में स्थित राधा कृष्ण के मंदिर में सोमवार को वार्षिक भंडारे का आयोजन किया गया। इसकी जानकारी मंदिर के पुजारी मोहन लाल शर्मा, जोगिंदर शर्मा और सदस्यों ने दी। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी राधाकृष्णन के मंदिर में स्थापना दिवस के मौके पर वार्षिक भंडारा किया गया।जिसमें लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया और मंदिर में माथा टेका और प्रसाद ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि इस स्थान पर माथा टेकने से घर परिवार में सुख-शांति बनी रहती है और हर मनोकामना पूरी होती है। यही कारण है कि आज लोगों ने इस पावन मौके पर बढ़ चढ़कर भाग लिया और माथा टेका ओर भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

पूर्व सीएम बादल को दी श्रद्धांजलि

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र सोमवार से शुरू हो गया। सदन में पहले दिन प्रमुख दिवंगत राजनीतिक शख्सियतों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीद, खिला?यों और ओडिशा रेल हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। 16वीं विधान सभा के चौथे सत्र की बैठक के दौरान सदन ने पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, पूर्व मंत्री चौधरी सवरना राम, पूर्व डिप्टी स्पीकर जसवंत सिंह, पूर्व विधायक रुमाल चंद, स्वतंत्रता संग्रामी उजागर सिंह, शहीद मनदीप सिंह हवलदार, शहीद कुलवंत सिंह चड़िक्क, शहीद सिपाही हरकृष्ण सिंह और शहीद सिपाही सेवक सिंह, प्रसिद्ध खिलाड़ी कौर सिंह और किरण अजीत पाल सिंह, प्रसिद्ध अदाकार मंगल ढिल्लों और शहीद नायब सूबेदार बलबीर सिंह राणा को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने संबंधित परिवारों को सदन की तरफ से शोक संदेश भेजने संबंधी प्रस्ताव पेश किया, जिसको सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।

भीलवाड़ा के सकरिया का खेड़ा में गारनेट ब्लॉक की ई नीलामी की तैयारी : वीनू गुप्ता

जयपुर (हि.स.)। रत्न व्यवसाय में देश दुनिया में विख्यात जयपुर के लिए माइंस विभाग से एक और अच्छी खबर है। राज्य के माइंस विभाग द्वारा भीलवाड़ा के सकरिया का खेड़ा में गारनेट खनिज ब्लॉक का कंपोजिट लाइसेंस जारी करने के लिए ई नीलामी की कार्रवाई की आवश्यक औपचारिकताओं को अंतिम रुप दिया जा रहा हैं। माइंस विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव वीनू गुप्ता ने बताया कि टोंक, अजमेर और भीलवाड़ा में गारनेट खनिज भण्डारों की उपलब्धता, गुणवत्ता और संभावित डिपोजिट के आकलन के लिए विभाग या आरएसएमईटी के माध्यम से अगले स्तर का एक्सप्लोरेशन करवाया जाएगा। गौरतलब है कि राज्य से गारनेट का एक्सपोर्ट भी किया जाता है। गारनेट के नए डिपोजिट्स के आकलन एवं खनन से प्रदेश से गारनेट के निर्यात में बढ़ोतरी होने के साथ ही विदेशी मुद्रा का अर्जन होगा। गुप्ता ने बताया कि भीलवाड़ा के सकरिया का खेडा गारनेट ब्लॉक के कंपोजिट लाइसेंस के लिए ई नीलामी की अनुमति भारत सरकार से प्राप्त हो गई है। उन्होंने बताया कि अब आवश्यक औपचारिकताओं को पूरा कर इस माह के अंत या जुलाई माह के पहले पखवाड़े तक ई नीलामी की कार्यवाही के

लिए भारत सरकार के ई पोर्टल पर निविदा जारी कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि भीलवाड़ा के सकरिया का खेडा में करीब 122.27 हैक्टेयर क्षेत्र में गारनेट के भण्डार संभावित है जिसके लिए कंपोजिट लाइसेंस के लिए ई नीलामी की जाएगी। गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के टोंक जिले के देवली के आसपास के क्षेत्र के साथ ही अजमेर और भीलवाड़ा में गारनेट के भण्डार के संकेत मिले हैं। आजादी के पहले से ही प्रदेश में गारनेट खनिज की संभावनाओं और खनन का छिटपुट कार्य होता रहा है। अब व्यापक सर्वेक्षण के आधार पर टोंक, अजमेर और भीलवाड़ा में गारनेट के भण्डार मिलने के बाद और एक्सप्लोरेशन कराने पर जोर दिया जा रहा है ताकि संभावित डिपोजिट का आकलन किया जा सके और इससे माइनिंग लीज के ऑक्शन में स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा और बेहतर राजस्व प्राप्त हो सके। गुप्ता ने बताया कि कांस्य युग से पहचान और पसंद रखने वाले गारनेट की मुख्य रुप से रत्न के रुप में पहचान है। दुनिया के अधिकांश देशों में गहनों के साथ ही रत्न के रुप में गारनेट की अच्छी मांग रही है। यह पारदर्शी और अपारदर्शी दोनों ही तरह का मिलता है। पारदर्शी गारनेट की रत्न व्यवसाय क्षेत्र में उसकी गुणवत्ता और कैरट के आधार पर काफी अच्छी मांग हैं वहीं रत्न के साथ साथ गारनेट का अन्य उपयोग भी कांस्य युग से किया जाता रहा है। इसका कांच, कठोर रबड़, लड़की, आदि को पीसने, घिसने, कागज, कपड़ा, डिस्क आदि में उपयोग के साथ ही पाउडर के रुप में लेपिंग के लिए इसका उपयोग किया जाता है। मोटे रुप में समझा जाए तो सामान्य रेजमार से लेकर रत्न कारोबारियों तक गारनेट की मांग है। उन्होंने बताया कि इससे गारनेट का वैध खनन, रोजगार और राजस्व की बढ़ोतरी होगी। इसके साथ ही प्रदेश से गारनेट का एक्सपोर्ट बढ़ने के साथ ही विदेशी मुद्रा भी अर्जित होगी।

पुलिस के विभिन्न कोषों के लिए दस करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान

जयपुर (हि.स.)। राजस्थान पुलिस के विभिन्न कोषों के लिए 10 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में प्रस्ताव को मंजूरी दी है। प्रस्ताव के अनुसार, राजस्थान पुलिस हितकारी निधि में 2 करोड़ रुपए, राजस्थान पुलिस सेन्ट्रल स्पोर्ट्स फण्ड, राजस्थान पुलिस कल्याण निधि व उत्सव फण्ड में एक-एक करोड़ रुपए तथा स्टेशनरी के लिए 5 करोड़ रुपए का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

गिरफ्तार नशा तस्कर के पास से नशीले पदार्थों की बड़ी खेप बरामद

सोपोर (हि.स.)। बारामूला जिले के सोपोर इलाके से एक गिरफ्तार नशा तस्कर के पास से पुलिस ने नशीले पदार्थों की एक बड़ी खेप बरामद की है। गिरफ्तार व्यक्ति दिल्ली, पंजाब और अन्य राज्यों से कश्मीर घाटी में ड्रग्स ले जा रहा था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) सोपोर शब्बीर नवाब ने बताया कि उन नशा तस्करों पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जो दूसरे राज्यों से कश्मीर घाटी में ड्रग्स की आपूर्ति करने में शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सोपोर में अब नशीली दवाओं की गतिविधियों में भारी गिरावट देखी जा रही है। एसएसपी ने बताया कि इसी साल 10 मई को पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग संग्रामा में एक नाका चेकिंग के दौरान एक वाहन को रोका। इस वाहन से कुख्यात नशा तस्कर खुशाल कॉलोनी तुलीबल निवासी अल्ताफ अहमद सोफी को पकड़ा। पूछताछ के दौरान अल्ताफ अहमद ने कबूल किया कि श्रीनगर का एक व्यक्ति उत्तरी कश्मीर के लिए नशीले पदार्थ की आपूर्ति कर रहा है। उन्होंने बताया कि 15 जून को वडूरा पयीन में नाके के दौरान पुलिस ने परवेज अहमद भट निवासी उमराबाद एचएमटी श्रीनगर को पकड़ा, जो सोपोर से वडूरा की ओर आ रहा था। उसके पास से तलाशी के दौरान कोडीन फॉस्फेट की 12 बोतलें और कोलोरफेनीरामाइन मैलेट सिरप कोडेनेक्स्ट सिरप बरामद किया गया। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट पुलिस थाना बोमई में मामला दर्ज किया गया था। एसएसपी ने कहा कि आगे की पूछताछ के दौरान यह सामने आया कि परवेज दिल्ली, पंजाब और अन्य राज्यों से प्रतिबंधित पदार्थों को कश्मीर ले जाता था। उन्होंने कहा कि सोपोर पुलिस ने परवेज के पास से 350 बोतल प्रतिबंधित पदार्थ बरामद की। उन्होंने कहा कि परवेज ने घाटी के साथ-साथ अन्य राज्यों के कुछ और आपूर्तिकर्ताओं के नामों का भी खुलासा किया है। एसएसपी ने कहा कि हम आने वाले दिनों में ड्रग्स के एक बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने की कोशिश कर रहे हैं।

पंजाब पुलिस ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा जांचने को चलाया अभियान

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब पुलिस ने धार्मिक स्थानों पर पुख्ता सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सूबे में गुरुद्वारों, मंदिरों, चर्चों और मस्जिदों में दो दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान चलाया। इसका उद्देश्य धार्मिक संस्थाओं और सुरक्षा प्रबंधों का जायज़ा लेना और यह सुनिश्चित करना था कि इन संस्थाओं में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जो पूरी तरह काम कर रहे हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि 28 पुलिस जिलों में धार्मिक स्थलों के परिसरों में शनिवार व रविवार को जांच की गई। स्पेशल डीजीपी लॉ एंड आर्डर अर्पित शुक्ला ने बताया कि पुलिस उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को हिदायत की गई है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में पड़ते सभी धार्मिक स्थलों, जिनमें मंदिर, गुरुद्वारे, चर्चें और मस्जिदें शामिल हैं, का दौरा करने के लिए अपेक्षित संख्या में टीमें तैनात करें। इसके साथ ही पुजारियों और प्रबंधक कमेटियों के सदस्यों के साथ सुरक्षा समीक्षा मीटिंगें करें। उन्होंने कहा कि राजपत्रित स्तर के अधिकारियों को महत्वपूर्ण धार्मिक समूहों मसलन सत्कार कमेटियों और शिव सेना नेताओं के साथ मीटिंगें करने के लिए भी कहा गया था। इस दौरान 698 पुलिस टीमों ने धार्मिक स्थलों की चेकिंग की। इनमें 4000 से अधिक पुलिस कर्मचारी शामिल थे। उन्होंने राज्य भर में 16 हजार 118 गुरुद्वारों, 4263 मंदिरों, 1930 चर्चों और 777 मस्जिदों की चेकिंग की। स्पेशल डीजीपी अर्पित शुक्ला ने समूह गुरुद्वारों, मंदिरों, चर्चों और मस्जिदों की प्रबंधक कमेटियों को भी अपील की कि वे अपने-अपने धार्मिक संस्थाओं में किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए हमेशा चौकस रहें।

गडकरी सौपेंगे 890 करोड़ से निर्मित 11 फ्लाईओवर

सोनीपत (हि.स.)। भाजपा सांसद रमेश कौशिक ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-44 को दिल्ली से पानीपत तक आठ लेन बनाने के पूर्ण हो चुके कार्य के दूसरे चरण में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी 30 किलोमीटर सड़क मार्ग के साथ नवनिर्मित 11 फ्लाईओवर जनता को समर्पित करेंगे। लगभग 890 करोड़ रुपए से तैयार हुए हैं। जनसभा में फ्लाईओवर लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल करेंगे। सांसद कौशिक ने बताया कि 20 जून को सोनीपत की नई अनाज मंडी में गौरव भारत रैली होगी। दिल्ली के मुकरबा चौक से पानीपत तक बनाए गए 8 लेनमार्गी राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के शेष 30 किलोमीटर की लंबाई वाले सड़कमार्ग व 11 फ्लाईओवरों को लोकार्पित किया जाएगा। अप्रैल-2022 में इस सड़कमार्ग के 40 किलोमीटर लंबाई वाले सड़कमार्ग को लोकार्पित किया गया था। कुल लंबाई साढे 70 किलोमीटर है। शेष बचे 30 किलोमीटर की लंबाई वाले सड़कमार्ग का निर्माण कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। इसे पूरे सड़क मार्ग का निर्माण कार्य करीब 2331 करोड़ 72 लाख रुपए की लागत आई है। सांसद ने कहा कि अब राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनाए गए 11 फ्लाईओवर सहित शेष बचे 30 किलोमीटर सड़कमार्ग को लोकार्पित किया जाएगा। इस शेष परियोजना पर 890 करोड़ रुपए का व्यय हुआ है। इन फ्लाईओवर में से चार फ्लाईओवर दिल्ली की सीमा में है तथा बाकी हरियाणा की सीमा में है। हरियाणा में सोनीपत जिला की सीमा में

पांच फ्लाईओवर आते हैं जबकि शेष दो फ्लाईओवर पानीपत जिले की सीमा में है। सासंद ने कहा कि दिल्ली की सीमा में बनाए गए फ्लाईओवर में जंक्शन ऑफ अलिपुर पल्ला रोड (शनि मंदिर), आजादपुर फल-सब्जी मार्केट-डीडीए कैमिकल मार्केट जंक्शन तथा नरेला इंडस्ट्रियल एरिया और दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर पर निर्मित फ्लाईओवर शामिल हैं। सोनीपत की सीमा में कुंडली इंडस्ट्रियल एरिया टी-जंक्शन, एचएसआईआईडीसी कुंडली (निफ्टम चौक), बढड़ालसा-पीतमपुरा जंक्शन तथा एचएच-17 (बीसवांमील चौक) और भारतीय अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मार्केट गन्नौर फ्लाईओवर सम्मिलित है। इनके अलावा पानीपत की सीमा में गांव सिवाह छाजपुर एवं न्यू बस स्टैंड पानीपत जंक्शन और बीबीएमबी, एनएफएल-इंडस्ट्रियल एरिया जंक्शन शामिल है।

कांग्रेस ने विभिन्न मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा

सांबा (हि.स.)। जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बबल गुप्ता ने विजयपुर में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए बबल गुप्ता ने माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में सुशासन के खोखले नारे की पोल खोली। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग उम्मीद कर रहे

थे कि अनुच्छेद 370 और 35ए को हटाने के बाद उन्हें राहत मिलेगी लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश वृद्ध/ विधवा/विकलांग पेंशनभोगियों के साथ-साथ छात्रों के लिए स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के लिए लाभार्थियों के लिए कठिन प्रक्रिया बना रहा है। उन्होंने बताया कि विधवा / विकलांग पेंशनरों के संबंध में जांच करना सरकार का कर्तव्य था, सरकार को पंचायत मुख्यालय में शिविर आयोजित करना चाहिए ताकि लाभार्थी आसानी से अपने दस्तावेज / औपचारिकताएं पूरी कर सकें लेकिन जेके सरकार ने ऐसा नहीं किया। इस संदर्भ में कोई कदम नहीं उठाया है और पात्र विधवा/विकलांग व्यक्तियों को समस्या का सामना करने के लिए खींच लिया है। उन्होंने बताया कि पिछले 06 माह से अधिक समय से पेंशन बंद है। उन्होंने बताया कि विधवा/ विकलांग लाभार्थी अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से पेंशन पर निर्भर हैं। बबल गुप्ता ने आगे बताया कि सरकार। सामान्य प्रवेश परीक्षा के माध्यम से उपस्थित होने के लिए स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के इच्छुक छात्रों के लिए योजना/प्रक्रिया भी बनाई है और इस उद्देश्य के लिए संबंधित प्राधिकरण ने जेके यूटी के बाहर परीक्षा केंद्र के माध्यम से परीक्षा आयोजित की है। अधिकांश छात्र वित्तीय समस्याओं के साथ-साथ संचार समस्याओं की कमी के कारण सामान्य प्रवेश परीक्षा में शामिल नहीं हो सके। प्रशासन का यह कर्तव्य था कि वह यूटी के अपने जिलों के भीतर परीक्षा आयोजित करे ताकि प्रत्येक छात्र परीक्षा दे सके। बाबल गुप्ता के साथ कांग्रेस पार्टी के रिकी, रोमी और रमेश कुमार भी थे।

उधमपुर के 411 गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित कर एक और उपलब्धि हासिल की

उधमपुर (हि.स.)। जिला उधमपुर ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण 2.0 के तहत महत्वाकांक्षी श्रेणी के तहत सभी 411 गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित कर एक और उपलब्धि हासिल की है। एसीपी ऊधमपुर डॉ. रंजीत सिंह कोतवाल ने इस उपलब्धि के लिए आम जनता, पीआरआई सदस्यों और सभी 17 प्रखंडों के फील्ड पदाधिकारियों की टीम को बधाई दी। उन्होंने मुख्य सचिव जेके यूटी के निर्देशों के अनुसार 15 अगस्त 2023 तक गांवों को ओडीएफ मॉडल बनाने के वांछित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक टीम के रूप में काम करने का अनुरोध किया। इस संबंध में प्रखंड विकास अधिकारियों की टीम अपने-अपने प्रखंडों/गांवों में ग्रे वाटर मैनेजमेंट के लिए सोकपिट तथा ठोस कचरा प्रबंधन के लिए कम्पोस्ट पिट एवं सेग्रीगेशन शेड बनाकर ठोस कचरा प्रबंधन एवं तरल कचरा प्रबंधन पर काम कर रही है। आम जनता को संदेश दिया गया कि सभी गांवों को दृष्टिगत रूप से स्वच्छ बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएं और पर्यावरण के लिए हानिकारक सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाएं। एसीपी उधमपुर ने बताया कि आरडीडी की पूरी टीम आयुक्त सचिव आरडीडी मनदीप कौर, उपायुक्त उधमपुर सचिन कुमार वैश्य और निदेशक ग्रामीण स्वच्छता चरणदीप सिंह के समग्र पर्यवेक्षण/ मार्गदर्शन में दिन-रात काम कर रही है।

विदेश जाने की चाह में चुराए लाखों के जेवरात, पहुंचे सलाखों के पीछे

कैथल (हि.स.)। विदेश जाने की चाह में दो युवकों ने एक घर में घुसकर सोने चांदी के जेवरात के साथ-साथ नगदी भी चोरी कर ली। इससे पहले कि वे चोरी के गहनों से रुपयों का इंतजाम कर विदेश जा पाते पुलिस ने उन्हें दबोच लिया और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। अदालत ने दोनों को 2 दिन के पुलिस रिमांड लेकर उनके कब्जे से 10 तोले सोना व 600 ग्राम चांदी बरामद की है। ग्योंग के कर्मबीर ने थाना सदर पुलिस को दी शिकायत में कहा था कि 15 जून की रात के करीब 1.30 बजे से 2.10 बजे के बीच में अज्ञात व्यक्ति उसके मकान के अंदर से करीब 18 तोले सोना, करीब 1.5 किलो चांदी जेवरात व 90 हजार रुपए नकदी चुरा ले गए। चोरों ने उस समय वारदात को अंजाम दिया जब मकान मालिक किसी काम से बाहर गए हुए थे। यही नहीं पहचान छिपाने को लेकर उन्होंने अपने ऊपर बोरी भी पहनी हुई थी। एसपी ने मामले की जांच सीआईए टू को सौंपी थी। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट के एएसआई प्रदीप कुमार की टीम ने मामले में जांच करते हुए करोड़ा निवासी तरसेम व बीर बांगडा निवासी मोनू को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को ही उनका अदालत से 2 दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया गया था।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका: 1 ग्राम सोने के लिए चुकाने होंगे 5,876 रुपए, ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से लगा सकते हैं पैसा

नई दिल्ली।
सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम की आठवीं सीरीज निवेश के लिए खुल गई है। इस बार के लिए सोने की कीमत 5,926 रुपए प्रति 1 ग्राम तय की है। इसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से निवेश किया जा सकता है। ये स्कीम 23 जून 2023 तक खुली रहेगी।

जो इनके लिए ऑनलाइन आवेदन और डिजिटल पेमेंट के जरिए भुगतान करेंगे, उन्हें प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी उन्हें 1 ग्राम के लिए 5,876 रुपए चुकाने होंगे।

क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड – सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। यदि बॉन्ड पांच ग्राम सोने का है, तो पांच ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है।

24 कैरेट यानी 99.9प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश – सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। ऑनलाइन और ऑनलाइन दोनों तरह से इसमें निवेश किया जा सकता है। एसजीबी में निवेश पर 2.50प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर बॉन्ड के बदले लोन भी लिया जा सकता है। भारतीय बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड के पब्लिश्ड रेट के आधार पर बॉन्ड की कीमत तय होती है। इसमें सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले वाले हफ्ते के आखिरी तीन दिनों के रेट का एवरेज निकाला जाता है।

शुद्धता और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं – एसजीबी में शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है।

अधिकतम 4 किलो सोने में कर सकते हैं निवेश – एसजीबी के जरिए कोई शख्स एक वित्त वर्ष में कम से कम 1 ग्राम और अधिकतम 4 किलोग्राम सोने में निवेश कर सकता है। जॉइंट होल्डिंग के मामले में 4 किलोग्राम की निवेश सीमा पहले आवेदक पर ही लागू होगी। वहीं किसी ट्रस्ट के लिए खरीद की अधिकतम सीमा 20 किलो है।

न्यूज ब्रीफ

6 महीने और नहीं मिलेगा अनचाहे कॉल्स/मैसेज से छुटकारा: ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियों को नवंबर तक का वक्त दिया; पहले डेडलाइन 1 मई थी

नई दिल्ली। अनचाहे कॉल और मैसेज से छुटकारा पाने के लिए आपका इंतजार लंबा हो सकता है। भारतीय

दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने व्यावसायिक कॉल या मैसेज भेजने वाली संस्थाओं और मोबाइल सर्विस प्रोवाइडर्स को अनचाहे कॉल/मैसेज की पहचान और इन्हें ब्लॉक करने के लिए जरूरी डिजिटल प्लेटफार्म तैयार करने के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया है। पहले कहा गया था कि 1 मई के बाद अनचाहे कॉल/मैसेज बंद हो जाएंगे। हालांकि, ट्राई ने व्यावसायिक और सरकारी संस्थाओं को ग्राहकों की सहमति से कॉल/मैसेज भेजने की छूट दी है, लेकिन वे यह तभी कर सकती हैं जब ग्राहक राजी हों। इसके लिए उन्हें ग्राहक से सहमति लेनी होगी। बैंक, बीमा, वित्त और व्यापारिक संस्थाएं ग्राहकों से सहमति लेने का काम 30 सितंबर तक पूरा कर लेंगी। शेष संस्थाओं को इसके लिए 30 नवंबर तक का समय दिया गया है। जानकारों का कहना है कि छह माह केवल प्लेटफार्म तैयार करने के लिए ही मांगे गए हैं। कॉल से छुटकारा कब तक मिलेगा, कह नहीं सकते। क्योंकि सबसे ज्यादा कॉल अपंजीकृत लोग ही करते हैं। उन्हें ब्लॉक करने का काम ग्राहक से शिकायत मिलने के बाद ही होगा। ट्राई ने मैसेज भेजने वाली संस्थाओं से कहा है कि वे यह सुनिश्चित करें कि वे वही मैसेज भेजें, जो ग्राहक चाहता है। दूसरी तरफ, टेलीकॉम ऑपरेटर्स से कहा गया है कि जो मैसेज ग्राहक तक भेजे जाएं, उनमें संदेश हो कि वे अवांछित मैसेज कैसे रोक सकते हैं। 31 जुलाई 2023 तक टेलीकॉम कंपनियां डिजिटल सहमति के लिए जरूरी प्लेटफार्म तैयार करेंगी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं, राजस्थान में पेट्रोल 113 रुपए लीटर के ऊपर

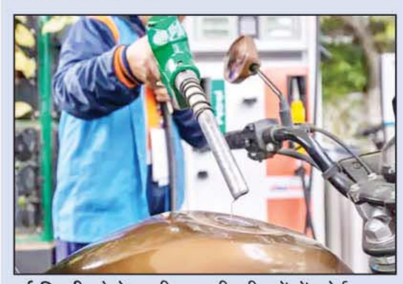

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। फिलहाल दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए लीटर है तो डीजल 89.62 रुपए लीटर के हिसाब से बिक रहा है। वहीं मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। देश के 16 राज्यों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बना हुआ है। आखिरी बार 21 मई 2022 में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव किया गया था। तब पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क घटाया गया था। इससे पेट्रोल और डीजल के दाम 9.5 रुपए और 7 रुपए कम हो गए थे। हालांकि इसी महीने 10 जून को पंजाब सरकार ने पेट्रोल वैट दर में करीब 1.08प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। इससे पेट्रोल प्रति लीटर 92 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया।

नियमित यात्रा करने वाले जरूर लें पर्सनल एक्सिडेंट पॉलिसी: बच्चों की पढ़ाई से लेकर कानूनी खर्च तक होते हैं कवर, 500 से 2000 में 10 लाख का कवर

नई दिल्ली। हाल ही में ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे में सैकड़ों लोग हताहत हुए। इनमें से बहुत कम लोगों ने

टिकट के साथ मिलने वाली ट्रैवल एक्सीडेंट इंश्योरेंस सुविधा ली थी। जो लोग ट्रेन, कार या अन्य साधनों से नियमित यात्रा करते हैं या जिनका व्यवसाय दुर्घटना संबंधी जोखिम से जुड़ा है, उन्हें पर्सनल एक्सीडेंट पॉलिसी जरूर लेना चाहिए। किसी दुर्घटना में पॉलिसीधारक की मृत्यु, स्थायी, अस्थायी या आंशिक विकलांगता होने पर एकमुश्त भुगतान किया जाता है। कुछ कंपनियां बच्चों की पढ़ाई, दुर्घटना के लिए जिम्मेदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई का खर्च, विकलांग होने पर आय के नुकसान की भरपाई, अंतिम संस्कार का खर्च जैसे कवर भी मुहैया कराती हैं। कई पॉलिसी में पूर्व-निर्धारित अवधि तक कैश-अलाउंस मिलता है। कई कंपनियां पॉलिसीधारक की ईएमआई का भुगतान भी करती हैं। कुछ बैंक क्रेडिट-डेबिट कार्ड के साथ भी पर्सनल एक्सीडेंट कवर ऑफर करते हैं। पर्सनल एक्सिडेंट पॉलिसी में खुद के द्वारा जानबूझकर लगाई गई चोटें, युद्ध या दंगों के चलते चोटें, सामान्य मौत, पहले से मौजूद या जन्मजात विकलांगता और एडवेंचर स्पोर्ट्स से जुड़ी चोटें कवर नहीं होती हैं। इनमें से कुछ के लिए अलग से कवर लेना होता है।

तालिबान की वॉट्सऐप पर निर्भरता, अमेरिकी प्रतिबंधों ने मुश्किलें बढ़ाईं

अफगानिस्तान में सरकार, सेना और पुलिस अफसरों के अकाउंट पर रोक के कारण काम ठप

नई दिल्ली।
दो महीने पहले तालिबानी सैनिक अधिकारियों की एक टीम अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के बाहर इस्लामिक स्टेट के ठिकाने पर छापा मारने की तैयारी कर रही थी। सैनिकों ने अपनी ऑटोमैटिक राइफलें संभाल ली थीं। उनका कमांडर हबीब रहमान इनकायद अपने टारगेट की सही लोकेशन जानने की कोशिश कर रहा था।

उसने अपने साथियों के फोन से बड़े अफसरों को फोन लगाया। अफसरों का कहना था, लोकेशन वॉट्सऐप पर भेज दी गई है। तालिबान सरकार के सामने यह तो केवल एक समस्या है। वॉट्सऐप ने अमेरिकी प्रतिबंधों के हिसाब से हबीब का अकाउंट ब्लॉक कर दिया है। 25 साल के हबीब ने कहा, हमारे पास संपर्क और संवाद का एकमात्र जरिया वॉट्सऐप है। हबीब अकेला नहीं है। पिछले कुछ महीने से तालिबान सरकार के अधिकारियों, पुलिस और सैनिकों के वॉट्सऐप अकाउंट बंद हैं या अस्थायी रूप से बंद कर दिए जाते हैं। यह समस्या बढ़ रही है। इससे पता लगता है कि तालिबान सरकार किस हद तक मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर निर्भर है।

तालिबान यूजर्स के लगातार अकाउंट ब्लॉक कर रहा वाट्सऐप

यह स्थिति अंतरराष्ट्रीय पाबंदियों के दूरगामी नतीजों की झलक दिखाती है। अमेरिका ने लंबे समय से तालिबान को किसी भी तरह के समर्थन को अपराध घोषित कर रखा है। कंपनी के प्रवक्ता ने बताया, वाट्सऐप तालिबान यूजर्स की बारीकी से पहचान कर उनके अकाउंट ब्लॉक करता है। जब तालिबानी लड़ाकों ने अफगान सरकार के खिलाफ लड़ाई छेड़ रखी थी तब से प्रतिबंध लागू है।

पिछले दो सालों में वॉट्सऐप पर तालिबान की निर्भरता बढ़ी

पिछले दो सालों में वॉट्सऐप पर तालिबान की निर्भरता बढ़ी है। सरकार के प्रशासन का अंदरूनी कामकाज वॉट्सऐप के सहारे चलता है। सरकारी विभाग कर्मचारियों को सूचनाएं देने के लिए वॉट्सऐप ग्रुप का इस्तेमाल करते हैं। मीडिया को बयान जारी करने और मंत्रालयों के बीच संपर्क के लिए प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल होता है। बगलान प्रांत में पुलिस के प्रवक्ता शिर अहमद बुरहानी कहते हैं, मेरा पूरा काम वॉट्सऐप पर टिका है। अगर वह ना होता तो हमारा पूरा प्रशासनिक और गैर प्रशासनिक काम ठप पड़ जाता।

अमेरिकी प्रतिबंध के बावजूद ट्विटर और यूट्यूब जैसे कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तालिबानियों को अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग करने दे रहे हैं। लेकिन, सबसे अधिक पॉपुलर मैसेजिंग एप उनकी पहुंच के बाहर है। तखार प्रांत में पुलिस प्रवक्ता अब्दुल मोबिन शफी कहते हैं, हमारा 50 लोगों का ग्रुप है।

उसके 40-45 वॉट्सऐप नंबर ब्लॉक हैं। एक बार अकाउंट बंद होने पर लोग नया सिम कार्ड लेकर नया अकाउंट खोल लेते हैं। इस बीच कमांडर हबीब इनकायद ने एक माह बाद नई सिम लेकर नया व्हाट्स एप अकाउंट खोल लिया है। वह कहता है, मैं 80 वॉट्सऐप ग्रुप का हिस्सा हूं। इनमें एक दर्जन से अधिक ग्रुप का उपयोग सरकारी काम के लिए होता है।

मोबाइल फोन स्टोर में सिम की कमी

हजारों तालिबानी लड़ाके अब प्रमुख शहरों में पुलिस और सेना में नए पदों पर हैं। उनकी पहुंच मोबाइल फोन स्टोर तक आसान हो गई है। सरकारी कर्मचारी बन चुके तालिबान लड़ाकों को वेतन मिलने लगा है। इसलिए मोबाइल फोन बेचने वालों के पास नए कस्टमरों की कतार लग गई है। फोन कारोबारी मांग पूरी नहीं कर पा रहे हैं। अफगानिस्तान में मोबाइल फोन स्टोरों में सिम कार्ड की कमी पड़ गई है।

70 प्रतिशत अफगानियों के पास मोबाइल फोन

तालिबानियों के बीच वॉट्सऐप का उपयोग युद्ध के दौरान शुरू हुआ था। विशेषज्ञों का अनुमान है, लगभग 70 प्रतिशत अफगान आबादी के पास मोबाइल फोन है। देश में मोबाइल फोन के टॉवर खड़े हो रहे हैं। तालिबान आर्मी की सेकंड रेजिमेंट के कमांडर कुंदूजी कहते हैं, युद्ध के समय तालिबानी लड़ाके सरकारी ठिकानों पर हमलों के फोटो अपने सीनियरों और समर्थकों को वॉट्सऐप पर भेजते थे।

तालिबान के सत्ता में आने के बाद ग्रुप के बीच वॉट्सऐप का उपयोग और ज्यादा बढ़ गया। पूर्व लड़ाकों ने अपने स्मार्टफोन का चौबीस घंटे उपयोग शुरू कर दिया है। उन्हें फोन के सिगनल के सहारे पश्चिमी देशों की सेनाओं के हमले का भी भय नहीं रहा।

चैटजीपीटी जैसे एआई प्लेटफॉर्म पर रोक लगा रही हैं कंपनियां

इंसानों पर हावी होने और डेटा चोरी होने के खतरे का असर, गलत नैरेटिव्स गढ़े जाने का भी जोखिम

नई दिल्ली।
चैटजीपीटी , गूगल बार्ट जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चैटबॉट ने कामकाज को आसान किया है। ये खर्च और समय बचाने के लिए भी आकर्षक मददगार साबित हो रहे हैं। इसके बावजूद चीन, रूस, ईरान जैसे देश और कई मल्टीनेशनल कंपनियों ने इनके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाया है या इसे सीमित स्तर पर ही उपयोग करने की अनुमति दे रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि एआई पर निर्भरता आगे चलकर इंसानों पर भारी पड़ने का जोखिम है। निजी जानकारी और निजी टेक्निकल खासियतों के लीक या चुराए जाने का भी खतरा है। साथ ही एआई से नौकरियों के कम होने का भी जोखिम है।

मानवता पर भारी पड़ेगा एआई

एक सर्वे के मुताबिक, 42प्रतिशत कहना है कि एआई 5 से 10 सालों में मानवता पर भारी पड़ेगा। 12 हजार पेशेवरों पर किए गए अन्य सर्वे के अनुसार, 43प्रतिशत कर्मचारी बॉस को बताए बिना काम पर चैटजीपीटी जैसे एआई प्लेटफॉर्म का यूज करते हैं। इससे कंपनियों की अपनी गोपनीयता लीक का जोखिम बढ़ जाता है। हाल ही में सैमसंग का एआई के यूज पर रोक लगाने की बड़ी वजह यही है। जब उसके एक इंजीनियर ने गलती से कंपनी की अहम गोपनीय सामग्री चैटजीपीटी पर सार्वजनिक कर दी। दरअसल, एआई प्लेटफॉर्म पर अपलोड की गई कोई भी चीज उन कंपनियों के सर्वर पर स्टोर हो जाती है। इसके बाद उसे हटाने या वहां तक पहुंचने से रोकने का कोई तरीका नहीं है।

एआई के जरिए गलत नैरेटिव्स गढ़े जाने का भी जोखिम

चीन, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया, इटली, सीरिया और क्यूबा जैसे देश चैटजीपीटी पर रोक लगा चुके हैं।

दुबई में सीएम विजयन ने इनफिनिटी सेंटर का किया उद्घाटन, बोले- युवा नौकरी करने की बजाय देने वाले बन रहे

तिरुवनंतपुरम ।
केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने दुबई में केरल स्टार्टअप मिशन (केएसयूएम) के पहले 'इनफिनिटी सेंटर' का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केरल में स्टार्टअप संस्कृति राज्य के युवाओं के दृष्टिकोण को बदल रही है। युवा नौकरी करने के बजाय नौकरी देने वाले बनना चाहते हैं। इससे न केवल उभरते स्टार्टअप के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत मिलेगी बल्कि चालू वित्त वर्ष में 20,000 से अधिक नौकरियां पैदा करने में भी मदद होगी। केएसयूएम की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि यह कार्यक्रम विदेशी बाजार में केरल के स्टार्टअप के लिए मंच प्रदान करने वाले केंद्रों की शुरुआत करेगा और इसके तहत अनिवासी भारतीयों को केएसयूएम से जुड़कर उद्यमी बनने में मदद मिलेगी। इनफिनिटी सेंटर का विचार 3.2 करोड़ अनिवासी भारतीयों के संदर्भ में आया, जो प्रवासी नागरिकों की सबसे बड़ी आबादी का

प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में कहा, केरल स्टार्टअप मिशन (केएसयूएम) के सहयोग से स्टार्टअप्स को मदद की जाएगी। पहले चरण के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप में इस तरह की और सुविधाएं स्थापित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि केरल में स्टार्टअप संस्कृति के साथ युवाओं का नजरिया बदल रहा है और सरकार का आईटी विभाग भी नई पीढ़ी को इसके लिए जागरूक कर रहा है। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने आगे कहा कि उनकी सरकार केरल में दो और आईटी पार्क शुरू करेगी। पिनाराई ने कहा कि तिरुवनंतपुरम को कोल्लम, एर्नाकुलम को अलप्पुझा और कोराट्टी और कोझिकोड को कन्नूर से जोड़ने वाला एक आईटी कॉरिडोर खोला जाएगा। इसके लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है। बता दें कि केरल में तीन प्रमुख आईटी पार्क हैं, जैसे तिरुवनंतपुरम में टेक्नोपार्क, कोच्चि में इन्फोपार्क और कोझिकोड में साइबरपार्क।

70 साल तक नहीं बढ़ाई नहीं कोका-कोला की कीमत, कंपनी ने बिजनेस का मूल सिद्धांत ही पलट कर रख दिया

नई दिल्ली ।
कोका-कोला कंपनी ने जिसने बिजनेस का ये मूल सिद्धांत ही पलट कर रख दिया। कोका-कोला ने अपनी एक बोतल की कीमत करीब 70 साल तक नहीं बढ़ाई ही नहीं। 1886 में कोक की 6.5 आउंस की एक बोतल यूएस में एक निकल यानी 5 सेंट्स की मिलती थी और 1959 में भी इसकी कीमत इतनी ही थी।

अर्थशास्त्र में इसे नॉमिनल प्राइस रिजिडिटी या प्राइस स्टिकनेस कहते हैं।आम भाषा में कहें तो बड़े स्तर पर हो रहे आर्थिक बदलावों का कंपनी के प्रोडक्ट की कीमत पर असर नहीं पड़ने को प्राइस स्टिकनेस कहा जाता है।पहले विश्व युद्ध के बाद चीनी का रेट 3 गुना तक बढ़ गया था।1899 में, यानी कोका कोला की स्थापना के 12 साल बाद, 2 वकीलों ने कोक के वाइस प्रेसिडेंट और सह-संस्थापक एसा कैंडलर से कहा कि वो कोक को बॉटल में बेचना चाहते हैं इसलिए कैंडलर उन्हें कोक के बॉटलिंग राइट्स बेच दें।कैंडलर ने पहले तो मना किया लेकिन फिर वकीलों के जोर देने पर वह मान गए।दोनों के बीच कॉन्ट्रेक्ट साइन हुआ।लेकिन, इसकी कोई एक्सपायरी डेट नहीं तय हुई। मतलब, कोका कोला अब एक फिक्स कीमत पर अपनी ड्रिंक हमेशा के लिए उन वकीलों को बेचने के लिए मजबूर हो गई।अब अगर बोतलों के रेट बढ़ते तब भी फायदा कोक को नहीं होता।कोक के लिए ये घाटे का सौदा साबित हुआ।

कंपनी ने फिर इस परेशानी से निकलने के लिए एक तरकीब निकाली।कोक ने पूरे देश में बड़े-बड़े होर्डिंग्स और बैनर्स लगवाए और यह प्रचार करवाया कि कोक की हर बोतल केवल 5 सेंट्स की है।अब बॉटलिंग कंपनी अपनी मर्ज़ी से बोतल के रेट नहीं बढ़ा सकती थी वरना लोगों के बीच उनकी छवि खराब होती।हालांकि, 1921 में कॉन्ट्रेक्ट रिन्यू हुआ और ये मामला सुलझा लिया गया।इसके बाद एक नई परेशानी खड़ी हो गई।कोक की वेंडिंग मशीन ने कंपनी को 6.5 आउंस वाली बोतल की कीमत बढ़ाने से रोक दिया। दरअसल, वह वेंडिंग मशीन केवल 1 निकल यानी 5 सेंट्स ही स्वीकार करने के लिए बनी थी।इसका कारण यह था कि कंपनी नहीं चाहती थी कि उसके ग्राहकों को कोक खरीदने के लिए 1 से ज्यादा सिक्के इस्तेमाल करने पड़ें। हालांकि, 1940 के दशक का खत्म होते-होते अमेरिका में महंगाई काफी बढ़ी और कंपनी इतना बोझ झेल नहीं पाई।1950 में कोक की 6.5 आउंस की बोतल की कीमत 6 सेंट्स कर दी गई और 1959 आते-आते 5 सेंट्स वाली कोक की आखिरी बोतल बिक गई।

निवेशकों के लिए बेहतर है मिडकैप एसआईपी, लंबे समय के लिए निवेश पर दें जोर

नई दिल्ली।
म्युचुअल फंड में एसआईपी करने का कोई समय नहीं है। लेकिन, एक बात यह जरूर गांठ बांध लेनी चाहिए कि आपको लंबे समय यानी कम से कम पांच-10 साल के लिए निवेश करना है। अगर इसका पालन आपने कर लिया तो एसआईपी से अच्छा खासा रिटर्न मिल सकता है। यह बैंक जमा या अन्य सरकारी योजनाओं को पीछे छोड़ने में कारगर साबित होता है। सोने पर सुहागा तब होता है, जब आप गिरते हुए बाजार में निवेश करें क्योंकि यही वह समय होता है, जब खुदरा निवेशक डर या घबराहट के कारण अपना निवेश या तो निकाल लेते हैं या एसआईपी बंद कर देते हैं। जो निवेशक इससे बच गया, वह सबको पीछे छोड़ देता है। जब भी बाजार में भारी गिरावट रही है, उस समय जिस निवेशक ने भी एसआईपी शुरू किया, उसे अच्छा फायदा मिला है।

ऐतिहासिक स्तर पर एसआईपी निवेश – एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़े बताते हैं कि मई में फंड उद्योग में एसआईपी से मासिक 14,700 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश आया है। यह अब तक का रिकॉर्ड स्तर है। इससे पहले लंबे समय तक 14,000 करोड़ का मासिक निवेश हुआ है, लेकिन मई में

इसने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। 16प्रतिशत का रिटर्न मिला है 31 अगस्त, 2007 से 31 अगस्त, 2010 तक एसआईपी में बने रहने पर

घबराहट में एसआईपी बंद करने पर भारी घाटा – बाजार की गिरावट में अगर आपने घबराहट के चलते एसआईपी को बंद कर दिया तो इसका बड़ा घाटा होता है। उदाहरण स्वरूप, 31 अगस्त, 2007 से 31 जुलाई, 2008 के बीच बाजार में वैश्विक आर्थिक संकट का दौर था। इस समय जिन्होंने भी एसआईपी बंद किया, उन्हें 26 फीसदी का घाटा एक साल के अंदर हुआ था। इसके ठीक उलट, 31 अगस्त, 2007 से 31 अगस्त, 2010 तक जिन लोगों ने एसआईपी को बनाए रखा, उसे 16 फीसदी का रिटर्न मिला। इस तरह से जब भी बाजार में गिरावट हो तो आप घबराएं नहीं। साथ ही, आप उस समय निवेश को और बढ़ा सकते हैं। इसका फायदा यह होता है कि आपको उसी पैसे में ज्यादा यूनिट मिलती हैं, जब बाजार की तेजी में कम यूनिट मिलती हैं।

2018 से 2023 के बीच 13 फीसदी लाभ – एडलवाइस म्यूचुअल फंड की रिपोर्ट के मुताबिक, 31 दिसंबर, 2018 से 30 अप्रैल, 2020 के बीच जिन लोगों ने एसआईपी बंद किया, उन्हें 16 फीसदी का घाटा हुआ। लेकिन, 31 दिसंबर, 2018 से लेकर 31 मार्च, 2023 तक जिन लोगों ने अपना निवेश बनाए रखा, उन्हें 13 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न मिला। जिन निवेशकों ने 10 साल के लिए निवेश किया है, उनको कभी भी घाटा नहीं हुआ है।

डेट-हाइब्रिड में कर सकते हैं स्विच – म्यूचुअल फंड में निवेश करने के सबसे बेहतर तरीकों में से एक एसआईपी है। यह निवेशकों को रोजाना के शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव से दूर रखता है। साथ ही, निवेश में आसानी और निरंतरता बनाए रखता है। एसआईपी की खूबसूरती यह भी है कि आप इसे डेट या हाइब्रिड में स्विच कर सकते हैं। इससे बाजार की गिरावट का आपके निवेश पर कोई असर नहीं पड़ता है।

60 साल बाद निकाल सकेंगे एकमुश्त पेंशन की रकम; सितंबर तक व्यवस्थित निकासी योजना ला सकता है पीएफआरडीए

नई दिल्ली । राष्टीय पेंशन योजना (एनपीएस) के सदस्यों के लिए पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) एक व्यवस्थित निकासी योजना लाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत पेंशन खाताधारकों को 60 साल की आयु पूरी होने पर एकमुश्त राशि निकालने की सुविधा मिलेगी। पीएफआरडीए चेयरमैन

दीपक मोहंती ने कहा, योजना अग्रिम चरण में है। उम्मीद है कि अगली तिमाही के अंत यानी सितंबर तक इस तरह की योजना ला पाएंगे। उन्होंने कहा, व्यवस्थित निकासी योजना एनपीएस सदस्यों को 75 साल की आयु तक आवधिक निकासी का विकल्प चुनने की अनुमति देगी। सदस्य मासिक, तिमाही, अर्द्धवार्षिक या सालाना निकासी का विकल्प चुन सकते हैं। यह योजना उनके लिए है, जिनकी उम्र 60 से 75 साल के बीच है। अभी एनपीएस सदस्य 60 वर्ष के बाद सेवानिवृत्ति कोष का 60 फीसदी तक निकाल सकते हैं।शेष 40 फीसदी फंड एन्यूटी (हर साल भुगतान की जाने वाली निश्चित राशि) में चला जाता है। मोहंती ने कहा, कई लोगों ने अनुरोध किया है कि हम कोष के साथ बने क्यों नहीं रह सकते। मेरा पैसा जब मुझे अच्छा रिटर्न दे रहा है तो मैं एन्यूटी क्यों लूं। मैं अपना पैसा मासिक या तिमाही आधार पर निकालना चाहूंगा। अभी हम ऐसा विकल्प नहीं दे सकते। ऐसे में हम इस तरह के किसी उत्पाद का विचार कर रहे हैं। पीएफआरडीए चेयरमैन दीपक मोहंती ने यह भी कहा कि पेंशन योजनाओं में प्रबंधन के तहत संपत्तियां (एयूएम) अप्रैल-सितंबर में 10 लाख करोड़ रुपये के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर जाएंगी। अभी हम 9.5 लाख करोड़ के एयूएम तक पहुंच गए हैं।

एक्टिंग के साथ फिल्में प्रोड्यूस करने की तैयारी में कृति

-दीपिका, कंगना की राह पर चली एक्ट्रेस

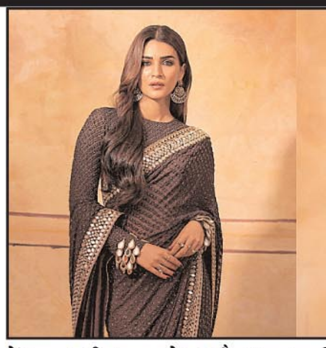

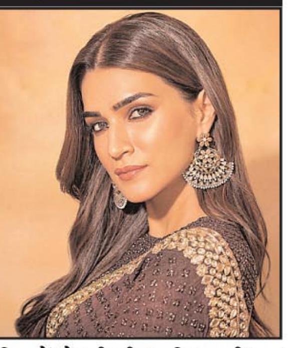

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस कृति सेनन आदिपुरुष को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। फिल्म की रिलीज से पहले कृति सेनन को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल कृति अब एक्टिंग के साथ-साथ फिल्में प्रोड्यूस करने की तैयारी कर रही हैं। कृति एक ओटीटी फिल्म के जरिए प्रोड्यूसर के तौर पर डेब्यू करने वाली हैं। कृति को इस फिल्म की स्क्रिप्ट पसंद आई है और वह बतौर एक्ट्रेस भी इस फिल्म में काम करेंगी। हालांकि अब ना तो इस प्रोजेक्ट के नाम का खुलासा हुआ है और ना ही फिल्म को लेकर कोई जानकारी सामने आई है। अपने फिल्मी करियर को लेकर बातचीत करते हुए कृति सेनॉन ने कहा, मुझे खुशी है कि ओम राउत ने मुझे जानकी के रूप में देखा, विकास बहल को गणपत की जस्सी दिखी और रोहित धवन ने मुझे अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए एक ग्लैमरस शहर की लड़की के रूप में देखा। मैं अपनी जिंदगी के इस चरण में बहुत ही एक्साइटेड और धन्य महसूस कर रही हूं और जो मुझे लगता है कि मेरे करियर का सबसे बेस्ट फेज है। यहां तक पहुंचने के लिए बहुत सारी निरंतरता, जुनून, हार्ड वर्क और खुद पर विश्वास करना पड़ा। मैं आज जहां हूं बहुत ही खुश हूं। लेकिन मुझे अभी भी लगता है कि मैं अपनी आधी क्षमताओं का पता भी नहीं लगा पाई हूं। कृति ने आगे कहा कि मैं और भी अधिक काम करना चाहती हूं। एक्ट्रेस कृति सेनॉन ने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्मों से की थी। कृति पहली बार साल 2014 में आई फिल्म नेनोक्कडीने में नजर आई थीं। इसी साल उन्होंने टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म हीरोपंती के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। बता दें कि ओम राउत द्वारा निर्देशित यह फिल्म रामायण महाकाव्य पर आधारित है। इस फिल्म में जहां एक्टर प्रभास प्रभु श्रीराम के रोल में नजर आएंगे तो वहीं कृति माता सीता का किरदार निभा रही हैं।

लस्ट स्टोरीज 2 में दिखेगी तमन्ना-विजय की जोडी

-दोनों पहली बार इस सीरीज में आने वाले है साथ नजर

मुंबई (ईएमएस)। काफी दिनों से कहा जा रहा था कि एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और अब इस रिश्ते पर एक्ट्रेस ने खुद से मुहर लगा दी है। एक्ट्रेस और विजय की जोड़ी बहुत जल्द ही लस्ट स्टोरीज 2 में भी नजर आएगी। दोनों पहली बार इस सीरीज में साथ नजर आने वाले हैं। इसको लेकर ये भी कहा जा रहा है कि इस सीरीज में एक्ट्रेस ने अपना 18 साल पुराना नियम तोड़ दिया है। लस्ट स्टोरीज 2 के प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि मैं उन लोगों में से थी जो पर्दे पर इंटीमेट सीन देखकर कहती थीं कि मैं ये कभी नहीं करूंगी। लेकिन जब बात आती है विजय वर्मा की तो उन्होंने उनके लिए अपना ये नियम तोड़ दिया। प्रोमोज में दोनों की शानदार कैमिस्ट्री देखने को मिल रही है। वहीं किस पर खबरों पर भी उन्होंने जवाब देते हुए कहा, यह पूरी तरह से क्रिएटिव कोशिश है। अब 18 साल बाद मैं मशहूर होने के लिए ये सब नहीं कर रही हूं। तमन्ना ने इंटीमेट सीन न करने के बारे में बात करते हुए कहा कि पहले उन्हें लगता है उन्हें इंटीमेट सीन करता देख ऑडियंस ऑक्वर्ड फील करेंगी। लेकिन अब इंडियन ऑडियंस पिछले कुछ साल में काफी आगे बढ़ गई है। ऐसे में वो नहीं चाहती थीं कि एक एक्ट्रेस के रूप में उनकी कोई हिचकिचाहट उन्हें क्रिएटिव होने से रोके। बता दें कि इन दिनों तमन्ना भाटिया अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर खबरों में है।

शादी के बंधन में बंधे करण देओल और द्रिशा, तस्वीरें वायरल

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के पोते और सनी देओल के बेटे करण देओल और प्रोड्यूसर बिमल रॉय की पोती द्रिशा आचार्य की शादी इस समय काफी चर्चा में है। आज करण देओल और द्रिशा के शादी के बंधन में बंध चुके हैं। सोशल मीडिया पर करण और द्रिशा की शादी की फोटो वायरल हो रही है। करण देओल अपनी गर्लफ्रेंड द्रिशा से शादी के बंधन में बंध गए हैं। शादी के बाद दोनों की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है। इस फोटो में करण और द्रिशा दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी के रूप में बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। शादी के दौरान द्रिशा ने लाल रंग का लहंगा पहना हुआ है। जबकि करण ने क्रीम कलर की शेरवानी और मैचिंग पगड़ी पहन रखी है। पिछले तीन दिनों से करण की प्री-वेडिंग रस्में चल रही थीं। इस बीच सोशल मीडिया पर कई वीडियो और फोटो वायरल हुए। बेटे की शादी को धर्मेंद्र के साथ-साथ सनी देओल भी एन्जॉय कर रहे हैं। उनका एक नया वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में करण घोड़े पर सवार होकर शादी के हॉल में जाते नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं धर्मेंद्र, सनी के साथ-साथ देओल परिवार ने बारात का लुत्फ उठाया। इस बारात में धर्मेंद्र भी डांस करते नजर आ रहे हैं। बेटे की बारात में सनी देओल का स्वैग देख उनके लुक की तारीफ हो रही है। वहीं बॉबी देओल ने भी सबका ध्यान खींचा है। खासतौर पर यह देखते हुए कि सनी पारंपरिक तरीके से बेटे से शादी कर रहे हैं, नेटिजन्स देओल परिवार की सराहना कर रहे हैं। बारात के दौरान करण और सनी देओल के एक वीडियो ने सबका खूब ध्यान खींचा है। इस वीडियो में करण जब घोड़े से उतर रहे हैं तो पिता सनी उनका पूरा ख्याल रख रहे है। साथ ही सनी बेटे को घोड़े से उतारने में मदद कर रहे हैं।

बच्चन जी का बड़ा प्रशंसक रहा हूं मैं: राजेश तैलंग

-एक्टर ने शूटिंग का मजेदार किस्सा किया शेयर

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर राजेश तैलंग का कहना है कि वे बचपन से ही मेगा स्टार अमिताभ बच्चन के बडे प्रशंसक रहे हैं। राजेश तैलंग ने बताया, जब मुझे बच्चन जी के साथ एक फिल्म में काम करने का अवसर मिला, तो मैंने एक वर्कशॉप में भाग लेने का फैसला किया, जिसने मेरे परफॉर्मेंस को बेहतरीन बनाया। द कपिल शर्मा शो पर ओटीटी की दुनिया को डे-डिकेटेड स्पेशल एडिशन में मुकेश छाबड़ा, त्रिधा चौधरी, आंचल सिंह, राजेश तैलंग, अमित सियाल और सुमीत व्यास गेस्ट बनकर आएंगे। बातचीत के दौरान होस्ट कपिल शर्मा महानायक अमिताभ बच्चन के साथ राजेश की पहली मुलाकात के बारे में पूछेंगे। एक्टर सुमित व्यास ने मेगास्टार अमिताभ बच्चन के साथ एक प्रोजेक्ट के लिए भोपाल में शूटिंग के दौरान का मजेदार किस्सा शेयर किया। तैलंग ने आगे बताया कि, 2005 में हम फिल्मसिटी के मंदिर में एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। मंदिर में शूटिंग के पहले दिन ही वह सेट पर पहुंच गए और सीधे शूटिंग शुरू कर दी, इसलिए मुझे उनसे पहले मिलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा, जिस सीन की हम शूटिंग कर रहे थे उसमें एक बम ब्लास्ट शामिल था, इसमें बच्चन जी ने ज्वॉइंट कमिश्नर की भूमिका निभाई थी, और मैंने एक एसीपी की भूमिका निभाई थी, जो उनके ठीक पीछे एक कार में आया था। कार से बाहर निकलते ही शॉट के बीच में मेरी नजर बच्चन जी पर पड़ी और शूटिंग के दौरान मैंने नमस्ते करके उनका अभिवादन किया। सुमीत ने कहा, जब हम भोपाल में एक फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, तो अमिताभ सर के लिए 30-40,000 लोगों की भारी भीड़ थी, जिससे ऐसा लगता था कि क्रिकेट मैच चल रहा है। एक दिन, शूटिंग के दौरान काफी भीड़ थी और उस दिन मैंने भी भीड़ में मौजूद लोगों की तरह ही कपड़े पहने हुए थे। तो, हंगामे के बीच, मुझे भीड़ के साथ धक्का दे दिया गया। फिर, प्रकाश जी, जो फिल्म का निर्देशन कर रहे थे, और अमिताभ जी पहुंचे और पूछा कि एक्टर कहां है, जो परफॉर्म कर रहा है। मैं भीड़ के अंदर से चिल्लाया, अरे, मैं यहां हूं! फिर उन्होंने मुझे आने के लिए कहा।

हम दिल दे चुके सनम के 24 साल पूरे

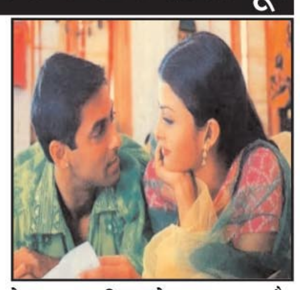

सन 1999 में रिलीज हुई संजय लीला भंसाली की मैग्नम ओपस हम दिल दे चुके सनम अपनी 24वीं सालगिरह मना रही है। इसमें दिलकश सीन्स, रोमांचकारी कहानी और यादगार प्रदर्शन सभी को दीवाना बनाने वाला था। इन सबके बावजूद फिल्म का सबसे खास हिस्सा उसका संगीत है, जो आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। फिल्म की सफलता में उसका म्यूजिक एल्बम महत्वपूर्ण था, जो भारतीय सिनेमा के इतिहास में एक टाइमलेस क्लासिक में आज भी प्रसिद्ध है। हम दिल दे चुके सनम संजय भंसाली की महानता का साक्षी है, जो अपने अभिनेताओं से शानदार प्रदर्शन निकालने की क्षमता रखते हैं। सलमान खान, ऐश्वर्या राय बच्चन और अजय देवगन जैसे अभिनेताओं के साथ इस फिल्म ने प्यार, त्याग और प्यार जैसे मुद्दों को छूने का प्रयास किया था। इस्माइल दरबार ने इसे संगीतिशों में मेलोडी, काव्य और दिल को छूने वाले भावों का बेहतरीन मिश्रण दिया है। हर एक गाना फिल्म की मूल उदेश्यों को ध्यान में रखता है, कहानी को और चमकाता है और किरदारों की अलग-अलग भावनाओं को खूबसूरती के साथ पकड़ता है।

द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू की रीलिज डेट फाइनल

बालीवुड फिल्म द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू की रिलीज डेट फाइनल हो गई है। एक्टर अक्षय कुमार की प्रमुख भूमिका वाली यह फिल्म अब 5 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण वाशु भगनानी, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी और अजय कपूर ने किया है जबकि इसका निर्देशन टीनू सुरेश देसाई ने किया है। मालूम हो कि वरुण धवन और जान्हवी कपूर स्टारर बवाल एक दिन बाद 6 अक्टूबर को रिलीज होगी लेकिन वह फिल्म सीधे ओटीटी पर आएगी। टीनू सुरेश देसाई की आखिरी फिल्म रुस्तम (2016) में भी अक्षय कुमार ने मुख्य भूमिका निभाई थी। द ग्रेट इंडियन रेस्क्यू पूर्व अतिरिक्त मुख्य खनन अधिकारी स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल की वास्तविक घटना पर आधारित है, जिन्होंने 1989 में पश्चिम बंगाल के रानीगंज में बाढ़ वाली कोयला खदान में फंसे 65 लोगों की जान बचाई थी। निमार्ताओं ने इसे यॉर्कशायर में पिछले साल शूट किया है। फिल्म में अक्षय गिल का किरदार निभाते नजर आएंगे, जबकि इसमें परिणीति चोपड़ा भी अहम भूमिका में हैं।

ससुर बने सनी देओल

सनी देओल के बेटे करण देओल परिणय सूत्र में बंध गए हैं। देओल परिवार धूम-धड़ाके के साथ करण की बारात लेकर द्दशा को करण की दुल्हनिया बनाने पहुंचे। कपल ने दादा-दादी धर्मेंद्र और प्रकाश कौर की शादी की सालगिरह पर सगाई की थी और अब शादी के बंधन में बंध गए हैं। दोनों की शादी की तस्वीरें भी अब सामने आ गई हैं। जिनमें द्दशा लाल जोड़े में और करण देओल को आइवरी शेरवानी और मैचिंग पगड़ी में देखा जा सकता है। अपने लुक को पूरा करने के लिए द्दशा ने मिनिमल एक्सेसरीज का चुनाव किया, जो उनके लुक को और निखार रही थी। वहीं अपनी शादी की रस्में निभाते हुए कपल के गले में वरमाला भी नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर द्दशा और करण की शादी की तस्वीरें छाई हुई हैं। दुल्हन लाल रंग के जोड़े में खूबसूरत नजर आ रही हैं। दुल्हन ने सिंपल लुक कैरी किया है। वहीं करण भी पीच कलर की शेरवानी में नजर आ रहें हैं।

फिल्म टीकू वेड्स शेरू का ट्रेलर रिलीज

-फिल्म में किसिंग सीन कर बुरे फंसे नवाजुद्दीन

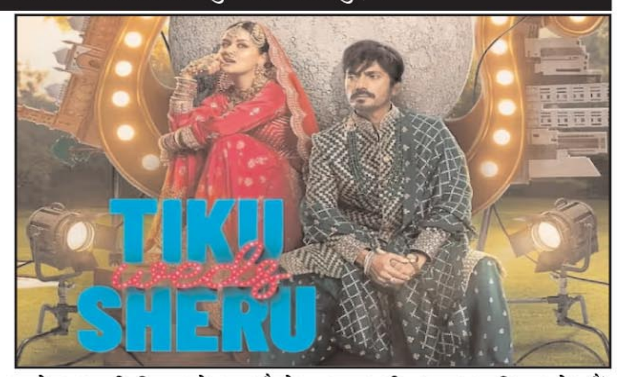

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म टीकू वेड्स शेरू का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसके एक सीन को देखकर लोग उन्हें जमकर निशाने पर ले रहे हैं। इस फिल्म को कंगना रनौत ने अपने प्रॉडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म के ट्रेलर में 49 साल के नवाजुद्दीन सिद्दीकी 21 साल की अवनीत कौर के साथ बोल्ड किसिंग सीन करते नजर आ रहे हैं। इस किसिंग सीन को देखकर सोशल मीडिया पर जैसे तूफान से मच गया है। लोग फिल्म की कास्टिंग पर सवाल उठा रहे हैं, उनका कहना है कि दोनों की उम्र में 28 साल का फासला है जो साफ नजर आ रहा है। एक यूजर ने लिखा- अवनीत, नवाज से 28 साल छोटी है इन लोगों को जरा भी शर्म नहीं आती क्या? एक अन्य ने लिखा- पता नहीं क्या सोचकर अवनीत और नवाजुद्दीन की एक साथ कास्टिंग की गई है। लोगों ने कंगना पर भी भड़ास निकालते हुए कहा कि- बॉलीवुड में ट्रेंड बदलने का दावा करने वाली एक्ट्रेस अपनी फिल्म ये सब कैसे दिखा दिया। इस फिल्म की कहानी की बात करें तो ट्रेलर में देख गया है कि सिद्दीकी एक्ट्रेस का सपना देखने वाली छोटे शहर की लड़की से शादी कर लेते हैं। शादी के बाद उनकी पत्नी मुंबई शहर आकर ही भाग जाती है। आगे क्या होता है वह तो इस फिल्म को देखकर ही पता चलेगा। टीकू वेड्स शेरू को लेकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि यह एक कॉमिडी-ड्रामा है जो रियल लाइफ के स्ट्रगल को दशाती है। ये एक अनोखी प्रेम कहानी है, जिसमें टीकू और शेरू बहुत ही अलग व्यक्तित्व के हैं, जिनका एक ही सपना है। उन्होंने कहा- मुझे मणिकर्णिका फिल्म्स के पहले प्रॉजेक्ट का हिस्सा बनने, कंगना रनौत के साथ काम करने और साई कबीर द्वारा इसको निर्देशित किए जाने की खुशी है। बता दें कि एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की जिंदगी में पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रहा है। निजी जिंदगी में आए तूफान को तो उन्होंने जैसे- तैसे काबू कर लिया, लेकिन इस बार वह अपनी फिल्म को लेकर नए झमेले में फंस गए हैं।

प्रियंका ने शेयर की मस्ती टाइम की कुछ तस्वीरें

-अठखेलियां करती दिखी निक्यांका की लाडली मालती

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने मस्ती टाइम की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। फैंस प्रियंका चोपड़ा की फैमिली ट्रिप फोटोज को खूब लाइक कर रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा ने फैमिली ट्रिप की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। निकयांका के ट्रिप की खास बात यह है कि वो इस बार किसी प्लेन से नहीं बल्कि ट्रेन से घूमने निकले हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा अपने मम्मी पापा, पति और बेटी संग फुल मस्ती मूड में दिख रही हैं। वहीं निकयांका का लाडली मालती भी ट्रिप पर मजे करने से पीछे नहीं हैं। एक तस्वीर में लिटिल एंजल पानी से खेलती हुई नजर आ रही हैं। वह अपनी क्यूट एक्टिविटीज से फैंस का खूब दिल जीत रही हैं। दूसरी ओर प्रियंका पति निक जोनस की बाहों में गजब पोज देती नजर आ रही हैं। फैंस प्रियंका की फैमिली ट्रिप फोटोज को खूब पसंद कर रहे हैं और नन्ही मालती पर भी खूब प्यार बरसा रहे हैं। वहीं, प्रियंका चोपड़ा के काम की बात करें तो उन्हें आखिरी बार हॉलीवुड फिल्म लव अगेन और सिटाडेल वेब सीरीज में देखा गया था। इसके अलावा वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा में नजर आएगी। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और कटरीना कैफ भी हैं। बता दें कि एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा अपने बिजी शेड्यूल के बीच फैमिली के साथ टाइम स्पैंड करना अच्छे से जानती हैं। इन दिनों वह पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी संग फैमिली ट्रिप पर निकली हुई हैं, जहां वह ताजा तस्वीरें शेयर कर रही है।

सूडोकु नवताल- 6467

★★★☆☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6466 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

शब्दजाल - 7214

शब्द जाल में सर्वाधिक पढ़े जानेवाले 10 समाचार पत्रों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हैं.

दैनिक भास्कर, दैनिक जागरण,ईनाडू, मलयाला मनोरमा, डेली थांथी,अमर उजाला, लोकमत, मातृभूमि, हिंदुस्तान, टाईम्स ऑफ इंडिया

य	ई	म्स	ऑ	फ	इं	डि	या	र	प	दै
ई	हिं	दु	स्ता	न	डो	ने	ग	ति	मा	नि
स	द	म	ला	मा	ग	अं	डे	ह	दै	क
जी	ग	ल	ई	ना	डू	स	ली	ह	नि	जा
लो	अ	या	र	न	न	मे	थां	का	क	ग
ल	क	ला	त	अ	प	का	थी	ह	भा	र
लो	क	म	त	व	म	ला	र	मा	स्क	ण
र	मा	नो	व	न	प	र	रा	ल	र	ला
क	तृ	र	अ	लं	का	र	उ	न	जू	दे
र	भू	मा	मा	न	सिं	ब्रा	रु	जा	प	श
बां	मि	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	ला	र

शब्दजाल - 7213 का हल

म	अ	मु	न	फा	ल्गु	न	ज	ग	ल	य
रा	वि	ली	प्रे	चै	त्र	स	द	ज	कां	ड़
चु	पौ	ष	बा	दी	छ	का	आ	ब	सा	क
इं	नौ	ब	न	बा	वा	से	र्ति	ल	व	क
डि	आ	मा	ल	भा	चा	न	र	क	न	च
या	ल	न	र्ग	रा	द	ली	ती	ण	घ	र
द	ज्ये	र्नि	ग	शी	न	वा	स	बा	व	स
क	ष्ठ	ऊ	ई	द	र्ष	क	फ	चो	श	क
रा	म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	जी	वै	शा	ख	प	द
क	ड	आ	षा	ढ़	क	र्त	व्य	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6167

1			4	3		2
5	33	7	35		28	
		2		6		5
	32	3	38		32	
7	5			4	2	1
	33	1	31		30	4
3			6		5	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6166 का हल

4	3	7	5	6	1	2
5	33	3	35	1	27	7
6	1	4	7	2	5	3
3	26	2	40	7	34	6
1	3	6	7	5	2	4
2	29	1	33	4	30	5
7	4	5	2	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

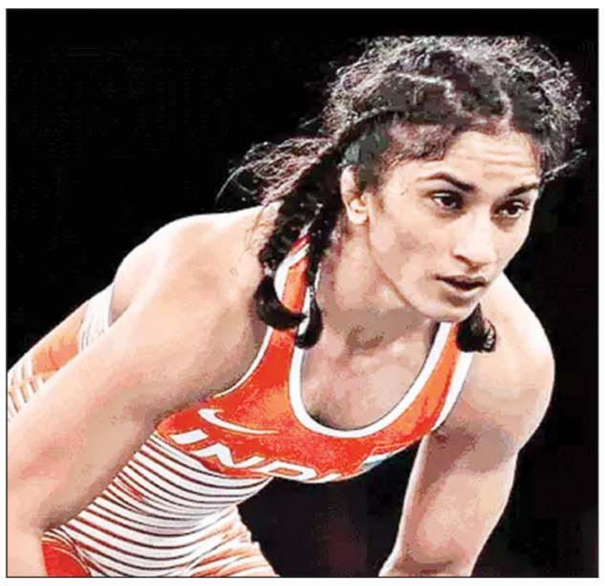

बजरंग–संगीता, विनेश एशियाई खेलों की तैयारी में जुटे : प्रदर्शनकारी पहलवान सोनीपत एसआई सेंटर में ट्रायल की प्रैक्टिस कर रहे

पानीपत।
भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण से जारी विवाद के बीच प्रदर्शनकारी पहलवानों ने एशियाई खेलों की तैयारी शुरू कर दी है। विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और संगीता फोगाट मैट पर लौट आए हैं। उन्होंने सोनीपत स्थित स्एआई केंद्र में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। विनेश फोगाट ने 9 जून को अभ्यास के लिए केंद्र का दौरा किया था। विनेश की चचेरी बहन गीता फोगाट भी ट्रायल की प्रैक्टिस के लिए यहां पहुंची है। गीता नवंबर 2021 में गोंडा में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के बाद मैटरनिटी लीव ली थी। अब वह कुश्ती में वापसी कर रही हैं। उनके साथ पहलवान पति पवन सरोहा भी हैं।

नाबालिग पहलवान के पिता ने साक्षी से मांगा स्पष्टीकरण

साक्षी मलिक ने कहा था कि नाबालिग पहलवान ने दबाव में बयान बदले। उन्हें धमकी दी गई थी। इस वजह से दिल्ली पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी। नाबालिग पहलवान के पिता ने साक्षी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा- मेरे परिवार को कोई धमकी नहीं मिली थी। साक्षी मलिक को अपना बयान स्पष्ट करना चाहिए। हमें जो करना चाहिए था, हमने कर दिया है।

नाबालिग पहलवान की शिकायत पर था पोकसो एक्ट का केस

सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर पर बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने 2 केस दर्ज किए थे। एक केस 6 महिला पहलवानों की शिकायत पर छेड़छाड़ का था। दूसरा नाबालिग पहलवान के यौन शोषण का था। जिसमें बृजभूषण पर पोकसो एक्ट लगा था। इस केस में पहलवान बृजभूषण की तुरंत गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। हालांकि अचानक नाबालिग पहलवान व उसके पिता ने बयान वापस ले लिए। इस मामले की सुनवाई 4 जुलाई को होनी है।

नाबालिग पहलवान के दादा बोले- हमारी बच्ची मोहरा क्यों बने

नाबालिग पहलवान के दादा ने भी कहा कि हमारी बच्ची मोहरा क्यों बने शुरू में ये तीन लड़कियों का नाम ले रहे थे। हमारी बेटी के अलावा दो और कौन हैं, उन्हें सामने क्यों नहीं लाया गया।

साक्षी मलिक और बबीता फोगाट हो चुकी आमने-सामने

बृजभूषण के खिलाफ धरने को लेकर बबीता फोगाट और साक्षी मलिक आमने-सामने हो चुकी है। साक्षी मलिक ने पति सत्यव्रत कादियान के साथ वीडियो जारी कर कहा कि उन्हें बबीता फोगाट और बीजेपी नेता तीरथ राणा ने धरने के लिए मोटीवेट किया। उन्हें धरने की परमिशन भी दिलाई। इसके जवाब में बबीता फोगाट ने कहा कि साक्षी झूठ बोल रही है। परमिशन लेटर पर मेरी सहमति या साइन दिखाए।

न्यूज ब्रीफ

एशेज 2023: पोंटिंग को लगता है कि वॉर्नर दूसरी पारी में बेहतर खेलेंगे

बरमिंघम। ऑस्ट्रेलिया टीम में अपनी जगह बनाए रखने के लिए डेविड वार्नर पर बढ़ते दबाव के बीच, पूर्व

कप्तान रिकी पोंटिंग ने यहां इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे एशेज 2023 के पहले टेस्ट की दूसरी पारी में इस स्टार सलामी बल्लेबाज को बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना जताई है। वार्नर को पहले टेस्ट की पहली पारी में स्टुअर्ट ब्रॉड ने महज नौ रन पर आउट कर दिया था। इस तरह वार्नर 15 बार स्टुअर्ट ब्रॉड का शिकार बने हैं। अब इस अनुभवी सलामी बल्लेबाज पर दूसरी पारी में रन बनाने का दबाव बढ़ेगा। लेकिन पोंटिंग का कहना है कि एजबेस्टन की पहली पारी और विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भारत के खिलाफ पारी को देखने से लगता है कि वार्नर फॉर्म में आने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने आईसीसी रिव्यू के नवीनतम एपिसोड में कहा, मुझे लगा कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल की पहली पारी में वास्तव में अच्छा दिख रहे थे; उन्होंने वहां जो 40 रन बनाए, वह वास्तव में अच्छा था। और भले ही उन्होंने यहां पहली पारी में नौ रन बनाए, लेकिन जिस तरह से पारी की शुरूआत की, मैंने दो साल के टेस्ट क्रिकेट में सबसे अच्छी शुरूआत देखी है। मुझे लगता है कि वह पहली पारी में उतना स्वतंत्र रूप से स्कोर नहीं कर पा रहे थे जितना वह चाहते थे। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि दूसरी पारी उनके लिए महत्वपूर्ण है – न केवल उनके करियर के लिए, बल्कि जहां तक इस खेल और इस श्रृंखला की बात है तो यह एक बड़ी पारी होने वाली है। अगर वह उसी तरह शुरूआत करते हैं जैसे उन्होंने पहली पारी में की थी तो मुझे लगता है कि वह कुछ रन बनाएंगे। अपनी पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया को 386 रन पर आउट करने के बाद, इंग्लैंड तीसरे दिन तक 28/2 पर था।

भवानी देवी ने इतिहास रचा: एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय; सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की जेनाब से सामना

मुंबई। भारत की स्टार फेंसर भवानी देवी ने सोमवार को चीन के वुक्सी में एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप की

विमेंस सेबर इवेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाकर इतिहास रच दिया। भवानी देवी ने सेमीफाइनल में पहुंचकर चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक पक्का किया। भवानी देवी ने क्वार्टर फाइनल में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जापान की मिसाकी एमुरा को 15–10 से हराकर इतिहास रचा। मिसाकी ने काहिरा में खेले गए वर्ल्ड फेंसिंग चैंपियनशिप 2022 में विमेंस के सेबर इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। सेमीफाइनल में उनकी भिड़ंत उज्बेकिस्तान की जेनाब डेयिबेकोवा से होगी। 29 साल की भवानी को राउंड ऑफ 64 में बाई मिली थी जिसके बाद अगले दौर में उन्होंने कजाखस्तान की डोस्पे करीना को हराया। ओलिंपियन खिलाड़ी ने प्री क्वार्टर फाइनल में भी उलटफेर करते हुए तीसरी वरीय ओजाकी सेरी को 15–11 से हराया था। फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव राजीव मेहता ने भवानी देवी को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा, 'यह भारतीय फेंसिंग के लिए बेहद गौरवपूर्ण दिन है। भवानी देवी ने वह किया है जिसे इससे पहले कोई और हासिल नहीं कर पाया।

अभिषेक वर्मा ने तीरंदाजी विश्वकप चरण-3 के कंपाउंड वर्ग में जीता स्वर्ण, अमेरिकी खिलाड़ी को हराया

नई दिल्ली । अभिषेक वर्मा ने कोलंबिया में तीरंदाजी विश्व कप चरण तीन की पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इंचियोन 2014 एशियाई खेलों की कंपाउंड टीम स्पर्धा के स्वर्ण और व्यक्तिगत स्पर्धा के रजत पदक विजेता 33 साल के वर्मा ने फाइनल में अमेरिका के जेम्स लुट्ज को 148–146 से हराया। विश्वकप के कई बार के स्वर्ण पदक विजेता वर्मा शुरुआती दो चरण से बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे थे। उन्होंने इससे पहले रोमांचक व्यक्तिगत फाइनल में दुनिया के नंबर एक तीरंदाज और शीर्ष वरीय नीदरलैंड के माइक क्लोसेर को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। आठवें वरीय वर्मा ने इसके बाद अंतिम चार के मुकाबले में ब्राजील के लुकास अब्रेयू को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वर्मा का यह तीसरा व्यक्तिगत विश्वकप स्वर्ण पदक है। यह 2021 पेरिस चरण के बाद उनका पहला स्वर्ण है। उन्होंने अपना पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक पोलैंड के रॉक्लॉ में 2015 में जीता था।

भारतीय फुटबॉल टीम को ओडिशा सरकार का तोहफा

इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीतने पर एक करोड़ रुपये की घोषणा

भुवनेश्वर ।
ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हिरो कॉन्टिनेंटल कप जीतने पर इनाम के रूप में भारतीय फुटबॉल टीम को एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की। भारतीय फुटबॉल टीम ने कप्तान सुनिल क्षेत्री की 87वें गोल और लल्लियांजुआला छांगटे की स्ट्राइक के बदौलत फाइनल मुकाबले में लेबनान को 2-0 से हराकर इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीता।

इंटरकॉन्टिनेंटल कप के समापन समारोह में दर्शकों को संबोधित करते हुए सीएम नवीन पटनायक ने कहा- इस प्रतिष्ठित इंटरकॉन्टिनेंटल कप की मेजबानी करना हमारे राज्य के लिए गर्व की बात है। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच भारत को इस जीत के लिए बधाई। हमारा इरादा ओडिशा में और अधिक फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन करना है और ओडिशा और भारत में खेल की वृद्धि का समर्थन करना है।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने इस इवेंट की सफलतापूर्वक मेजबानी करने के लिए ओडिशा सरकार का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा–हमारे पास इससे अच्छा वेन्यू और कहीं नहीं हो सकता था। मैं भाग लेने वाली टीमों का समर्थन करने के साथ, शानदार टूर्नामेंट का आयोजन करने के लिए ओडिशा सरकार को धन्यवाद देता हूं।

इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने दूसरी बार इंटरकॉन्टिनेंटल कप अपने नाम किया। भारत ने पिछली बार उसने 2018 में इस टूर्नामेंट को जीता था। 2019 के बाद कोरोना महामारी के कारण यह टूर्नामेंट आयोजित नहीं हो सका था। यह इंटरकॉन्टिनेंटल कप का तीसरा संस्करण है और भारत दूसरी बार चैंपियन बना है।

ईएफए नेशंस लीग थर्ड प्लेस मैच

इटली ने नीदरलैंड को 2-3 से हराया, दिमार्को, फ्राटेजी और चिएसा ने दागे गोल

एनस्किडे (नीदरलैंड)।
यूरोप की ईएफए नेशंस लीग के थर्ड प्लेस मैच में इटली ने नीदरलैंड को 3–2 से हराया। नीदरलैंड के एनस्किडे शहर में हुए मैच में इटली के प्लेयर्स फेड्रिको डीमार्को, डेविड फ्राटेजी, और फेडेरिको चिएसा ने गोल दागे। ईएफए नेशंस लीग स्पेन और क्रोएशिया के बीच खेला जाएगा। सेमीफाइनल मुकाबले में स्पेन ने इटली को 1–0 और क्रोएशिया ने नीदरलैंड को नीदरलैंड को 2–4 से हराया था।

इटली ने शुरूआती मिनट में बनाई लीड- इटली ने शुरुआती मिनट में ही नीदरलैंड पर लीड बना ली थी। मैच के छठे मिनट में इटली के राइट बैक डिफेंडर फेड्रिको डीमार्को ने शानदार गोल दाग दिया। इसके बाद 20वें मिनट में डेविड फ्राटेजी ने टीम के विंगर विल्फ्रेड ग्नोंटो के पास पर शानदार गोल दाग दिया। इससे इटली ने 20 मिनट में ही बढ़त बना ली। इसके बाद इटली अपना डिफेंडिंग गेम खेलने लगी।

नीदरलैंड ने दूसरे हाफ में की वापसी - मैच के दूसरा हाफ में नीदरलैंड ने वापसी करने की कोशिश की 68वें मिनट में नीदरलैंड के स्ट्राइकर स्टीवन बर्गवाइन ने शानदार गोल स्कोर किया। बॉक्स में डिफेंडर से बॉल काटने के बाद बर्गवाइन ने सीधा गोल में बॉल को डाल दिया।72वें मिनट में इटली ने नीदरलैंड के वापसी का चांस खत्म कर दिया जब इटली की विंगर फेडेरिको चिएसा ने डिफेंडर्स को छकाते हुए चुपके से जगह बनाई और सही समय पर पास ले कर गोल कर दिया। इससे इटली की फिर 2 गोल की बढ़त बन गई। 89वें मिनट में फिर नीदरलैंड के खिलाड़ी जोर्जिनो वाइनाडुलम ने गोल दागा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

रणजी सीजन अगले साल 5 जनवरी से: 70 दिन चलेगी घरेलू खिताब के लिए जंग; पिछले सीजन की सेमीफाइनलिस्ट कर्नाटक-तमिलनाडु एक ही ग्रुप में

मुंबई।
भारत के सबसे पुराने घरेलू टूर्नामेंट रणजी के नए सीजन की शुरुआत 5 जनवरी से होगी। यह 70 दिन का होगा और टूर्नामेंट 14 मार्च को खत्म होगा। 19 फरवरी तक लीग स्टेज के मुकाबले खेले जाएंगे। वहीं, नॉकआउट मुकाबलों की शुरुआत 23 फरवरी से होगी। वहीं पिछले सीजन की सेमीफाइनलिस्ट कर्नाटक और तमिलनाडु अगले रणजी सीजन के एक ही ग्रुप में हैं। साथ ही, सौराष्ट्र और महाराष्ट्र भी एक ही ग्रुप में हैं।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 16 से 27 अक्टूबर तक

बीसीसीआई का टी20 टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 16 से 27 अक्टूबर तक मोहाली, मुंबई, रांची, जयपुर और देहरादून में खेले जाएंगे। नॉकआउट मुकाबले 31 अक्टूबर से छह नवंबर तक मोहाली में होंगे। इसके अलावा विजय हजारे ट्रॉफी वनडे क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच 23 नवंबर से पांच दिसंबर तक खेले जाएंगे, जबकि नॉकआउट मुकाबले नौ से 16 दिसंबर तक आयोजित होंगे।

कोहली की नेटवर्थ 1000 करोड़ के पार: इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट से कमाई 8.9 करोड़, बीसीसीआई सालाना कॉन्ट्रैक्ट के देता है 7 करोड़

मुंबई।
टीम इंडिया के स्टार बैटर विराट कोहली की नेटवर्थ 1000 करोड़ रुपए के पार पहुंच गई है। 34 साल के कोहली की नेटवर्थ को लेकर यह खुलासा स्टॉक ग्रो कंपनी ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर 253 मिलियन (25 करोड़ 30 लाख) फॉलोअर्स वाले कोहली की नेटवर्थ 1050 करोड़ रुपए हो गई है।

बीसीसीआई की कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में कैटेगरी में

पूर्व भारतीय कप्तान कोहली को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अपनी कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में कैटेगरी में जगह दी है। कोहली को बीसीसीआई से सालाना 7 करोड़ रुपए कॉन्ट्रैक्ट के तहत मिलते हैं। इसके अलावा बीसीसीआई उन्हें एक टेस्ट के लिए 15 लाख, एक वनडे के लिए छह लाख और एक टी–20 मैच खेलने के लिए तीन लाख रुपए देता है।

कोहली 114 करोड़ के दो घरों और 31 करोड़ रुपए की कारों के मालिक

कोहली इंडियन प्रीमियर लीग टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम का हिस्सा हैं। बेंगलुरु उन्हें सालाना 15 करोड़ रुपए भुगतान करता है। कोहली का मुंबई और गुरुग्राम में घर हैं। मुंबई वाले घर की कीमत 34 करोड़ और गुरुग्राम वाले घर की कीमत 80 करोड़ रुपए है। कोहली के पास 31 करोड़ रुपए की लग्जरी कारों का कलेक्शन है।

ट्विटर पर प्रति पोस्ट 2.5 करोड़ रुपए करते हैं चार्ज

सोशल मीडिया की बात करें तो इंस्टाग्राम पर कोहली एक पोस्ट के लिए 8.9 करोड़ रुपए चार्ज करते हैं। वहीं, ट्विटर पर वे प्रति पोस्ट 2.5 करोड़ रुपए लेते हैं। कोहली के इंस्टाग्राम अकाउंट पर 25 करोड़ से ज्यादा (253 मिलियन) फॉलोअर्स हैं। वे इंस्टाग्राम अकाउंट पर इतने ज्यादा फॉलोअर्स वाले पहले एशियाई भी हैं।

18 से अधिक ब्रांड्स का करते हैं विज्ञापन

कोहली ब्रांड एंडोर्समेंट से सालाना करोड़ों रुपए कमाते हैं। कोहली जितनी कमाई क्रिकेट से करते हैं, उससे चार गुना ज्यादा ऐड, ब्रांड एंडोर्समेंट और स्टार्टअप्स से कर रहे हैं। उन्होंने सात स्टार्टअप में निवेश किया है, जिसमें ब्लू ट्राइब, यूनिवर्सल स्पोर्ट्सबिज, एमपीएल और स्पोर्ट्स कॉन्वो शामिल हैं। वे 18 से अधिक ब्रांड्स का विज्ञापन करते हैं। कोहली हर विज्ञापन के लिए सालाना 7.50 से 10 करोड़ रुपए लेते हैं।

सर्जरी के बावजूद मोटो जीपी रेसर मार्क की वापसी

समय से पहले संन्यास के बारे में सोच रहे थे, हर छोटी सफलता पर मनाते हैं जश्न

मैड्रिड।
स्पेन के मार्क मारक्वेज मोटो जीपी खिलाड़ी हैं। करियर में कुल 59 रेस जीतने के बाद केवल 28 साल की उम्र में संन्यास लेना चाहते थे। आंखों में आंसू के साथ वो बताते हैं कि संन्यास के बारे में निर्णय लेते वक्त वे लगातार सोच रहे थे कि क्या ये सब जरूरी है क्या इतना दर्द सहना जरूरी है।

दरअसल, मारक्वेज अपनी सर्जरी के लिए अमेरिका जा रहे थे। मोटो जीपी में क्रैश के कारण उन्हें दाएं हाथ में चौथी सर्जरी करवानी पड़ी थी। अगर ये सर्जरी सफल नहीं होती तो उन्हें करियर को अलविदा कहना पड़ता। पिछले साल उनके जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री शूट हुई, जिसमें उन्होंने समय से पहले संन्यास लेने की बात सामने रखी थी।

वो उस समय के बारे में बात करते हुए बताते हैं, 'मैं करियर में बहुत भाग्यशाली रहा हूं कि हमेशा जीतने के बारे में बात की है। इसलिए अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए डर लगता है। लोग हमें हीरो की तरह देखते हैं, लेकिन हम भी इंसान है और खराब दिन से गुजरते हैं।' करियर की शुरुआत से ही लगातार उनके दाएं हाथ पर क्रैश का असर पड़ता रहा है।

वे बताते हैं, मैंने अपने हाथ पर कभी टांके नहीं गिने। हालांकि मेरे हाथ पर शायद 40 टांके हैं। साथ ही, मेरे हाथ में 2 मेटल प्लेट्स और 35 स्क्रू (पेंच) लगे हुए हैं।' उन्होंने इसके बाद इस सीजन में वापसी की। हालांकि उनका सीजन कुछ खास नहीं गया।

2021 में दर्द के बावजूद लगातार रेस में हिस्सा लिया

मार्च में पुर्तगाल में हुई रेस में भी उनकी बाइक क्रैश हो गई, जिस वजह से वे लगातार 3 रेस में हिस्सा नहीं ले पाए। उनके ऊपर बनी डॉक्यूमेंट्री में सामने आया कि वो 2021 में दर्द के बावजूद लगातार रेस में हिस्सा ले रहे थे। चौथी सर्जरी के लिए अमेरिका जाने से चार दिन पहले उन्होंने इटली की मोटो जीपी रेस में भाग लिया।

वह बताते हैं, 'मुझे अपनी इस मानसिकता की वजह से ही सफलता मिली है। यह मेरी किलर मानसिकता है, जो मेरे लिए मेरा मजबूत पक्ष भी है और कमजोर पक्ष भी। मेरी किलर मानसिकता की वजह से मैं कभी खुद को डिफेंड या बचाने की कोशिश नहीं करता।'

2022 सीजन के आखिरी में वापसी करते हुए मार्क ऑस्ट्रेलियाई ग्रांपी में दूसरे स्थान पर रहे। वे कहते हैं, 'मुझे मालूम है कि मैं दूसरे स्थान पर रहा, लेकिन मेरे लिए वो बहुत अहम था। अंधेरी गुफा के अंत में अक्सर आपको एक रोशनी की जरूरत होती है।

मेरे लिए दूसरा स्थान वो रोशनी थी।' साथ ही, वे बताते हैं कि जीवन को देखने का उनका नजरिया बहुत हद तक बदला है। पहले शायद दूसरे स्थान पर रहना उनके लिए बड़ी बात नहीं होती। हालांकि, अब वे जीवन में हर छोटी सफलता पर जश्न मनाते हैं।

आपका स्मार्टफोन भी बता सकता है कि कहीं आपको कैंसर तो नहीं

कैंसर उन खतरनाक बीमारियों में से एक है जिनका फर्स्ट स्टेज पर पता न चले तो मरीज की जान पर बन आती है। कैंसर कई तरह का होता है लेकिन खतरनाक कैंसर टाइप में से एक है स्किन कैंसर। स्किन कैंसर का पता आपको आपकी त्वचा के कलर से भी पता चल सकता है। आज हम आपको ऐसे एप के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक छोटे से टेस्ट के बाद आपको बता देगा कि त्वचा का बदलाव कैंसर है या नहीं।

SkinVision एप :SkinVision नाम का ये एप अमेरिका और यूरोप में काफी चलन में है। ये एप एक अवेयरनेस मोबाइल ऐप्लिकेशन है जो आपकी स्किन में आ रहे बदलाव को ट्रैक करने में आपकी मदद करता है। ये आपको समय-समय पर आपकी स्किन के पॉजिटिव और नेगेटिव बदलावों की जानकारी देता रहता है। हालांकि हम आपको बता दें कि ये सिर्फ इतना ही एक्यूरेट है कि कैंसर के रिस्क के बारे में बता सके, कन्फर्म कराने के लिए आपको टेस्ट तो कराने ही होंगे।

कैसे करें इस्तेमाल : इस एप को ऑन करके फोन के कैमरे से स्किन के उस हिस्से की तस्वीर लें जहां आपको बदलाव नजर आ रहा है। इस फोटो का एनालिसिस करने के बाद एप आपको कई तरह के रेमेंडेशन देगा। बता दें कि SkinVision ऐप आपको पिक्चर्स आर्काइव करने की भी सुविधा देता है। इससे आप स्किन में आ रहे चेंजेस की फोटोज आर्काइव करके डॉक्टर को दिखा सकते हैं।

पोकेमोन गो भी टेक्सटिंग जितना ही खतरनाक हैः शोध

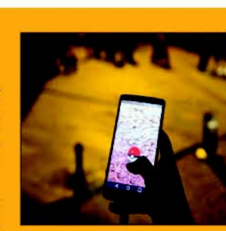

ह्यूस्टन। एक नए शोध में पता चला है कि रियलिटी गेम पोकेमोन गो खेलने से लोगों को उसी तरह के खतरे हो सकते हैं जिस तरह के टेक्सटिंग के दौरान पेश आते हैं। पोकेमोन गो इसी साल जुलाई में लॉन्च हुआ है। इसमें ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम की मदद से खिलाड़ी पोकेमोन को खोजते हैं, उन्हें पकड़ते हैं, उनसे लड़ते हैं और उन्हें प्रशिक्षण देते हैं। ये पोकेमोन स्क्रीन पर इस तरह नजर आते हैं जैसे वे उसी असल दुनिया में हों जिसमें खिलाड़ी है।

यह गेम दुनियाभर में काफी लोकप्रिय हुआ है और इसे 10 करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया जा चुका है। गेम के लॉन्च होने के बाद से ऐसी खबरें आने लगीं कि इसके खिलाड़ी गिर रहे हैं, चीजों से टकरा रहे हैं और यहां तक कि गेम खेलते हुए व्यस्त सड़कों पर पहुंच जा रहे हैं। अमेरिका की टेक्सास ए ऐंड एम यूनिवर्सिटी में शोध विज्ञानी कोनराड अर्नेस्ट ने कहा, मेरे खयाल से पोकेमोन गो के साथ परेशानी यह है कि यह बिलकुल ऐसी दुनिया में ले जाता है जहां व्यक्ति की गति एकदम धीमी हो जाती है और लोग अपने पोकेमोन को पकड़ने के लिए विशेष दिशा में चलने लगते हैं।

बीते साल अर्नेस्ट ने चलते हुए टेक्सटिंग पर शोध किया था। इसमें पाया था कि बिना ध्यान भटकाए राहगीरों के मुकाबले टेक्सटिंग कर रहे और या संज्ञानात्मक रूप भटके राहगीरों की चलने की गति धीमी हो जाती है, वे अड़चनों से पार पाने के लिए ज्यादा और उंचे उंचे डग भरते हैं। अर्नेस्ट ने कहा, इसकी संभावना ज्यादा होती है कि जब क्रासवाक का संकेत साफ तौर पर जाने का नहीं होता है तो खिलाड़ी सड़क पार करें।

बारिश में भी महकता रहे घर

पहली बारिश की खुशबू तो सबको पसंद है, लेकिन लगातार बरसते पानी के कारण सीलन की गंध घरों में घुस ही जाती है। कपड़ों को भी धूप नहीं मिल पाती तो वे भी गंध छोड़ने लगते हैं, इसी तरह गार्डन में जमा पानी भी बदबू मारने लगता ह। कई वजह हैं जिनके कारण घरों में गंध समा जाती है। गंध को घर से भगाना कुछ मुश्किल नहीं है, सही वक्त

पर सही तरह की खुशबू को घर में रखेंगे तो ये मौसम और खुशनुमा हो जाएगा।

■ लेमनग्रास, ऑरेंज जैसी सिट्रस खुशबू तरोताजा महसूस कराती हैं लेकिन इनका खास असर दिन के वक्त ही ज्यादा होता है।

■ दिन के वक्त डिफ्यूजर का उपयोग लीविंग रूम्स और बाथरूम में कर सकते हैं। स्प्रे भी असर दिखाने वाले होते हैं।

■ कपड़ों की गंध भगाने के लिए फ्रेंगरेंस सैशे का ही उनयोग करें, जिसे अलमारियों में रखा जा सकता है।

■ शाम के वक्त वेपोराइजर्स का उपयोग करें। सेंटेड कैंडल्स भी माहौल में गर्माहट लाएंगी और बारिश की ठंडक को महसूस नहीं होने देंगी। बेडरूम्स में इनका प्रयोग किया जा सकता है।

सिर्फ आपको संगीत सुनाएंगे ये स्पीकर्स

कंपनी के यह स्पीकर कुछ अवॉर्ड्स भी जीत चुके हैं जबकि अभी तक ये प्री ऑर्डर स्टेज पर ही हैं। ये डायरेक्शनल ऑडियो डिवाइस है जो हाई फिडेलिटी साउंड को बाहर फेंकती है जिसे सिर्फ आप ही सुन सकते हैं। यह एक कम चौड़ी बीम के जरिए होता है जिसे आप अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर आप अपने बेडरूम में म्यूजिक सुनना चाह रहे हैं और पार्टनर को सोना है। हेडफोन की झंझट भी आपको नहीं चाहिए। आप असके स्पीकर को अपने कानों की कर दीजिए, जो साउंड बीम निकलेंगी वो सिर्फ आप तक ही पहुंचेंगी और पार्टनर को पता भी नहीं चलेगा कि कोई संगीत कमरे में बज रहा है। अस डायरेक्शनल साउंड कंट्रोल तकनीक से नॉइस पौल्यूशन भी नहीं होता है।

कंपनी ने तो बाकायदा नो मोर हेडफोन्स कैम्पेन भी चला रखा है। akoustic-arts.com पर ये ए स्पीकर प्री ऑर्डर पर उपलब्ध हैं। ये दो आकार में मिल रहे हैं। जूनियर का आकार 9 बाय 9 सेमी है और बड़े का आकार 20 बाय 20 सेमी है। छोटे

की कीमत 350 डॉलर है और बड़े की 550 डॉलर। जैसे ही यह कैम्पेन पूरा होगा इन दोनों की कीमत बढ़ना तय है। डिलेवरी मिलने के बाद इन स्पीकर्स को सेट करना भी बेहद आसान है। सबसे पहले इनकी पैकिंग हटाइए, बैटरी कनेक्ट कीजिए, चार्जिंग केबल को स्पीकर में लगाइए और किसी भी डिवाइस(स्मार्टफोन, टेबलेट, लैपटॉप, स्टीरिओ, टीवी वगैरह) कनेक्ट कर दीजिए। ये कनेक्शन 3.5एमएम के मिनीजैक के जरिए होगा। ए स्पीकर के लिए ऐसेसरीज भी मिल रही हैं। जैसे एक स्टैंड के रिए आप इसे पास रखी मेज पर भी सेट कर सकते हैं। वॉल माउंट भी करवा सकते हैं। और तो और छत पर भी ये लग सकते हैं। ये ऐसेसरीज मात्र 50 डॉलर में प्री ऑर्डर कर 7 सकते हैं।

अब नहीं होगी दिक्कत बेल्ट खरीदने में

बेल्ट पहनना जितना आसान काम है, उतना ही मुश्किल उसे खरीदते वक्त चुनना है। ज्यादातर पुरुष नहीं जानते कि उन्हें बेल्ट खरीदते वक्त किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस दिक्कत को हल करती कुछ बातें...

बेल्ट की लंबाई : बेल्ट की लंबाई की उसकी सुंदरता तय करती है। हद से ज्यादा लंबे बल्ट कभी सुंदर नहीं लग सकते। बड़े ब्रांड तो कमर के नाप के हिसाब से ही प्रोडक्ट निकालते हैं। आप जाइए और शॉपकीपर को कमर का नाप बताइए वो पूरी रेंज सामने रख देगा। सही तरीका भी यही है। अगर ब्रांडेड बेल्ट नहीं खरीद रहे हैं तो यह ध्यान रखिये कि बेल्ट पहनने के बाद अतिरिक्त हिस्सा पैंट के लेफ्ट साइड के पहले बकल से थोड़ा ही ज्यादा होना चाहिए। यह बचा हिस्सा अगर दूसरे बकल तक पहुंच गया तो बात बिगड़ जाएगी।

बकल्स की चौड़ाई : जितना चौड़ा बकल आप लेंगे, उतना ही कम फॉर्मल यह लगेगा। बड़े बकल कैजुअल ड्रेसिंग पर ही अच्छे लगते हैं। पैंट्स पर तो कतई नहीं! बड़े बकल्स में राउंड शेप सबसे ज्यादा चलन में होता है, फिर चाहे आप इसे गोल्ड फिनिश में लें या सिल्वर फिनिश में। इन्हें स्टाइल करते वक्त ध्यान रखें कि अगर आप जिस रंग की आपने कफलिंक्स, टाई पिन पहनी हो उसी से मैच करता हुआ बेल्ट का बकल होना चाहिए। यह जरूर ध्यान रखें कि वेडिंग रिंग से इसे कभी मैच नहीं करना है।

जितना पतला और सिंपल बकल होगा, उतना ही यह फॉर्मल लगेगा। ऑफिस के लिए यही ठीक रहते हैं। जीन्स पर यह कम अच्छे लगते हैं। जीन्स के लिए बड़े बकल ही बेहतर ऑप्शन हैं और यह उन्हें बेहतर ढंग से थामते भी हैं।

रंग की बात : लेदर का रंग हमेशा ही लेदर से मैच करता हुआ होना चाहिए। ब्लैक जूते पहने हैं तो ब्लैक बेल्ट पहन सकते हैं, ब्राउन लेदर शू पर ब्राउन बेल्ट ही सुंदर लगेगा। फिनि का भी आपको ध्यान रखना होगा। मैट फिनिश के शूज के साथ मैट फिनिश बेल्ट ही अच्छा लगेगा। इसी तरह ग्लॉसी बेल्ट्स के साथ शाइनी शू पहने होना चाहिए।

ये टिप्स भी हैं काम की...

■ ब्रैडेड बेल्ट यानी चोटी की तरह गूंथे हुए बेल्ट में कभी भी बकल के लिए छेद न करवाएं। इसमें बीच में जो जगह होती है उसका उपयोग किया जाना चाहिए।

■ ज्यादातर बेल्ट काल्फस्किन के बने होते हैं। जितना ज्यादा यह सॉफ्ट होगा, उतनी ही हाई क्वालिटी का होगा।

■ कड़क बेल्ट में दरारें पड़ने का डर होता है। इन्हें खरीदने से बचा जाना चाहिए।

■ अच्छे स्टोर पर बेल्ट काटकर भी दिए जाते हैं। आकार के हिसाब से यहां जानकार इसे काट देते हैं।

■ बड़े ब्रांडों का नाम भी अक्सर बेल्ट पर उभरा रहता है लेकिन यह याद रखें कि बेल्ट इतने छोटे होते हैं कि इन्हें कोई भी दूर से नोटिस नहीं कर पाता है। बेहद छोटे नामों के पीछे खासी रकम खर्चने से बच सकते हैं। इसकी जगह तो क्वालिटी पर इनवेस्ट करना चाहिए।

अब तो अपना ही लीजिए साइकिल

कुछ के लिए यह विचार ही अजीब हो सकता लेकिन यकीं मानिये साइकिल को जीवन के किसी भी पड़ाव पर जिंदगी में शामिल करने के जबरदस्त फायदे हैं। फिट रहने का भी शौक रखते हैं तो ये सवारी वाकई आपकी है। पेश हैं कुछ कारण जो आपको साइकिल खरीदने के लिए प्रेरित करेंगे।

इको फ्रेंडली राइड

प्रकृति की चिंता करने के लिए जरूरी नहीं कि किसी पर्यावरण संस्था से जुट जाएं। आपकी जरा-सी कोशिश से भी बड़ा फर्क आ सकता है। साइक्लिंग करें और एयर पॉल्यूशन कम करने की हर सम्भव कोशिश करें। कार चलाने की आदत कुछ दिन के लिए ही छोड़े और फर्क महसूस करें। यह खुशी इतनी बड़ी महसूस होने लगेगी की कि खुद-ब-खुद काम से काम कार चलाएंगे।

सबसे जरूरी सेहत

जब जिम में साइकिल शामिल कर ली गई है तो अंदाजा लगा सकते हैं कि सेहत के मामले में इसे चलाने के कितने फायदे हैं। साइकिल चलाना मजेदार तो है ही, इससे आपके शरीर के कई अंग एक साथ काम करते हैं। यह ब्लड सर्क्युलेशन बेहतर करती है और इसकी सवारी करने वालों को दिल की बीमारी होने के भी बेहद कम चांस होते हैं। आंखों की रोशनी बेहतर करना चाहते हैं तो भी रेग्युलर सायक्लिंग करें। सायक्लिंग से तनाव भी काफी कम होजाता है और इस तरह ये हमारे इमोशनल डेवलपमेंट में भी मदद देती है।

कई झंझट खत्म

साइकिल को अपनी सवारी बनाने के कई फायदे धन के गणित से भी जुड़े हैं। यह फाइनेंशियल बर्डन जरा नहीं है। इसकी सवारी से शहरों में जगह-जगह लगने वाले जाम से भी आप बच सकते हैं। इस तरह हर जगह आप वक्त पर पहुंचेंगे। इसकी सवारी से आप खुद को ज्यादा डाइनैमिक मानने लगेंगे और काफी हद तक तनाव रहित महसूस करेंगे। मजेदार तो यह है कि इसे चलाने के लिए ड्राइविंग लाइसेंस की भी जरूरत नहीं पत्ती और न ही टैक्स देना पत्ता है। इसलिए जल्द ही अपने लिए एक साइकिल खरीदें और लाइफ को आसान बनाएं। पेट्रोल का पैसा, रिपेयरिंग का खर्च वगैरह आप बचाएंगे वो अलग।

देखें दुनिया करीब से

कार या स्कूटर की सवारी काफी तेज होती है। इस गति की वजह से आप कई चीजें ठीक से देख भी नहीं पाते जो अक्सर आपके रास्ते में होती है। साइकिल से आप ये नजारे देख पाएंगे और नजदीक से महसूस कर पाएंगे। वैसे भी सायक्लिंग एक तरह की लत है। जिनको साइकिल चलाने की आदत है वे इसके बिना नहीं रह पाते। किसी भी संडे को अपने शहर में एक सायक्लिंग एडवेंचर प्लान करने से मजेदार क्या हो सकता है। हर शहर के पास ऐसी जगह होती ही हैं जहां साइकिल से जाया और आया जा सकता है। रास्ते में कई लैंडस्केप्स मिलते हैं जिन्हे पहले देखा ही नहीं होता है। याद रखिये कि साइकिल पर चलकर दुनिया को बिलकुल अलग नजर से देखा जा सकता है और ऐसी जगह घूम सकते हैं जहां पहले कभी नहीं गए।

हरी मिर्च खाने के ये फायदे चौंका देंगे आपको...

हरी मिर्च कई तरह के पोषक तत्वों जैसे- विटामिन ए, बी6, सी, आयरन, कॉपर, पोटेशियम, प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होती है. यही नहीं इसमें बीटा कैरोटीन, लुटेन - जॅक्सन्थिन आदि स्वास्थ्यवर्धक चीजें मौजूद हैं. वैसे तो आमतौर पर इसका इस्तेमाल खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए ही किया जाता रहा है लेकिन हाल में हुए कई शोध इस बात का दावा करते हैं कि हरी मिर्च खाने से कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है.

1. हरी मिर्च में विटामिन सी पर्याप्त मात्रा में होता है. विटामिन सी दूसरे विटामिन्स को शरीर में भली प्रकार अवशोषित होने में मदद करता है.
2. हरी मिर्च एंटी-ऑक्सीडेंट का एक अच्छा माध्यम है. हरी मिर्च में डाइट्री फाइबर्स प्रचुर मात्रा में होते हैं, जिससे पाचन क्रिया सुचारू बनी रहती है.
3. विटामिन ए से भरपूर हरी मिर्च आंखों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद है.
4. हाल में हुई कुछ स्टडीज के अनुसार, हरी मिर्च ब्लड शुगर को कम करने में कारगर होती है .

इन बातों से बनेगा आपका दमदार व्यक्तित्व

अभी तक यह माना जाता था कि व्यक्तित्व जन्मजात होता है और वह बदला नहीं जा सकता है। पिछले कुछ सालों से कुछ विशेषज्ञों ने यह सिद्ध किया है कि अभ्यास और ट्रेनिंग से आपके व्यक्तित्व को बदला जा सकता है। इसके लिए आपको परिश्रम करना होगा और समर्पण के साथ प्रयास करने होंगे। तभी आप अपने व्यक्तित्व में ऐसे परिवर्तन ला पाएंगे जिनके सहारे आप एकेडमिक और व्यवसायिक सफलता हासिल पाएंगे। देखें क्या हैं वे जरूरी तत्व जो देते हैं हमें दमदार पर्सनैलिटी।

कॉन्फिडेंस : व्यक्तित्व आपकी संपूर्णता का ही एक हिस्सा है, इसलिए यह जरूरी है कि आप जिस दिशा में सोच रहे हैं, विश्वास कर रहे हैं और काम कर रहे हैं उसमें दृढ़ता दिखाएं। यह दूसरों के लिए नहीं, स्वयं अपने लिए जरूरी है। फिर यह भी जरूरी है कि आप अपनी प्रतिभा और योग्यता पर विश्वास रखें और यह यकीन भी रखें कि आप हर उस बाधा को पार कर लेंगे जो आपके सामने आएगी। यदि आप एक टास्क को पूरा करने में लगे हुए हैं तो आप फिर से ड्राइंग बोर्ड की तरफ लौटें। अपनी योजना का एक प्लान बनाएं और उसमें आने वाले सभी सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर पूरी तरह से विचार करें। 90 प्रतिशत मामलों में यदि आप अपने प्रयासों को लेकर आश्वस्त हैं असफलता की आशंका कम होती जाती है।

अक्सर यह बताया जाता है कि हरेक व्यक्ति अपने आप में विशिष्ट है और इसलिए दुनिया में उसके जैसा

कोई और हो ही नहीं सकता है। हालांकि यह हमें बहुत ही घिसा-पिटा लगता है लेकिन यह सही है। इसका संबंध हमारे विशिष्ट स्वभाव, राय या व्यवहार से है जो हमें दूसरों की नजर में इंट्रेस्टिंग बनाता है, और यही हमारे व्यक्तित्व का सबसे जरूरी हिस्सा भी होता है। अत: जरूरी है कि किसी की तरह होने की बजाए खुद हों। ज्यादातर मामलों में, सफलता पाने के लिए लोग दूसरों के विचारों और व्यवहारों की नकल करते हैं। जबकि ऐसी चीजें थोड़े समय के लिए लाभकारी हो सकती है, यह बाद में काम नहीं करती है। हां जरूरी यह है कि आप अपनी ताकत और कमजोरी को पहचानें और उन पर काम करें और फिर उस हिसाब से अपने व्यक्तित्व को ढालें।

अटायर : ज्यादातर विशेषज्ञ इस बात पर यकीन करते हैं कि व्यक्तित्व प्रारंभिक तौर पर एक व्यक्ति की योग्यता, क्षमता से ही बनती है। लेकिन आपका अटायर या जो कपड़े आप पहनते हैं वह इस नियम का अपवाद है। आपकी भौतिक उपस्थिति की लोग अमूमन उपेक्षा करते हैं, यदि आपका अटायर इस बात को प्रभावित करता है कि आप लोगों के सामने कैसे जाते हैं? आपको हमेशा ऐसे कपड़े पहनना चाहिए जो आपके स्ट्रक्चर, आपके बॉडी टाइप और अवसर के अनुकूल हों।

बॉडी लैंग्वेज : आज के दौर में आपकी बॉडी लैंग्वेज आपके बारे में उससे ज्यादा कह देती है, जितना आप स्वयं कहकर या फिर अपने ज्ञान से नहीं कह सकते हैं। यहां तक कि आपके त्वरित हावभाव और आपका दिन-प्रतिदिन का व्यवहार जिसे आप उतना महत्व नहीं देते हैं लेकिन वही आपके व्यक्तित्व के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। आप कैसे बैठते हैं, कैसे बोलते, हाथ मिलाते हैं या फिर अभिवादन करते हैं, किस तरह बातचीत के दौरान आप नजरें मिलाते हैं यह सब कुछ आपके व्यक्तित्व का हिस्सा है। इसलिए जरूरी है कि आप इसका अच्छे से अभ्यास करें।

वाकपटु स्वभाव : आपकी बॉडी लैंग्वेज, संवाद-कौशल चाहे लिखित हो या मौखिक आपके व्यक्तित्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। लोकप्रिय विश्वास से अलग बातचीत भी एक तरह की कला है और यह शिष्टता, भद्रता और रचनात्मकता का मिलाजुला रूप है, तभी यह ज्यादा प्रभावोत्पादक हो सकता है। ज्यादातर मामलों में, लोग औपचारिक लिखित कम्युनिकेशन में बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, लेकिन जैसे ही बात मौखिक होती है, उन्हें मुश्किल आती है। याद रखें यह भी आपके व्यक्तित्व का अभिन्न अंग है। किस तरह से आप अपने विचार व्यक्त करते हैं, आपके शब्दों का चयन क्या होता है, बात करने का लहजा कैसा है, जिस विषय पर चर्चा हो रही है उसमें आपकी सहभागिता कैसी है और आपकी बॉडी लैंग्वेज कैसी है यह सब अच्छे कम्युनिकेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

शिष्ट व विनम्र स्वभाव : आपका व्यक्तित्व आपकी आदत और व्यवहार के पैटर्न से भी परिभाषित होता है। और यही आपके रोजमर्रा के जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। इसलिए आपका स्वभाव ऐसा होना चाहिए कि वह दूसरों पर गहरा प्रभाव डालें।

शिष्ट-शालीन और विनम्रता के साथ सहज व्यवहार अब भी फैशन से बाहर नहीं हुआ है। उल्टा, ये सारी चीजें आपके व्यक्तित्व में गिनी जाएंगी।

अपनी रुचि तराशें : अपने व्यक्तित्व के विस्तार के लिए जरूरी है कि आप अपने ज्ञान का स्तर बढ़ाएं, ज्यादा से ज्यादा अनुभव लें। ज्यादा पढ़ें, कुछ नया सीखें। अपनी रुचि विकसित करें, क्योंकि जितना अधिक आपका एक्सपोजर होगा, आप उतना ज्यादा सीखेंगे। और यही आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करेगा जो आपके प्रतिस्पर्धी पर आपको बढ़त देगा।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**